हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र | www.suryabulletin.com | suryabulletin@gmail.com

सूर्या बुलेटिन

सच जो दिल दहला दे...

वर्ष : 1 अंक : 31 | गाजियाबाद, बुधवार, 5 से 11 जून-2024 | Tital Code : UPHIN40005 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपये

नरेंद्र मोदी बनेंगे तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री

भाजपा देश की बड़ी पार्टी, लेकिन गठबंधन से बनेगी सरकार

नितीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू किंगमेकर बनकर उभरे

भाजपा गठबंधन को मिली 294 सीटें

इंडिया गठबंधन को 232 सीट मिलीं

सूर्या बुलेटिन

गाजियाबाद। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे भारतीय जनता पार्टी के लिए बहुत बड़ा झटका है। 370 सीटें जीतने का दावा करने वाली बीजेपी 272 का जादुई आंकड़ा नहीं छू पाई और 240 सीटों पर ही सिमट गई। हालांकि एनडीए ने 294 और इंडिया अलायंस ने 232 सीटों पर जीत हासिल की है। चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनाव 2024 का फाइनल रिजल्ट जारी कर दिया है। 240 सीटें जीतकर बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। कांग्रेस तीन डिजिट नंबर से एक सीट पीछे रह गई। 99 सीटों के साथ दूसरे नंबर की पार्टी बनी है और समाजवादी पार्टी 37 सीटें जीतकर तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बनी है। मायावती की बहुजन समाज पार्टी का खाता भी नहीं खुला है।

उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, बंगाल, कर्नाटक, हरियाणा में बीजेपी आधी से भी कम हो गई। पंजाब और तमिलनाडु में खाता भी नहीं खुला। नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू गठबंधन वाली नई एनडीए सरकार के किंगमेकर बनकर उभरे हैं। लोकसभा में सीटों के लिहाज से सबसे बड़ा राज्य उत्तर प्रदेश है।

बीजेपी को यहीं से सबसे ज्यादा सीटें जीतने की उम्मीद थी, लेकिन पार्टी आधी सीटे भी नहीं जीत सकी। 80 लोकसभा सीटों वाले यूपी में बीजेपी ने सिर्फ 33 सीटें ही जीती। सबसे ज्यादा 37 सीटें समाजवादी पार्टी ने हासिल की। यूपी में बीजेपी के वोट शेयर में भी बड़ी गिरावट देखी गई है। करीब 8 फीसदी वोट शेयर खोने के साथ ही पार्टी ने सीधे सीधे 29 सीटों को नुकसान उठाया है। 2019 लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने 50 फीसदी वोट शेयर के साथ कुल 62 सीटों पर जीत हासिल की थी। पीएम मोदी वाराणसी सीट पर करीब डेढ लाख वोटों से जीते हैं। रायबरेली से राहुल गांधी, मैनपुरी से डिंपल यादव जीत गए है। पीलीभीत से बीजेपी उम्मीदवार जितिन प्रसाद, लखनऊ से राजनाथ सिंह, बरेली से छत्रपाल गंगवार, बहराइच से आनंद कुमार ने जीत दर्ज की है। वहीं अमेठी से स्मृति ईरानी हरा गई हैं। लखीमपुर खीरी से अजय टेनी भी हार गए। सबसे खास बात अयोध्या भी बीजेपी हार गई। अयोध्या से सपा प्रत्याक्षी ने जीत दर्ज की है।

2-2 सीट वाले गोवा, मणिपुर और मेघालय

गोवा में इस बार लोकसभा चुनाव में भी एक-एक सीट बीजेपी-कांग्रेस ने जीती है। नॉर्थ गोवा सीट बीजेपी उम्मीदवार ने 1.16 लाख वोटों से जीती और कांग्रेस उम्मीदवार ने साउथ गोवा सीट 13,535 वोटों से जीती। हालांकि दोनों पार्टियों के वोट शेयर में 7-8 फीसदी गिरावट दर्ज की गई है। मणिपुर में कांग्रेस ने बीजेपी और एनपीएफ से दोनों सीटें छीनकर खुद अपना कब्जा जमा लिया। बीजेपी और एनपीएफ का वोट शेयर भी गिरकर अब 16.58 प्रतिशत और 18.8 फीसदी रह गया। जबकि 2019 में क्रमशः 34.33% और 22.55% था. वहीं कांग्रेस का वोट शेयर 24.71 फीसदी से बढ़ाकर 47.59 फीसदी पर पहुंच गया। मेघालय में इस बार शिलॉन्ग सीट पर 3.71 लाख वोटों के अंतर से वीपीपी (वॉइस ऑफ द प्योपल पार्टी) उम्मीदवार ने जीत हासिल की है। दूसरी तुरा सीट पर 1.55 लाख वोटों के अंतर से कांग्रेस ने जीत ली।

1-1 सीट वाले 9 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश का क्या हाल

एक-एक सीट वाले 9 प्रदेश हैं- मिजोरम, अंडमान निकोबार, चंडीगढ़, दादरा नगर हवेली, दमन दीव, लक्षद्वीप, नगालैंड, पुडुचेरी और सिक्किम। इनमें से अंडमान निकोबार द्वीपसमूह और दादरा नगर हवेली की 1-1 सीट बीजेपी ने जीती है। चंडीगढ़, लक्षद्वीप, नगालैंड और पुडुचेरी की एक-एक सीट कांग्रेस के पास चली गई। बाकी तीन प्रदेशों पर क्षेत्रीय पार्टी ने जीत हासिल की है। बता दें, साल 2020 में दादरा नगर हवेली और दमन दीव के दो केंद्र शासित प्रदेशों को दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव को एक क्षेत्र में मिला दिया गया था।

यूपी का हाल

समाजवादी पार्टी	37 सीट
बीजेपी	33 सीट
कांग्रेस	6 सीट
राष्ट्रीय दल	2
आजाद समाज पार्टी-	1
अपना दल (सोनेलाल) ADAL-	1

महाराष्ट्र के नतीजे

बीजेपी	9
शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे)	9
शिवसेना	7
कांग्रेस	13
एनसीपी (शरदचंद्र पवार)	8
एनसीपी	1
निर्दलीय	1

पश्चिम बंगाल के नतीजे

तृणमूल कांग्रेस	29
बीजेपी	12
कांग्रेस	1

बिहार के नतीजे

बीजेपी	12
जेडी(यू)	12
लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास)	5
कांग्रेस	3
हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर)	1
राष्ट्रीय जनता दल	4
सीपीआई (एमएल) (एल)	2
निर्दलीय	1

तमिलनाडु के नतीजे

डीएमके	22
कांग्रेस	9
सीपीआई (एम)	2
वीसीके	2
सीपीआई	2
एमडीएमके- 1	
आईयूएमएल	1

कर्नाटक में लोकसभा चुनाव

बीजेपी	17
कांग्रेस	9
जेडी(एस)	2

आंध्र प्रदेश के नतीजे

टीडीपी	16
वाईआरएस कांग्रेस	4
बीजेपी	3
जनसेना पार्टी	2

राजस्थान के नतीजे

बीजेपी	14
कांग्रेस	8
सीपीआई (एम)	1
आरएलटीपी	1
भारत आदिवासी पार्टी	1

5 राज्यों में BJP का क्लीन स्वीप

देश के पांच राज्यों में बीजेपी ने एकतरफा जीत हासिल की है। उत्तराखंड, हिमाचल, मध्य प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा में भाजपा ने क्लीन स्वीप किया है। यहां की सभी सीटों पर भाजपा ने कब्जा किया है। कांग्रेस का खाता भी नहीं खुला है।

गुजरात में चुनाव के नतीजे

बीजेपी	25
कांग्रेस	1

ओडिशा में चुनाव के नतीजे

बीजेपी	20
कांग्रेस	1

केरल में चुनाव के नतीजे

कांग्रेस	14
इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग	2
सीपीआई (एम)	1
बीजेपी	1
केरल कांग्रेस	1
क्रांतिकारी समाजवादी पार्टी	1

तेलंगाना के नतीजे

बीजेपी	8
कांग्रेस	8
AIMIM	1

असम में चुनाव के नतीजे

बीजेपी	9
कांग्रेस	3
यूपीपीएल	1
एजीपी	1

झारखंड के नतीजे

बीजेपी	8
जेएमएम	3
कांग्रेस	2
एजेएसयूपी	1

पंजाब के नतीजे

कांग्रेस	7
आम आदमी पार्टी	3
अकाली दल	1
निर्दलीय	2

छत्तीसगढ़ के चुनाव नतीजे

बीजेपी	10
कांग्रेस	1

हरियाणा के चुनाव नतीजे

कांग्रेस	5
बीजेपी	5

जम्मू कश्मीर में पीडीपी का नहीं खुला खाता

मियां अल्ताफ अहमद (JKNC)	अनंतनाग राजौरी सीट
अब्दुल राशिद शेख (निर्दलीय)	बारामुला
जुगल किशोर (BJP)	जम्मू
सैयद रुहुल्लाह मेहदी (JKNC)	श्रीनगर
डॉ जितेंद्र सिंह (BJP)	उधमपुर
मोहम्मद हनीफा (निर्दलीय)	लद्दाख

गाजियाबाद के सांसद बने अतुल गर्ग

गाजियाबाद सीट पर 15 साल बाद स्थानीय बना सांसद

टिकट से लेकर मतगणना तक अतुल गर्ग ने दी विरोधियों को पटखनी

सूर्या बुलेटिन

गाजियाबाद। गाजियाबाद के सदर विधायक अतुल गर्ग ने कई दिग्गजों को पटखनी देते हुए गाजियाबाद लोकसभा सीट से टिकट हासिल किया और अब 336337 वोटों से जीत भी हासिल कर ली। गाजियाबाद लोकसभा सीट को भाजपा के लिए अत्यंत सुरक्षित सीट माना जाता है, जिसके कारण केंद्रीय नेतृत्व प्रत्याशी के तौर पर यहां किसी भी तरह का प्रयोग करने में ज्यादा विचार नहीं करता है। लेकिन, इस बार गाजियाबाद सीट के लिए अंतिम क्षणों तक मंथन चलता रहा और अंत में अतुल गर्ग का नाम फाइनल कर दिया गया। अतुल गर्ग गाजियाबाद से भाजपा के सांसद प्रत्याशी घोषित होते ही चुनाव प्रबंधन को लेकर सक्रिय हो गए थे। लगातार चले चुनाव प्रचार में अथक मेहनत और कार्यकताओं से सहयोग से उन्होंने जीत हासिल कर ली।

लोकसभा चुनाव के लिए 16 मार्च को आदर्श आचार संहिता लागू हो गई थी और गाजियाबाद में दूसरे चरण में 26 अप्रैल को मतदान होना था। होली से पहले अपने सभी प्रतिद्वंदियों को पटखनी देते हुए अतुल गर्ग ने गाजियाबाद लोकसभा सीट के लिए टिकट हासिल कर लिया था। टिकट मिलने के बाद अतुल गर्ग ने चुनावी कैंपेन शुरू कर दिया। शुरूआती दौर में ही गाजियाबाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रोड शो हुआ, जिसके बाद चुनावी माहौल अतुल गर्ग के पक्ष में बन गया था। अतुल गर्ग ने प्रतिदिन 20 से ज्यादा जनसभाओं और चुनावी कार्यक्रमों को संबोधित किया।

उनका चुनाव कार्यक्रम सुबह 9 बजे से रात के 12 बजे तक चलता रहता था। कड़ी मेहनत के बल पर अतुल गर्ग ने गाजियाबाद में चुनावी माहौल को अपने पक्ष में किया। हालांकि गठबंधन की प्रत्याशी डॉली शर्मा से उन्हें कड़ी चुनौती मिल रही थी और एक समय तो यह भी लगने लगा था कि डॉली शर्मा उन्हें कड़ी टक्कर दे सकती हैं।

मतगणना के परिणाम ने बता दिया कि गाजियाबाद लोकसभा सीट को मतदाताओं ने भाजपा के लिए रिजर्व कर रखा है। यहां किसी और दल के प्रत्याशी के लिए बहुत ज्यादा संभावनाएं नहीं है। डॉली शर्मा को 516699 वोट मिले।

अतुल गर्ग के सांसद बनने से होगा जनता को लाभ

अतुल गर्ग गाजियाबाद में ही निवास करते हैं और गाजियाबाद की जनता और जरूरतों को ज्यादा समझते हैं। इससे पहले गाजियाबाद से राजनाथ सिंह सांसद रहे जो केंद्र सरकार में रक्षा मंत्री बने थे। इसके अलावा राजनाथ सिंह गाजियाबाद से नहीं थे। इसके कारण क्षेत्र की जनता की उन तक पहुंच सीमित ही थी। राजनाथ सिंह के बाद वीके सिंह गाजियाबाद के सांसद बने और केंद्रीय राज्यमंत्री रहे। वीके सिंह भी दिल्ली में रहते हैं और गाजियाबाद में उनका कैंप कार्यालय या निवास है। वीके सिंह गाजियाबाद स्थित आवास पर साल भर में तीन या चार बार ही आते थे। जिसके कारण जनता की पहुंच उन तक भी नहीं थी। अब 15 वर्ष बाद गाजियाबाद लोकसभा क्षेत्र की जनता को स्थानीय सांसद मिला है। अतुल गर्ग के गाजियाबाद सांसद बनने से गाजियाबाद के मतदाताओं को लाभ होगा। मतदाता कभी भी उनसे जाकर मिल सकते हैं और अपनी समस्या उन्हें बता सकते हैं।

ये भी थे टिकट की दौड़ में

गाजियाबाद लोकसभा सीट से टिकट की दौड़ में कई दिग्गज शामिल थे। इनमें पहला नाम भाजपा के केंद्रीय महामंत्री अरुण सिंह का था, लेकिन उन्हें आंध्र प्रदेश का चुनाव प्रभारी बना दिया गया, जिसके चलते वह टिकट की दौड़ से बाहर हो गए। उनके बाद राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल, कवि कुमार विश्वास का नाम इस दौड़ में शामिल था और रिटा. जनरल वीके सिंह का नाम पहले स्थान पर चल रहा था। रविवार को टिकटों का निर्धारण करने के लिए केंद्रीय नेतृत्व की महत्वपूर्ण बैठक भी हुई। रविवार को ही रिटा. एयर चीफ मार्शल आरकेएक भदौरिया ने भी भाजपा का दामन थामा, जिसके बाद उनका नाम भी गाजियाबाद लोकसभा सीट से टिकट की दौड़ में शामिल माना गया। लेकिन, केंद्रीय नेतृत्व ने गाजियाबाद लोकसभा सीट से अतुल गर्ग को पार्टी प्रत्याशी बनाया। अतुल गर्ग ने कहा था कि पार्टी ने उन्हें प्रत्याशी बनाया है और वह पूरी मजबूती के साथ गाजियाबाद में लोकसभा चुनाव लड़ेंगे और पार्टी के लिए बहुमत से जीत हासिल करेंगे।

प्रदेश में राज्यमंत्री रह चुके हैं अतुल गर्ग

उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार के पहले कार्यकाल में अतुल गर्ग गाजियाबाद सदर विधानसभा सीट से जीतकर विधानसभा पहुंचे थे और योगी मंत्रिमंडल में उन्हें राज्यमंत्री बनाया गया था। अतुल गर्ग पहले औषिधि राज्यमंत्री रहे और फिर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री के तौर पर योगी सरकार के पहले कार्यकाल में कार्य किया। अतुल गर्ग का कहना है कि सांसद बनने के बाद वह क्षेत्र की जनता के लिए और भी बेहतर कार्य करने का प्रयास करेंगे।

उत्तर प्रदेश में सपा और कांग्रेस का शानदार प्रदर्शन

समाजवादी पार्टी की 7 गुना तो कांग्रेस की दोगुना बढ़ी सीटें

सूर्या बुलेटिन

गाजियाबाद। लोकसभा चुनाव का रिजल्ट सामने आ चुका है, जिससे अब ये तस्वीर साफ होते हुए नजर आ रही है कि इस बार देश में किसकी सरकार बनने वाली है। हालांकि, इस बार किसी भी दल को बहुमत नहीं मिला है। बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, जिसे 240 सीटें हासिल हुई हैं, जबकि दूसरे नंबर पर कांग्रेस रही है, जो 99 सीटें हासिल करने में सफल हुई है। इसी तरह से समाजवादी पार्टी 37 सीटों के साथ तीसरी सबसे बड़ी पार्टी है। आपको याद होगा चुनावी संग्राम के दौरान एक जुमला खासा चर्चित हुआ था, वह था यूपी के लड़के। यूपी के लड़के अखिलेश यादव और राहुल गांधी। दोनों ने मिलकर चुनाव लड़ा था, लेकिन करारी शिकस्त मिली थी। दोनों लड़कों की दोस्ती नहीं टूटी और इस बार यही दो लड़के यूपी के साथ देश की राजनीति पर भी हावी पड़ गए हैं।

चुनावी नतीजों में एनडीए गठबंधन को बहुमत मिल चुका है। उसके खाते में 294 सीटें आई हैं। ऐसे में इस बात के पूरे आसार हैं कि सरकार एनडीए की ही बनने वाली है। मगर राजनीति में कब क्या हो जाए ये कहा नहीं जा सकता है। फिलहाल आइए उन टॉप 10 पार्टियों के बारे में बात करते हैं, जिनको सबसे ज्यादा सीटें मिली हैं।

बीजेपी

लोकसभा चुनाव में सबसे ज्यादा सीटें जीतने वाली बीजेपी के प्रदर्शन का ग्राफ इस बार थोड़ा सा गिरा है। बीजेपी को 2019 लोकसभा चुनाव में अपने दम पर बहुमत मिला था। उसके खाते में 303 सीटें गई थीं। हालांकि, इस बार उसे 240 सीटों से संतोष करना पड़ रहा है। सरकार बनाने के लिए वह सहयोगियों के भरोसे है।

कांग्रेस

2014 और 2019 में बुरी तरह शिकस्त खाने वाली कांग्रेस की स्थिति इस बार सुधरी है। पार्टी को 99 सीटों पर जीत मिली है। 2019 में 52 सीटें हासिल करने वाली कांग्रेस ने 2024 में अपनी सीटों की संख्या लगभग दो गुना की है। यही वजह है कि वह इशारों-इशारों में सरकार बनाने की भी बात करने लगी है।

समाजवादी पार्टी

यूपी के इस राजनीतिक दल ने जो कारनाम किया है, उसने सभी को चौंकाया है। सपा को 2019 के लोकसभा चुनाव में महज 5 सीटें मिली थीं, लेकिन इस बार उसने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2019 के मुकाबले 7 गुना ज्यादा सीटें हासिल की हैं। सपा को इस बार 37 सीटों पर जीत मिली है।

टीएमसी

पश्चिम बंगाल में अकेले चुनाव लड़ने वाली टीएमसी ने इस बार राज्य की 42 में से 29 सीटों पर कब्जा जमाया है। इसने बीजेपी के रथ को बंगाल में रोकने का काम किया है। ऐसा इसलिए क्योंकि 2019 में टीएमसी को 22 सीटें मिली थीं, जबकि बीजेपी को 18 सीटें हासिल हुई थीं।

डीएमके

तमिलनाडु के सत्तारूढ़ दल डीएमके ने इंडिया गठबंधन के दक्षिण के किले को मजबूत रखा है। पार्टी ने 22 सीटों पर जीत हासिल की। हालांकि, 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में डीएमके को 24 सीटों पर जीत मिली थी।

टीडीपी

इस वक्त राजनीतिक गलियारों में सबसे ज्यादा चर्चा टीडीपी की हो रही है। इस बार टीडीपी 16 सीटें जीतकर किंगमेकर की भूमिका में आ गई है। 2019 के लोकसभा चुनाव में पार्टी ने बहुत ही निराशानजक प्रदर्शन करते हुए महज 3 सीटों पर जीत हासिल की थी।

जेडीयू

एनडीए के सहयोगी दलों में से एक जेडीयू ने इस बार 12 सीटों पर जीत हासिल की है। वह भी किंगमेकर बनकर उभरी है। बिहार में 12 सीटें जीतने वाली जेडीयू को पिछली बार 16 सीटों पर जीत मिली थी।

शिवसेना (यूबीटी)

शिवेसना ने जब 2019 का चुनाव लड़ा था, तो उस वक्त वह टूटी नहीं थी। हालांकि, इस बार शिवसेना (यूबीटी) ने 9 सीटों पर जीत हासिल की है, जबकि शिवसेना (शिंदे गुट) को 7 सीटों पर जीत मिली है। 2019 में एकजुट शिवसेना को 18 सीटों पर जीत मिली थी।

एलजेपी (राम विलास)

लोक जनशक्ति पार्टी को भी फूट का सामना करना पड़ा है। एलजेपी (राम विलास पासवान) पार्टी ने पांच सीटों पर चुनाव लड़ा और सभी पर जीत हासिल की। पिछली बार उसे 6 सीटों पर जीत मिली थी।

एनसीपी (शरद पवार गुट)

एनसीपी ने भी पिछली बार जब चुनाव लड़ा था तो उसके दो धड़े नहीं थे। एनसीपी को 2019 में 5 सीटों पर जीत मिली थी। मगर इस बार एनसीपी (शरद गुट) को 8 सीटों पर जीत हासिल हुई है, जबकि एनसीपी (अजित पवार गुट) महज एक सीट जीत पाया है।

इन राज्यों में कांग्रेस ने किया शानदार प्रदर्शन, 52 से 99 सीटों तक का ऐसे तय किया सफर

सूर्या बुलेटिन

गाजियाबाद। 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 52 सीटों पर जीत दर्ज की थी। वहीं, इस बार उन्होंने 99 सीटों पर जीत दर्ज की है। जानते हैं कि किन राज्यों में कांग्रेस को सबसे ज्यादा फायदा हुआ है।

उत्तर प्रदेश में जीती 6 सीट

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस ने छह सीटें जीती हैं। वहीं, 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस सिर्फ एक ही सीट पर जीत हासिल कर पाई थी। समाजवादी पार्टी ने 37 सीटों पर जीत दर्ज की है। कांग्रेस ने इस बार राजस्थान, हरियाणा, बिहार और झारखंड में भी बढ़त हासिल की है। राजस्थान में कांग्रेस को आठ सीटें मिलीं है।

इससे पहले यहां कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली थी। हरियाणा में भी कांग्रेस को 4 सीटों का फायदा हुआ है। कांग्रेस ने बिहार में 2019 की तुलना में इस बार अच्छा प्रदर्शन किया। राज्य में कांग्रेस ने तीन सीटें जीतीं।

2019 के लोकसभा चुनावों में एनडीए ने बिहार में 40 में से 39 सीटें जीती थी। झारखंड में भी कांग्रेस को इस बार फायदा हुआ है। इस बार राज्य में कांग्रेस ने दो सीट जीती हैं।

महाराष्ट्र-कर्नाटक में भी कांग्रेस ने की वापसी

महाराष्ट्र में कांग्रेस को सबसे ज्यादा फायदा हुआ है। यहां पर उन्होंने 13 सीटों पर जीत दर्ज की है। इसके अलावा कर्नाटक में भी कांग्रेस ने बीजेपी को झटका दिया है। उन्होंने यहां से 9 सीट जीती है। इस बार उन्हें आठ सीटों का फायदा हुआ है। जबकि बीजेपी को आठ सीटों का नुकसान हुआ है।

यूपी में सपा का जबरदस्त प्रदर्शन

सूर्या बुलेटिन

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश में कमाल का प्रदर्शन करते हुए इंडिया गठबंधन ने 80 में से 43 सीटें जीत ली है। समाजवादी पार्टी के हिस्से में 37 सीटें आई हैं। इस जीत पर अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर ट्वीट कर कहा कि प्रिय उत्तर प्रदेश के समझदार मतदाताओं उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन की जन-प्रिय जीत।

सपा प्रमुख ने कहा कि यह उस उस दलित-बहुजन भरोसे की भी जीत है जिसने अपने पिछड़े, अल्पसंख्यक, आदिवासी, आधी आबादी और अगड़ों में पिछड़े सभी उपेक्षित, शोषित, उत्पीड़ित समाज के साथ मिलकर उस संविधान को बचाने के लिए कंधे-से-कंधा मिलाकर संघर्ष किया है, जो समता-समानता, सम्मान-स्वाभिमान, गरिमामय जीवन व आरक्षण का अधिकार देता है। अखिलेश यादव ने आगे लिखा कि ये पीडीए के रूप में पिछड़े-दलित-अल्पसंख्यक-आदिवासी, आधी आबादी और अगड़ों में पिछड़े के उस मजबूत गठजोड़ की जीत है, जिसे हर समाज और वर्ग के अच्छे लोग अपने सहयोग व योगदान से और भी मजबूत बनाते हैं।

यूपी में सात केंद्रीय मंत्रियों की हार

केंद्र सरकार के सात मंत्री भी चुनाव हार गए हैं, जिनमें स्मृति इरानी भी शामिल हैं। भाजपा ने अपने 47 सांसदों को फिर से टिकट दिया था, इनमें से 26 चुनाव हार गए हैं। प्रदेश में मतगणना की शुरूआत होने के दो घंटे के भीतर ही यह साफ हो गया कि सपा-कांग्रेस गठबंधन भाजपा को कड़ी टक्कर देने जा रहा है। कुछ ही देर में रुझानों से तस्वीर स्पष्ट होनी शुरू हो गई और कई उलटफेर देखने को मिले। मोदी सरकार के मंत्रियों में महिला एवं बाल विकास एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्री स्मृति इरानी, गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी, भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उद्यम मंत्री महेन्द्र नाथ पांडेय, एमएसएमई राज्यमंत्री भानु प्रताप वर्मा, आवास एवं शहरी राज्यमंत्री कौशल किशोर, फतेहपुर से ग्रामीण विकास राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति व पशुपालन डेयरी व मत्स्य पालन राज्यमंत्री डा. संजीव कुमार बालियान अपने प्रतिद्वंद्वियों से चुनाव हार गए।

2014 और 2019 के मुकाबले 2024 में हो गया यूपी में बड़ा उलटफेर

सूर्या बुलेटिन

गाजियाबाद। यूपी में न सिर्फ देश की सबसे ज्यादा लोकसभा सीटें है, बल्कि इसी राज्य ने पंडित जवाहर लाल नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी जैसे बड़े नामों को संसद तक पहुंचाया है। नरेंद्र मोदी भी वाराणसी सीट से जीतकर देश के प्रधानमंत्री बने थे। पिछले दो आम चुनावों यानी साल 2014 और 2019 में हुए चुनाव में बीजेपी ने एकतरफा प्रदर्शन किया था। 2014 में जहां पार्टी ने 71 सीटें अपने नाम की थी, तो वहीं दूसरी तरफ साल 2019 में बीजेपी ने 62 सीटों पर जीत दर्ज की थी। इस बार यह संख्या 31 तक ही सिमट गई। इसके पीछे कई बड़े कारण हैं। जिनमें बसपा का वोट बैंक कांग्रेस और सपा की ओर शिफ्ट होना। प्रदेश में भाजपा ने प्रत्याशियों के चयन में सावधानी नहीं बरती। भाजपा प्रत्याशियों से पार्टी कार्यकर्ता और मतदाता भी खुश नहीं थे। इसके साथ ही प्रदेश के मुख्यमंत्री प्रदेश में चुनाव के लिए ज्यादा समय नहीं दे सके। युवा मतदाता भी भाजपा से छिटक कर कांग्रेस और सपा की ओर चले गए।

यह नरेंद्र मोदी की निजी हार है: योगेंद्र यादव

लंबे समय तक चुनावी विश्लेषण कर चुके योगेंद्र यादव ने लोकसभा इलेक्शन 2024 के रुझानों के बीच बड़ी टिप्पणी की. उन्होंने मुसलमानों का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समुदाय के लिए क्या कुछ नहीं कह।. हालांकि, उनकी टिप्पणियों का चुनाव नतीजों और अल्पसंख्यकों पर कोई असर नहीं पड़ा। रुझान बताते हैं कि इस बार यह पीएम मोदी की निजी हार है। योगेंद्र यादव के अनुसार, स्लिमों से हमने पूछा (पीएम की उनके समुदाय पर बयानों को लेकर) तो वे भी बोले कि उन्हें इस बारे में नहीं पता है। दूसरे कुछ लोग ऐसे थे, जिन्होंने कहा कि इसमें क्या नई बात है, पीएम नरेंद्र मोदी तो हमेशा ही ऐसा कहते रहते हैं। अच्छी बात यह है कि नैरेटिव बदलने की कोशिश जमीन पर बिल्कुल नाकामयाब हुई।

सपा के गढ़ मैनपुरी में डिंपल यादव की बंपर जीत, हार गए योगी के मंत्री जयवीर सिंह

लोकसभा चुनाव को लेकर मैनपुरी सीट से मौजूदा सांसद और सपा प्रत्याशी डिंपल यादव ने बंपर जीत दर्ज की हैं। उन्होंने सीएम योगी आदित्यनाथ के मंत्री जयवीर सिंह को 221639 वोटों के अंतर से हरा दिया है। मैनपुरी को सपा का किला कहा जाता है। इस सीट पर यादव परिवार का दबदबा रहा है और इस बार भी बीजेपी सपा के किला को भेदने में नाकामयाब रही है। सपा ने मैनपुरी सीट से एक बार फिर से डिंपल यादव पर भरोसा जताया था, तो वहीं बीजेपी ने जयवीर सिंह को टिकट दिया था। डिंपल यादव को कुल 598526 लाख वोट मिले तो वहीं बीजेपी प्रत्याशी जयवीर सिंह को 376887 लाख वोट मिले।

वाराणसी से पीएम मोदी ने लगाई जीत की हैट्रिक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी लोकसभा सीट पर लगातार तीसरी बार जीत दर्ज की है। पीएम मोदी ने कांग्रेस के अजय राय को मात दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 6 लाख 12 हजार 970 वोट मिले हैं, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी अजय राय को 4 लाख 60 हजार 457 वोट मिले हैं। पीएम मोदी ने वाराणसी सीट पर 1 लाख 52 हजार 513 वोट से जीत दर्ज की है। हालांकि जीत का यह अंतर पिछले दो चुनावों से काफी कम है। वहीं, पीएम मोदी की जीत पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और वाराणसी लोकसभा सीट से उम्मीदवार अजय राय ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कहा कि 3 घंटे तक प्रधानमंत्री मोदी पीछे चल रहे थे। 1.5 लाख वोटों से जीतने में पसीने छूट गए।

अमेठी का रण हारने के बाद स्मृति ईरानी का रिएक्शन

लोकसभा चुनाव में सबसे रोचक मुकाबला उत्तर प्रदेश की अमेठी सीट पर रहा, जहां गांधी परिवार की पारंपरिक सीट पर इस बार गैर गांधी कांग्रसी नेता ने चुनाव लड़ा। यहां बीजेपी ने स्मृति ईरानी को एक बार फिर से टिकट दिया था, जिन्होंने पिछली बार राहुल गांधी को इस सीट पर चुनाव हराया था। इस बार स्मृति ईरानी को कांग्रेस के किशोरी लाल के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। स्मृति ईरानी ने कहा कि मुझे लगता है कि आज जनता का आभार व्यक्त करने का दिन है, जो जीते उन्हें बधाई देने का दिन है। संगठन का स्वभाव विश्लेषण करने का है और संगठन विश्लेषण करेगा। एक जनप्रतिनिधि के नाते यह मेरा सौभाग्य रहा कि मैंने हर गांव में जाकर काम किया। हार या जीत के बावजूद मैं लोगों से जुड़ी और यह मेरे जीवन का बहुत बड़ा सौभाग्य है।

राहुल बोले- रिजल्ट कह रहा, देश मोदी-शाह को नहीं चाहता

नई दिल्ली। लोकसभा की 543 सीटों पर जारी गिनती के बीच मंगलवार शाम 5.35 बजे कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दिल्ली के पार्टी दफ्तर में प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

बहन प्रियंका के साथ वे मुस्कुराते हुए पार्टी ऑफिस पहुंचे। उनके साथ मां सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और जयराम रमेश भी थे।

राहुल ने मीडिया से 7 मिनट बात की। उन्होंने लोकसभा के रिजल्ट और रुझान को लेकर कहा- देश मोदी-शाह को नहीं चाहता। ये लड़ाई संविधान को बचाने की थी। मैं सच बताऊं तो मेरे माइंड में था कि जब हमारा अकाउंट सीज किया गया। दो-दो मुख्यमंत्रियों को जेल में डाला गया। तब मेरे जेहन में था कि जनता संविधान बचाने के लिए लड़ेगी।

भारत की जनता ने संविधान और लोकतंत्र को बचा लिया है। देश की वंचित और गरीब आबादी अपने अधिकारों की रक्षा के लिए INDIA के साथ खड़ी हो गयी। गठबंधन के सभी साथियों और कांग्रेस के बब्बर शेर कार्यकर्ताओं को बधाई।

राहुल ने उत्तर प्रदेश में मिले रिजल्ट के लिए बहन प्रियंका की भी तारीफ की। प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा- मैं बहुत खुश हूं। मैं यूपी के लोगों से कहना चाहती हूं कि उन्होंने बहुत विवेक दिखाया है। मुझे यूपी पर सबसे ज्यादा गर्व है।

राहुल से मीडिया के 4 सवाल और उनके जवाब...

1. सवाल: विपक्ष में रहेंगे या सरकार बनाएंगे?

राहुल: हम INDIA गठबंधन का हिस्सा हैं। 5 जून को गठबंधन की बैठक में इस पर फैसला लेंगे।

2. सवाल: जेडीयू और टीडीपी को गठबंधन में लाने की तैयारी है क्या?

राहुल: कल, 5 जून को हम इंडिया गठबंधन के पार्टनर के साथ मीटिंग करेंगे, उसमें आगे का फैसला लेंगे। उनसे बात किए बिना फैसला नहीं लेंगे।

3. सवाल: वायनाड और रायबरेली दोनों जगह से जीते हैं, कौन सी सीट रखेंगे?

राहुल: दोनों सीटों से जीता हूं। रायबरेली और वायनाड के लोगों का दिल से धन्यवाद करना चाहता हूं। कौन सी सीट पर रहूंगा, इस पर पूछूंगा फिर डिसाइड करूंगा।

4. सवाल: बीजेपी कह रही है कि आप हार के डर से अमेठी से नहीं लड़े, अपने पीए को लड़ाया

राहुल: भाजपा लोगों की रिस्पेक्ट नहीं करती। किशोरी लाल शर्मा (अमेठी से नवनिर्वाचित सांसद) 40 साल से अमेठी में कांग्रेस के लिए काम कर रहे हैं। उनका अमेठी के साथ रिश्ता है। किशोरी लाल वहां से बहुत कनेक्टेड हैं। मैंने उन्हें बधाई देना चाहता हूं। उनके बारे में पीए या स्टेनो कहना गलत है।

यूपी की जनता से मैं कहना चाहता हूं आप से ज्यादा पॉलिटिकल विजडम किसी के पास नहीं। आपने कमाल करके दिखा दिया। यूपी ने संविधान की रक्षा की है। यूपी के बारे में एक और बात है। वहां मेरी बहन प्रियंका ने भी काम किया है। जो यहां पीछे बैठी हैं।

खड़गे से सवाल: आपने सरकार बनाने के लिए क्या प्लानिंग की है?

खड़गे: अभी राहुल ने स्पष्ट किया है, जब तक हम अपने अलाइंस पार्टनर से बात नहीं करेंगे, तब तक कुछ नहीं कह सकते। जो नए पार्टनर हमसे जुड़ने वाले हैं उनसे बात करेंगे। अभी सब यहीं बता दूंगा तो मोदी जी अलर्ट हो जाएंगे।

6 साल बाद भारत को फिर से करना पड़ेगा गेंहू का आयात

देश के गेहूं भंडार हो रहे हैं खाली, भरना बड़ी चुनौती, फ्री राशन योजना और गेंहू के कम उत्पादन को बताया जा रहा कारण

सूर्या बुलेटिन

गाजियाबाद। कोरोना महामारी के दौरान 2020 में केंद्र सरकार ने गरीबों की मदद के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना शुरू की थी। इस योजना के तहत हर महीने लाभार्थी को 5 किलो मुफ्त अनाज दिया जाता है।

गेहूं भारत में चावल के बाद दूसरी सबसे जरूरी अनाज की फसल है, खासकर उत्तर और उत्तर-पश्चिमी भारत में। ये रबी की फसल है जिसे उगाने के लिए ठंडे मौसम और पकने के वक्त तेज धूप की जरूरत होती है। हरित क्रांति की वजह से रबी की फसलों में खासकर गेहूं की पैदावार बढ़ाने में काफी मदद हुई थी। लेकिन अब भारत 6 साल बाद फिर से गेहूं का आयात करने जा रहा है। इसकी वजह पिछले तीन सालों से कम होती गेहूं की पैदावार है। खराब मौसम की वजह से गेहूं की खेती प्रभावित हुई है और पैदावार में काफी कमी आई है। इस साल सरकार का अनुमान है कि गेहूं की फसल पिछले साल के रिकॉर्ड 112 मिलियन मीट्रिक टन से 6.25 प्रतिशत कम होगी।

एक खबर ये भी है कि सरकार गेहूं आयात पर लगने वाले 40 प्रतिशत टैक्स को इस साल हटा सकती है। इससे निजी व्यापारी और आटा बनाने वाली मिलें रूस जैसे बड़े गेहूं बेचने वाले देशों से सीमित मात्रा में गेहूं खरीद पाएंगी। हालांकि सरकार फिलहाल इंतजार कर रही है। नई फसल आने के बाद जून के बाद ही टैक्स हटाने की संभावना है ताकि रूस में फसल कटने के वक्त आयात किया जा सके। सूत्रों के मुताबिक, जून के बाद गेहूं का आयात शुल्क हटा दिया जाना चाहिए ताकि निजी व्यापारी गेहूं का आयात कर सकें. इसके बाद किसानों के हितों की रक्षा के लिए अक्टूबर में गेहूं की बुवाई शुरू होने से पहले शुल्क फिर से लगा दिया जाएगा।

भारत में गेहूं की कमी का कारण

गेहूं की बुवाई के लिए 10-15 डिग्री तापमान सही रहता है जबकि पकने और कटाई के लिए 21-26 डिग्री तापमान और तेज धूप की जरूरत होती है। इसके लिए करीब 75-100 सेंटीमीटर बारिश चाहिए होती है। साथ ही गेहूं की खेती के लिए अच्छी जल निकासी वाली उपजाऊ दोमट और चिकनी दोमट मिट्टी सबसे अच्छी मानी जाती है। ऐसी मिट्टी गंगा-सतलुज के

मैदानों और दक्कन के काली मिट्टी वाले क्षेत्र में पाई जाती है। 2021 के आंकड़ों के अनुसार, दुनिया में गेहूं के सबसे बड़े उत्पादक देश चीन, भारत और रूस हैं। भारत में सबसे ज्यादा गेहूं उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और पंजाब में पैदा होता है। गौर करने वाली बात ये है कि गेहूं की पैदावार में भारत दुनिया में दूसरे नंबर पर है, लेकिन वैश्विक गेहूं व्यापार में भारत का हिस्सा 1 प्रतिशत से भी कम है। ऐसा इसलिए है क्योंकि भारत गेहूं का ज्यादातर हिस्सा अपने देश में ही गरीबों को सब्सिडी वाले अनाज के तौर पर उपलब्ध कराने के लिए रखता है। भारत सबसे ज्यादा गेहूं बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका को निर्यात करता है।

गरीबों को कितना फ्री गेहूं देती है सरकार

कोरोना महामारी के वक्त 2020 में सरकार ने गरीबों की मदद के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना शुरू की थी। इस योजना के तहत हर महीने लाभार्थी को 5 किलो एक्स्ट्रा मुफ्त अनाज दिया जाता है। ये योजना नेशनल फूड सिक्योरिटी एक्ट के तहत मिलने वाले 5 किलो सब्सिडी वाले अनाज के अलावा है। अंत्योदय अन्न योजना के तहत आने वाले सबसे गरीब परिवारों को हर महीने प्रति परिवार 35 किलो अनाज मुफ्त मिलता है, जबकि प्राथमिकता वाले परिवारों को हर महीने 5 किलो अनाज मिलता है। एक रिपोर्ट के अनुसार प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत गरीबी में रहने वाले परिवार (अंतोदय) को 35 किलो चावल देने पर सरकार 1371 रुपये खर्च करती है, वहीं 35 किलो गेहूं देने पर 946 रुपये खर्च आता है। ये पूरा खर्च केंद्र सरकार उठाती है और परिवारों को राशन बिल्कुल मुफ्त मिलता है।

घट गया गेहूं का भंडार

सरकारी गोदामों में गेहूं का भंडार अप्रैल 2024 में 75 लाख टन के निचले स्तर पर आ गया, जो पिछले 16 सालों में सबसे कम है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि सरकार को दामों पर लगाम लगाने के लिए आटा मिलों और बिस्कुट बनाने वाली कंपनियों को रिकॉर्ड 1 करोड़ टन से ज्यादा गेहूं बेचना पड़ा। सरकार के लिए गेहूं का भंडार फिर से भरना मुश्किल हो रहा है। अप्रैल में फसल कटाई शुरू होने के बाद से सरकार 3 से 3.2 करोड़ टन के लक्ष्य के मुकाबले केवल 2.62 करोड़ टन गेहूं ही खरीद पाई है।

गेहूं आयात पर टैक्स के इस फैसले का संभावित असर

आयात शुल्क हटाने से घरेलू बाजार में गेहूं की सप्लाई बढ़ने की संभावना है। इससे गेहूं के दामों में तेजी आने की आशंका कम होगी। साथ ही आयात सस्ता होने से सरकार अपने खाली पड़े गेहूं के गोदामों को फिर से भर सकेगी। इससे देश में खाद्य सुरक्षा मजबूत होगी और भविष्य में अगर घरेलू उत्पादन में कोई दिक्कत आए तो भी परेशानी नहीं होगी। आयात बढ़ने से घरेलू गेहूं की कीमतों में कमी आ सकती है जिसका असर किसानों की आय पर पड़ सकता है। वहीं भारत जैसे बड़े देश के गेहूं आयात करने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में गेहूं की कीमतों में उछाल आ सकता है। भारत सरकार भले ही 30 से 50 लाख टन ही गेहूं आयात करेगी लेकिन दुनियाभर में मांग और आपूर्ति के हिसाब से ये मात्रा थोड़ी ज्यादा भी हो सकती है। भारत ने इससे पहले 2016-17 में सबसे ज्यादा 60 लाख टन गेहूं का आयात किया था। हालांकि, भारत की स्थिति थोड़ी बदलती रहती है। कभी वो आयात करता है तो कभी निर्यात भी कर देता है। उदाहरण के तौर पर 2021-22 में जब भारत में गेहूं की पैदावार ज्यादा थी और दुनियाभर में गेहूं के दाम ऊंचे थे, तो भारत ने रिकॉर्ड 80 लाख टन गेहूं का निर्यात किया था।

एग्जिट पोल से ही उत्साहित हो गई थी भाजपा

मतगणना से पहले ही सैकड़ों किलो मिठाई का दे दिया था ऑर्डर

सूर्या बुलेटिन

गाजियाबाद। भारतीय जनता पार्टी एग्जिट पोल की ओर से जताई गई संभावनाओं से बेहद उत्साहित हो उठी और मतगणना का परिणाम आने से पहले ही शपथ ग्रहण की तैयारियां शुरू कर दीं। इसी कड़ी में 3 जून को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास पर एक बैठक बी की गई। बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, संगठन मंत्री बीएल सन्तोष, मनसुख मंडाविया, केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव, बीजेपी राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े और सह-संगठन मंत्री शिव प्रकाश, राजनाथ सिंह भी मौजूद रहे। बैठक में पीएम मोदी के शपथ ग्रहण समारोह और मतगणना के नतीजों के लेकर होने वाले सेलिब्रेशन को लेकर चर्चा की गई।

सूत्रों की मानें तो 8 या 9 जून को मोदी सरकार का शपथ ग्रहण समारोह हो सकता है। राष्ट्रपति सचिवालय ने भी इस कार्यक्रम के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। हालांकि पीएम के शपथ को लेकर अंतिम निर्णय भाजपा पार्लियामेंट्री बोर्ड की बैठक में लिया जाना है। दूसरी तरफ एग्जिट पोल और तमाम एक्सपर्ट की तरफ से बीजेपी को मिलने वाली सीटों को लेकर जो अनुमान लगाया जा रहा था उसे देखते हुए बीजेपी ने भी जश्न की तैयारियां शुरू कर दी थीं। दिल्ली भाजपा के करीब 10 हजार कार्यकर्ता पीएम नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देने के लिए बीजेपी हेडक्वॉर्टर पहुंचे थे। चुनाव परिणाम आने के बाद शाम को पीएम के संबोधन के बाद देर रात भाजपा संसदीय बोर्ड की बैठक होगी।इस बैठक में अरूणाचल प्रदेश के लिए पर्यवेक्षक तय किया जाएगा और सरकार के गठन के लिए रूपरेखा तय की जाएगी। सूत्रों की मानें तो पहले अरुणाचल प्रदेश में शपथ ग्रहण समारोह होगा। इसके बाद पीएम नरेंद्र मोदी का शपथ ग्रहण होगा।

मिठाइयों के बड़े ऑर्डर

गाजियाबाद में भाजपा नेताओं की ओर से मतगणना से एक दिन पहले ही सैकड़ों किलो मिठाइयों के ऑर्डर दे दिए गए थे। भाजपा कार्यालय को सजाना शुरू कर दिया गया था और जश्न की भी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई थीं। गाजियाबाद लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी अतुल गर्ग अपनी जीत को पहले से ही पक्का मान रहे थे। उन्होंने कम से कम चार लाख वोटों से जीत का दावा भी किया था। जिसके बाद एग्जिट पोल ने भाजपा नेताओं के उत्साह को दोगुना कर दिया।

किस जाति ने किसे दिया कितना वोट

सर्वे में खुलासा, मुसलमान और ओबीसी ने नहीं दिया इंडिया गठबंधन का पूरा साथ

सूर्या बुलेटिन

गाजियाबाद। लोकसभा चुनाव के लिए मतगणना संपन्न हो गई है। जनादेश मिल गया है और इस जनादेश में किसकी कितना योगदान रहा, इसकी संभावना भी जताई जा रही है। यानी किस पार्टी को किस जाति का वोट ज्यादा मिला। एक सर्वे में दावा किया गया कि यूपी के ठाकुरों ने बड़ा गेम कर दिया। वहीं ओबीसी ने भाजपा का साथ दिया तो मुस्लिम इंडिया गठबंधन के साथ रहे।

सर्वे से जो आंकड़े सामने आए हैं उनके अनुसार ठाकुरों की जिस नाराजगी का दावा किया जा रहा था वह बहुत असर नहीं कर पाया। सर्वे के अनुसार भारतीय जनता पार्टी के गठबंधन एनडीए को 72 फीसदी, इंडिया अलायंस को 23 फीसदी, बसपा को 4 और अन्य 1 फीसदी ठाकुरों ने वोट किया है। वहीं ब्राह्मणों की बात करें तो 75 फीसदी ने एनडीए, 20 फीसदी ने इंडिया, 4 फीसदी बसपा और 1 फीसदी ने अन्य को वोट किया है। यादवों को लेकर

दावा किया गया है कि 18 फीसदी एनडीए, 70 फीसदी इंडिया, 10 फीसदी बसपा और 2 फीसदी ने अन्य को वोट किया है. दूसरी ओर जाट मतदाताओं ने 59 फीसदी ने एनडीए, इंडिया को 29 फीसदी, बसपा को 11 और अन्य को 1 फीसदी ने वोट किया है। सर्वे में दावा किया गया है कि 44 फीसदी कुर्मियों ने एनडीए, 41 फीसदी ने इंडिया, 8 ने बसपा और 7 फीसदी ने अन्य को वोट किया है।

--इंडिया गठबंधन का मुस्लिम और ओबीसी ने नहीं दिया पूरा साथ

उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव के लिए मतदान के जनता पैटर्न को लेकर बड़ा दावा किया गया है। इसमें यह सामने आया है कि सपा और कांग्रेस के दावों के विपरीत ओबीसी और मुस्लिमों ने उनका पूरी तरह साथ नहीं दिया।

सर्वे में दावा किया गया है कि ओबीसी मतदाताओं ने एनडीए-45 फीसदी, इंडिया-41 फीसदी, बीएसपी -10 फीसदी और अन्य को 4 फीसदी वोट किया है. मुस्लिमों की बात करें तो दावा किया जा रहा है कि उन्होंने एनडीए-5 फीसदी, इंडिया-75 फीसदी, इरढ-12 फीसदी और अन्य को 8 फीसदी वोट किया है।

किसका वोट किसको (संभावित)

जाति	एनडीए	इंडिया	बीएसपी	अन्य
यादव	18	70	10	2
जाट	59	29	11	1
जाटव	26	19	51	4
ठाकुर	72	23	4	1
ब्राह्मण	75	20	4	1
कुर्मी	44	41	8	7

दावा किया गया है कि एनडीए-42 फीसदी, इंडिया-35 फीसदी, बीएसपी -16 फीसदी और अन्य को 7 फसदी महिलाओं ने वोट किया है। रउ मतों की बात करें एनडीए-36 फीसदी, इंडियाक-25 फीसदी, बीएसपी-35 फीसदी और अन्य-4 फीसदी वोट मिलने का दावा किया गया है।

सर्वे में दावा किया गया है कि एनडीए-36 फीसदी, इंडिया -38 फीसदी, बीएसपी -20 फीसदी और अन्य-6 फीसदी एसटी वोट मिले हैं। सवर्ण वोट की बात करें तो एनडीए-67 फीसदी, इंडिया-22 फीसदी, बीएसपी-8 फीसदी और अन्य को 3 फीसदी वोट मिलने का अनुमान है। इसके अलावा सर्वे दावा किया गया है कि एनडीए को 72 फीसदी, इंडिया अलायंस को 23 फीसदी, बसपा को 4 और अन्य 1 फीसदी ठाकुरों ने वोट किया है। दावा है कि 18 फीसदी एनडीए, 70 फीसदी इंडिया, 10 फीसदी बसपा और 2 फीसदी यादवों ने अन्य को वोट किया है। जाट मतदाताओं में 59 फीसदी ने एनडीए, इंडिया को 29 फीसदी बसपा को 11 और अन्य को 1 फीसदी ने वोट किया है। सर्वे में दावा किया गया है कि 44 फीसदी कुर्मियों ने एनडीए, 41 फीसदी ने इंडिया, 8 ने बसपा और 7 फीसदी ने अन्य को वोट किया है।

भीषण गर्मी ने चुनाव करवाने को लेकर चुनाव आयोग ने मानी गलती

सूर्या बुलेटिन

गाजियाबाद। देश में लोकसभा चुनाव के परिणाम आने से पहले आज मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कई मुद्दों पर बात की। इस बार लोकसभा चुनाव के दौरान नेताओं और मतदाताओं दोनों को ही भीषण गर्मी का सामना करना पड़ा। अखिलेश यादव ने 7 मई 2024 को सैफई में वोटिंग के दौरान कहा था कि बीजेपी वाले जानबूझकर गर्मियों में वोट

» मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार बोले-हमने सबक लिया

डलवाते हैं। जो गर्मी में वोटिंग हो रही है वो वोटिंग एक महीने पहले भी हो सकती थी। ऐसे में गर्मी के असर को लेकर भी मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने एक बड़ा बयान दिया।

चुनाव में गर्मी के असर को लेकर बात करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि चुनाव हमें

एक महीने पहले ही खत्म कर देना चाहिए था, इतनी गर्मी में नहीं करना चाहिए था। ये हमारी पहली लर्निंग हैं। लोकसभा चुनावों पर मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि हमने 642 मिलियन मतदाताओं का विश्व रिकॉर्ड बनाया है। यह सभी जी-7 देशों के मतदाताओं का 1.5 गुना और यूरोप के 27 देशों के मतदाताओं का 2.5 गुना है।

उन्होंने आगे कहा कि चुनाव कर्मियों के सावधानीपूर्वक कार्य के कारण हम कम पुनर्मतदान सुनिश्चित करते हैं। हमने 2024 के लोकसभा चुनाव में 39 पुनर्मतदान देखे, जबकि 2019 में 540 पुनर्मतदान हुए थे और 39 में से 25 पुनर्मतदान केवल 2 राज्यों में हुए थे।

मतगणना प्रक्रिया मजबूत

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने लोकसभा चुनाव के परिणाम घोषित करने के लिए अपनाई जाने वाली मतगणना प्रक्रिया के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि संपूर्ण मतगणना प्रक्रिया पूरी तरह से मजबूत है। यह घड़ी की सटीकता के समान काम करती है। उन्होंने आगे कहा कि अगर पोस्ट पोल हिंसा कहीं भी होती है तो इसके लिए हमने पहली बार निर्णय लिया है कि एमसीसी के बाद भी कुछ राज्यों में पैरामिलिट्री फोर्स रहेगी।

ग्रामीणों ने ईदगाह का काम बंद करवाने के लिए जिला अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

ईदगाह से सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ने की आशंका

सूर्या बुलेटिन

गाजियाबाद। वेव सिटी थाना क्षेत्र के शहादत नगर इकला में कब्रिस्तान में बन रहे अवैध ईदगाह का निर्माण कार्य रोकने के लिए ग्रामीणों ने जिला अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में होने वाले ग्राम प्रधान के चुनाव के चलते इस ईदगाह का अवैध निर्माण किया जा रहा है। जिससे गांव में सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ने की आशंका उत्पन्न हो गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति के चलते कुछ लोग ईदगाह के निर्माण में सहयोग कर रहे हैं। जबकि गांव में मुस्लिम आबादी के केवल 200 वोट हैं और हिन्दू वोटों की संख्या 2000 से ज्यादा है।

शहादत नगर इकला का इतिहास

शाहदत नगर इकला, नाम से आभास होता है कि यह गांव शहादत को लेकर ही प्रख्यात है। लगभग 200 साल पहले बाबा डोंगल ने इस गांव के निर्माण के लिए अंग्रेजों से लोहा लिया था। गांव को बसाने के लिए अंग्रेजों से लोहा लेते हुए उन्होंने अपनी शहादत भी दी। जिसके बाद ही उनकी शहादत की याद में इस गांव का नाम शहादत नगर इकला पड़ा। गांव का रास्ता मुस्लिम बाहुल इलाके डासना से होकर जाता था। मुसलमानों ने गांव जाने वाले रास्ते को बंद कर दिया था। जिसके चलते बाबा कलुआ ने आंग्रेजों के साथ मुसलमानों से भी लोहा लिया। अंग्रेज फूट डालो और राज करो की नीति के तहत मुसलमानों का समर्थन कर रहे थे, जिसके चलते बाबा कलुआ ने अंग्रेजों की ओर से नियुक्त किए गए इलाके के मुखिया का वध कर दिया था। उसके बाद डासना के मुसलमानों ने गांव का रास्ता खोल दिया था। हालांकि अंग्रेजी हुकुमत ने मुखिया का वध करने के आरोप में बाबा कलुआ को काला पानी की सजा दी थी।

बाद में बना कब्रिस्तान

समय के गुजरने के साथ शहादत नगर इकला के पीछे की ओर खाली पड़ी जमीन पर मुसलमानों ने कब्रिस्तान बना लिया और हिन्दू वर्ग ने सांप्रदायिक सौहार्द का परिचय देते हुए कब्रिस्तान का निर्माण होने दिया था। फिलहाल शहादत नगर इकला गांव में मुस्लिमों की आबादी न के बराबर है। कब्रिस्तान में भी दूसरे गांवों के रहने वाले शवों को भी दफनाया जाता है। शहादत नगर इकला में मुस्लिमों को लगभग 200 वोट हैं और हिन्दू आबादी के 2000 से ज्यादा वोट हैं। अब कब्रिस्तान में ईदगाह बनने को लेकर हिन्दू आबादी में भारी रोष है।

प्रशासन और शासन से करेंगे शिकायत

शहादत नगर इकला गांव के ग्रामीणों का कहना है कि आसपास के कई गांव में ईदगाह बने हुए हैं फिर यहां ईदगाह की क्या जरूरत है। ग्रामीणों का कहना है कि ईदगाह बनने से इलाके में सांप्रदायिक सौहार्द को खतरा उतपन्न हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि ईदगाह बनने का काम शुरू कर दिया गया है और मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले इस अवैध निर्माण में सहयोग कर रहे हैं। ग्रामीणों ने इस अवैध ईदगाह के निर्माण के खिलाफ जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन सौंपने वालों में मोहित बजरंगी, सुनील नागर, संदीप नागर,प्रमोद नागर, सुरेंद्र नागर, जीती नागर, मोहित नागर, रोहित नागर, सुमित शर्मा, पिंटु नागर, सोहित नागर, केदार यादव, सोनू यादव, कुलदीप नागर, तुषार नागर आदि शामिल रहे।

अवैध निर्माण हुआ तो नपेंगे संबंधित जोन के अधिकारी: अतुल वत्स

सूर्या बुलेटिन

गाजियाबाद। शहर में नक्शा पास कराए बिना अनधिकृत निर्माण हो रहे हैं। नियम कायदों को ताक पर रखा जा रहा है और नियोजित विकास की जिम्मेदारी संभालने वाले गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के अफसर सब कुछ देखकर भी अनजान बने रहते हैं। अफसरों की इस लापरवाही पर नकेल कसने के लिए प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने सख्त कदम उठाया है। उन्होंने कहा है कि जिस भी जोन में अनधिकृत (अवैध) निर्माण होगा, तो उस जोन के अधिकारियों पर कार्रवाई होगी।

विकास प्राधिकरण के अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठना इसलिए भी लाजमी है कि पिछले कुछ वर्ष में शहर में निमार्णों की संख्या तो बढ़ी है, मगर प्राधिकरण की कमाई बढ़ने की बजाय कम हुई है। मगर अवैध निर्माण पर पूरी तरह से रोक लगाने और प्राधिकरण की आय बढ़ाने के लिए उपाध्यक्ष ने अपना

खाका तैयार कर लिया है। जिसके लिए रोज अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ बैठक कर उनके पेंच कसे जा रहे है।

जीडीए की संपत्तियों से संबंधित प्रॉपर्टी मैनेजमेंट सिस्टम के तहत 10 योजनाओं का डेटा मान्यकरण का कार्य पूरा हो गया है। इसके साथ ही एक माह के अंदर सभी संपत्तियों का डेटा संचालित प्रॉपर्टी मैनेजमेंट सिस्टम पर कार्य पूरा कर लिया जाएगा।जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने जीडीए सभागार में अधिकारियों के साथ करते हुए यह दिशा-निर्देश दिए। जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने जीडीए सचिव राजेश कुमार सिंह, अपर सचिव सीपी त्रिपाठी, ओएसडी गुंजा सिंह, ओएसडी कनिका कौशिक, फाइनेंस कंट्रोलर अशोक कुमार वाजपेयी, चीफ इंजीनियर मानवेंद्र कुमार सिंह, अधिशासी अभियंता आलोक रंजन, लवकेश कुमार, अजीत कुमार बघाडिया समेत आदि अधिकारियों के साथ संपत्ति अनुभाग एवं प्रवर्तन विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक की। उन्होंने निर्देश दिए कि जीडीए सीमा क्षेत्र में अवैध निर्माण पर पूर्णतः अंकुश लगाया जाए। बैठक में वादग्रस्त संपत्तियों को चिन्हित कर सूचीबद्ध किए जाने के संबंध में समीक्षा की गई। इसके अलावा संपत्तियों को पोर्टल पर दर्ज कराने और जोनवार अवैध निर्माण को सूचीबद्ध करने एवं जून माह में अवैध निर्माण को ध्वस्त करने के लिए चिन्हित किए गए अवैध निर्माण की समीक्षा की गई। जीडीए उपाध्यक्ष ने पहले संपत्ति अनुभाग की समीक्षा की।

बैठक में वरिष्ठ प्रभारी संपत्ति द्वारा अवगत कराया गया कि जीडीए में संचालित प्रॉपर्टी मैनेजमेंट सिस्टम पर 10 योजनाओं का डेटा वैलिडेशन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। जीडीए उपाध्यक्ष ने निर्देशित किया कि एक माह के अंदर जीडीए की सभी संपत्तियों का डेटा प्राधिकरण में संचालित प्रॉपर्टी मैनेजमेंट सिस्टम पर शामिल कर लिया जाए। सहायक प्रभारी संपत्ति को निर्देशित किया कि उनके द्वारा देखी जा रही योजनाओं का पोर्टल पर परीक्षण करते हुए योजना के तलपट मानचित्र पर संपत्ति से संबंधित विवरण जैसे वादग्रस्त, रिक्त संपत्ति, अवैध कब्जा आदि को चिन्हित कर लिया जाए। इसके अलावा जीडीए की संपत्तियों का बकाया के संबंध में संचालित पोर्टल को अपग्रेड करते हुए अन्य विकास प्राधिकरण की तर्ज पर जीडीए की संपत्ति की देयता की भी जानकारी समय से प्राप्त होती रहे।

जीडीए उपाध्यक्ष ने इसके बाद प्रवर्तन कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि 3 मई 2018 के शासनादेश में दिए गए निदेर्शों के अनुसार अवैध निर्माण, अनाधिकृत रूप से विकसित कॉलोनियों पर प्रभावी रूप से अंकुश लगाया जाए। उन्होंने प्रवर्तन अनुभाग के प्रवर्तन प्रभारियों को निर्देशित किया कि उनके क्षेत्र में चल रहे निर्माण कार्यों पर जीडीए से स्वीकृत मानचित्र की एक प्रति रक्षित की जाए तथा अवैध निमार्णों पर विशेष अभियान चलाकर सीलिंग की कार्रवाई की जाए, ताकि जीडीए सीमा क्षेत्र में अवैध निर्माण पर अंकुश लगाया जा सकें। अवैध निर्माण की शिकायत मिलने पर संबंधित जोन के इंजीनियरों व सुपरवाइजरों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

सम्पादकीय

कानून के शिकंजे में प्रज्वल रेवन्ना

यौन उत्पीड़न मामले में आखिरकार प्रज्वल रेवन्ना को गिरफ्तार कर लिया गया है। जर्मनी से लौटते ही उन्हें बंगलुरु हवाई अड्डे पर विशेष जांच दल ने गिरफ्तार कर लिया। उन्हें छह दिन की हिरासत में भेज दिया गया है। पिछले महीने जब प्रज्वल के करीब तीन हजार महिलाओं के यौन उत्पीड़न की तस्वीरें सार्वजनिक होने लगी थीं, तब वे चुपके से जर्मनी भाग गए थे। तब राज्य सरकार ने मामले की जांच के लिए विशेष दल का गठन किया था। फिर उनके प्रत्यर्पण का दबाव बनना शुरू हो गया। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर प्रज्वल का राजनयिक वीजा रद्द करने की गुहार लगाई थी। विशेष जांच दल ने उनके खिलाफ ब्लू कार्नर नोटिस जारी किया। इस मामले को लेकर राजनीतिक सरगर्मी काफी बढ़ गई। तब प्रज्वल ने एक वीडियो जारी कर कहा कि वे इकतीस मई को पुलिस के सामने समर्पण करेंगे। इस मामले में प्रज्वल के पिता और जेडीएस से विधायक एचडी रेवन्ना भी आरोपी हैं। उन पर भी यौन उत्पीड़न के आरोप हैं। उन्हें पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। चूंकि प्रज्वल ने भाजपा के साथ मिल कर इस बार लोकसभा का चुनाव लड़ा है, इसलिए उनके ऊपर लगे आरोपों की आंच उस तक भी पहुंची है। यह अब तक के यौन उत्पीड़न का सबसे बड़ा और वीभत्स प्रकरण है। आरोप है कि प्रज्वल रेवन्ना ने करीब तीन हजार महिलाओं का बलात्कार, यौन शोषण और उत्पीड़न किया और उनकी तस्वीरें भी उतारीं, जिनके जरिए उन्हें डरा-धमका कर अपना मुंह बंद रखने को मजबूर किया गया। उनमें घर की नौकरानी से लेकर दफ्तर में काम करने वाली, पार्टी कार्यकर्ता आदि महिलाएं शामिल हैं। उनमें उम्र का भी ध्यान नहीं रखा गया। कुछ ऐसी महिलाओं के उदाहरण भी हैं, जिनके बेटे के सामने उनका बलात्कार किया गया। चूंकि प्रज्वल खुद सांसद हैं और उनके पिता विधायक, फिर इन दोनों की एक दबंग छवि है, इसलिए महिलाओं ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराने की हिम्मत नहीं जुटाई। मगर जब प्रज्वल द्वारा उतारी तस्वीरों की फाइल किसी तरह बाहर आई और लोगों में फैलाई जाने लगी, तो कुछ महिलाएं हिम्मत जुटा कर सामने आईं और शिकायत दर्ज कराई। ऐसे में अब लोगों की नजरें विशेष जांच दल की कार्रवाइयों और अदालत के फैसले पर टिकी हुई हैं कि पीड़ित महिलाओं को कितना इंसाफ मिल पाता है। यौन उत्पीड़न और बलात्कार के मामलों में दोष सिद्धि और सजा की दर बहुत कम है। ऐसे मामलों में अगर रसूखदार लोग शामिल हों, तो पीड़िता को इंसाफ मिलने की उम्मीद धूमिल ही रहती है। ऐसे में प्रज्वल रेवन्ना और उनके पिता पर लगे आरोपों की कितनी निष्पक्ष और प्रभावी जांच हो पाएगी, यह देखने की बात है। जिन महिलाओं के साथ बलात्कार हुआ या लंबे समय तक जो यौन उत्पीड़न सहती रहीं, उनमें से अब भी बहुत सारी समाज और परिवार के भय से मुंह खोलने से बचती देखी जा रही हैं। इसका यह अर्थ नहीं मान लिया जाना चाहिए कि उनके साथ अत्याचार हुआ ही नहीं। साक्ष्यों को तोड़ने-मरोड़ने और कानूनी बारीकियों की मनचाही व्याख्याएं करके आरोपी को बचाने की हर कोशिश की जाएगी, मगर मामले की निष्पक्ष और गंभीरता से जांच हो तो अदालत को सही नतीजे पर पहुंचने में मदद मिलेगी। इसलिए फिलहाल जांच दल पर निगाहें टिकी हुई हैं कि वह इस मामले को ऐसे निर्णय तक पहुंचाए, जो नजीर बन सके।

डराती है असामान्य मानसून की गर्जना

भारतीय मौसम विभाग ने इस वर्ष सामान्य से अधिक गर्मी के साथ ही अधिक वर्षा का भी पूवार्नुमान जारी किया है। सामान्य से अधिक तापमान का अनुभव तो हो ही रहा है लेकिन अब सामान्य से अधिक वर्षा की बारी है जिसकी आशंका लोगों को अभी से डराने लगी है। क्योंकि मानसून प्रकृति की वह व्यवस्था है जो कि समस्त जीवधारियों के लिये वरदान है तो इसके विकराल हो जाने पर यह अभिशाप भी बन जाता है। सामान्यत: मानसून जून के पहले सप्ताह केरल में दस्तक देता है, लेकिन इस साल बादलों के फटने की शुरूआत पहाड़ों में पहले ही हो गयी है। उत्तराखण्ड में जंगलों में भड़की आग के बुझने से पहले ही 8 और 9 मई को चार जिलों में बादल फटने की घटनाओं ने भारी नुकसान पहुंचा दिया है। मौसम विभाग के दीर्घकालिक पूवार्नुमान में इस साल देश के 80 प्रतिशत हिस्सों में जून से लेकर 30 सितंबर तक सामान्य से अधिक यानी कि 106 प्रतिशत वर्षा होने का अनुमान लगाया गया है। सामान्यत: इस 80 प्रतिशत हिस्से में भी कहीं कम तो कहीं अधिक वर्षा हो सकती है। वैज्ञानिकों के अनुसार प्रशांत महासागर में दक्षिण अमेरिका के निकट यदि विषुवत रेखा के इर्द-गिर्द समुद्र की सतह अचानक गरम होनी शुरू हो जाए तो अल नीनो बनता है। यदि तापमान में यह बढ़ोतरी 0.5 डिग्री से 2.5 डिग्री के बीच हो तो यह मानसून को प्रभावित कर सकती है। इसका असर यह होता कि विषुवत रेखा के इर्द-गिर्द चलने वाली ट्रेड विंड कमजोर पड़ने लगती हैं। यही हवाएं मानसूनी हवाएं हैं जो भारत में बारिश करती हैं। ऐसी स्थिति में अल नीनो के ठीक विपरीत घटना होती है जिसे ला नीना कहा जाता है। ला नीना बनने से हवा के दबाव में तेजी आती है और ट्रेड विंड को रफ्तार मिलती है, जो भारतीय मानसून पर व्यापक प्रभाव डालती है। मानसून का देश के सामाजिक-आर्थिक ताने-बाने पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। यह राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और कृषि उत्पादन की जीवनरेखा भी है। लेकिन अति तो सर्वत्र वर्जित ही होती है। मानसून के रूप में प्रकृति का यह वरदान अति के कारण आपदाओं के रूप में अभिशाप भी बन जाता है। मानसून संबंधी भारी वर्षा, बादल फटना और अचानक बाढ़ की घटनाएं बड़े पैमाने पर लोगों के हताहत होने के साथ सम्पतियों को भारी नुकसान पहुंचाती हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुमान के अनुसार देश में प्रति वर्ष बाढ़ से औसतन 75 लाख हेक्टेयर भूमि प्रभावित होती है और हजारों लोगों की जानें जाती हैं। सेंटर फॉर साइंस एण्ड इनवार्नमेंट संस्था के अध्ययन के अनुसार गत वर्ष चरम मौसमी घटनाओं में 2,923 लोग मारे गये, 1.84 मिलियन हेक्टेयर जमीन पर फसल बर्बाद हुई, 80,536 घर और 92,519 पशु नष्ट हो गये। ये चरम परिस्थितियां अधिकतर मानसून सीजन की हैं। एक अन्य अध्ययन के अनुसार पिछली बरसात में हिमाचल प्रदेश के कुल्लू, मंडी, शिमला, सिरमौर, सोलन और चंबा जिलों में 8 से 11 जुलाई, 14 से 15 अगस्त और 22 से 23 अगस्त 2023 को कम से कम तीन चरम दौरों में अचानक आई बाढ़ (फ्लैश फ्लड) और बादल फटने तथा भूस्खलन जैसी चरम घटनाओं में 404 लोगों की जानें चली गई थीं और 38 लोगों का अभी तक पता नहीं चला। उत्तराखण्ड में पिछले साल मानसूनी आपदा में 130 लोगों की जानें चलीं गयीं थी।

कब सुधरेंगी हमारी गलतियां, गणतंत्र के भविष्य के लिए जरूरी है इनका ठीक होना

इस बार का चुनाव बहुत ही कठिन रहा और पूरी प्रक्रिया बहुत लंबी। इसके परिणाम कुछ ही दिनों में आ जाएंगे। जो भी पार्टी या गठबंधन अगली सरकार बनाएगा, उसे उन गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, जिन्हें चुनाव अभियान ने पीछे धकेल दिया है। भारत के सामने आज गलतियों की एक लंबी लिस्ट है, जिसे अच्छी तरह सुधारा नहीं गया तो एक गणतंत्र के रूप में हमारा भविष्य कमजोर हो सकता है।

पहली गलती पार्टी प्रणाली का भ्रष्टाचार है। ऐसा माना जाता है कि राजनीतिक दलों में आंतरिक लोकतंत्र होता है, जिसमें नेता स्वतंत्र रूप से चुने जाते हैं और वे अपनी पार्टी के सहयोगियों के प्रति जवाबदेह होते हैं। भारतीय राजनीति आज इस मॉडल से बिल्कुल अलग है। यहां राजनीतिक पार्टियां या तो व्यक्तित्व के साये तले हैं या एक पारिवारिक फर्म बन गई हैं। व्यक्तित्व के साये तले वाली बात का ज्वलंत उदाहरण भारतीय जनता पार्टी है। पिछले एक दशक में पूरी पार्टी और सरकारी तंत्र का बड़ा हिस्सा नरेंद्र मोदी को दिव्य व्यक्तित्व वाला बनाने में जुटा रहा है। हालांकि भौगोलिक तौर पर अपने सीमित क्षेत्रों में पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी, केरल में पिनाराई विजयन, दिल्ली में अरविंद केजरीवाल, आंध्र प्रदेश में जगन मोहन रेड्डी और ओडिशा में नवीन पटनायक जैसे मुख्यमंत्री भी इसी तरह से काम कर रहे हैं। कुछ इस तरह कि मानो वे ही शासन करते रहेंगे। लोकतांत्रिक संस्थाओं का दिखावा करने वाली पारिवारिक पार्टियां भी इसके लिए कम जिम्मेदार नहीं हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि कांग्रेस इसके लिए मुख्य रूप से दोषी है। उसने पार्टी के लिए दशकों तक काम करने वालों को नजरअंदाज कर प्रियंका गांधी को रातों-रात महासचिव बना दिया।

गांधी परिवार से पीछे न रह जाएं, इस वजह से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुलबर्गा की अपनी पुरानी सीट अपने दामाद को दे दी, जबकि उनका एक बेटा पहले से ही कर्नाटक में कैबिनेट मंत्री है। इसी तरह राष्ट्रीय जनता दल बिहार में, सपा उत्तर प्रदेश में और डीएमके तमिलनाडु में ऐसी पार्टियां हैं, जो एक ही परिवार के नियंत्रण में रही हैं। यह सोचने पर मजबूर करता है कि जिस ब्रिटेन की राजनीतिक प्रणाली को हमने अपनाया, उससे हम कितने अलग हैं।

प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के सामने कोई धर्म-पंथ नहीं है। मुख्य विपक्षी लेबर पार्टी के नेता केर स्टार्मर किसी राजनीतिक परिवार से नहीं आते हैं। वे दोनों आज जिस मुकाम पर हैं, वहां अपनी मेहनत और पार्टी के सहयोगियों के समर्थन से हैं। जब भी वे समर्थकों का विश्वास खो देंगे, बिना किसी हंगामे के अपना पद छोड़ देंगे और उनकी जगह पर ऐसे व्यक्ति को चुना जाएगा, जो किसी राजनीतिक वंशावली से नहीं होगा।

भारतीय लोकतंत्र की विश्वसनीयता इस बात से भी और कम हुई है कि नागरिकों को बिना मुकदमे के जेल में डाला जा सकता है और वर्षों तक जेल में रखा जा सकता है। कानूनों का उपयोग राजनीतिक विरोधियों ही नहीं, बल्कि किसी भी तरह की असहमति जताने वालों को डराने और चुप कराने के लिए किया जाता है। इस तरह के दुरुपयोग में अदालतें भी शामिल हैं।

संक्षेप में यही कहा जा सकता है कि हमारी राजनीतिक कमियां दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने के दावों के आडंबरों के पीछे छिपी हैं। दूसरा दावा विश्व की सबसे तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था का है। हालांकि आर्थिक उदारीकरण की वजह से गरीबी में तो कमी आई है, लेकिन इससे असमानता भी बड़े पैमाने पर बढ़ी है। रोजगार में बढ़ोतरी नहीं हुई। शिक्षित वर्गों में सबसे ज्यादा बेरोजगारी है और श्रमबल में महिलाओं की भागीदारी बहुत कम है।

भारत की अर्थव्यवस्था मिश्रित है और इसके पर्यावरणीय रिकॉर्ड विनाशकारी रहे हैं। आर्थिक तौर पर भारत के सबसे ह्यसमृद्ध शहरह्ल बेंगलुरु में जल संकट और भारत के ह्यवैश्विक उत्थानह्ल वाले शहर नई दिल्ली में वायु प्रदूषण की उच्च दर इस बात का प्रतीक है कि हमने संसाधनों का कितना दुरुपयोग किया है। जैसा कि मैंने पहले लिखा है, हमारे लिए एक बड़ा मुद्दा पर्यावरण संकट है। जहरीली हवा, गिरता जल स्तर, दूषित मिट्टी और विलुप्त होती जैव विविधता की वजह से करोड़ों भारतीयों की आजीविका और सेहत खतरे में पड़ गई है और ये भविष्य के बारे में गंभीर सवाल उठा रहे हैं कि क्या हमारे औद्योगिक और आर्थिक संसाधन टिकाऊ हैं?

कई दशकों तक सत्ता में रही कांग्रेस पार्टी की जिम्मेदारी इसमें सबसे अधिक बनती है। उसका कहना है कि 2014 में जब नरेंद्र मोदी ने सत्ता संभाली, उसके बाद से स्थिति और खराब होती गई। हम जिसे सांप्रदायिक समस्या कहते हैं, वह भी कोई नई नहीं है। पाकिस्तान बनने के बाद जो मुसलमान भारत में रह गए, उन्हें पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने यह कहते हुए आश्वस्त किया था कि पाकिस्तान में जो भी अधिकार दिए गए हैं, वही समान नागरिक अधिकार यहां भी दिए जाएंगे। लेकिन उन्हें अक्सर संदेह की दृष्टि से देखा गया। धर्मों के बीच की यह खाई राजीव गांधी के शासनकाल में बढ़ती गई, क्योंकि उन्होंने हिंदू और मुस्लिम, दोनों के बीच कट्टरता को बढ़ावा दिया।

2014 के बाद से भारत के सबसे बड़े अल्पसंख्यक समुदाय में असुरक्षा की भावना कई गुना बढ़ गई, क्योंकि स्वतंत्र राष्ट्र के इतिहास में पहली बार केंद्र में सत्तारूढ़ दल ने अपनी हिंदू बहुसंख्यकवादी महत्वाकांक्षा को स्पष्ट कर दिया था। राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन में धर्म का बोलबाला बढ़ गया, जब प्रधानमंत्री ने खुद को ईश्वर द्वारा धरती पर भेजे गए उस हिंदू राजा की तरह दिखाया, जो हिंदुओं की सभी परेशानियों को दूर कर देगा। इसके परिणामस्वरूप भारतीय मुसलमानों ने खुद को इतना डरा हुआ कभी महसूस नहीं किया, जितना अब कर रहे हैं। ये भविष्य के लिए क्या संकेत दे रहे हैं, कहना मुश्किल है। एक अंतिम समस्या, जो मैं उठाना चाहता हूं, वह है राज्य और केंद्र सरकार के बीच संबंध।

पर्यावरण में जहर घोलने से बढ़ी जानलेवा गर्मी

लोकसभा चुनाव के प्रचार की गर्मी भले ही समाप्त हो गयी हो लेकिन प्रकृति से जुड़ी गर्मी सौ-डेढ़ सौ वर्षों का रिकार्ड तोड़ते हुए कहर बरपा रही है। दिल्ली का पारा 50 डिग्री से तो ज्यादा ही रहा है। देश के 17 से अधिक शहरों में तापमान उच्चतम स्तर पर चल रहा है। यह एक तरह का प्राकृतिक आपातकाल है। हीटवेव या यों कहें कि लू के थपेड़ों ने जनजीवन को मौत के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। लू या हीटवेव या तापघात के कारण देश के विभिन्न हिस्सों में मौत के समाचार भी आ रहे हैं। तस्वीर का एक पहलू यह है कि अभी तक सही मायने में हमारे देश में हीटवेव को डिजास्टर मैनेजमेंट में पूरी तरह से शामिल नहीं किया गया है। वैज्ञानिक बता रहे हैं कि शहरों में हीट आइलैंड बन रहे हैं, जिसके लिए मुख्य रूप से सीमेंट-तारकोल और कृत्रिम वातानुकूलित (एसीवाली) जीवनशैली जिम्मेदार है। कंक्रीट और तारकोल के जंगलों का विस्तार करने को जब तक हम अपनी जरूरत समझते रहेंगे तब तक हरे-भरे जंगलों को कटने से कोई नहीं रोक सकेगा। दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर देश जब तक जीडीपी से विकास को मापेगा, बेहिसाब औद्योगीकरण एवं शहरीकरण की होड़ रहेगी, तब तक पर्यावरण असंतुलन एवं गर्मी का प्रकोप ऐसे ही विनाश का कारण बनता रहेगा।

इस बार बढ़ती गर्मी ने सारे रेकॉर्ड तोड़ दिये हैं जो हमारे लिए चौंकाने से ज्यादा गंभीर चिंता की बात है। राजधानी दिल्ली के एक इलाके में अधिकतम पारा 52.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो देश के इतिहास का सबसे ज्यादा तापमान है। राजस्थान के चुरु और फलोदी आदि का पारा तो 50 के आसपास या ऊपर ही चल रहा है। जैसलमेर आदि स्थानों पर गर्मी इतने तेज है कि धरती तवे की तरह तप रही है, लोगों ने पापड़ सेक कर या आमलेट बनाते हुए दृश्य सोशल मीडिया पर दिखाये हैं। पानी की कमी, बिजली कटौती और गर्म लू के कारण बीमारी के हालात गंभीर होते जा रहे है। इतनी तेज गर्मी में पेयजल की उपलब्धता, बिजली की आपूर्ति व ट्रिपिंग की समस्या से निजात पाना मुश्किल हो रहा है। सवाल यह है कि इस भीषण लू या यों कहें कि हीटवेव के लिए बहुत कुछ हम और हमारा विकास का नजरिया भी जिम्मेदार है। आज शहरीकरण और विकास के नाम पर प्रकृति को विकृत करने में हमने कोई कमी नहीं छोड़ी है। पेड़ों की खासतौर से छायादार पेड़ों की अंधाधुंध कटाई एवं गांवों में हो या शहरों में आंख मींचकर कंक्रिट के जंगल खड़े करने की होड़ के दुष्परिणाम प्रकृति एवं पर्यावरण की विकरालता के रूप में सामने हैं। जल संग्रहण के परंपरागत स्रोतों को नष्ट करने में भी हमने कोई गुरेज नहीं किया। अब विकास एवं सुविधाओं और प्रकृति के बीच सामंजस्य की और ध्यान देना होगा नहीं तो आने वाले साल और अधिक चुनौती भरे होंगे। कंक्रिट के जंगलों से लेकर हमारे दैनिक उपयोग के अधिकांश साधन एवं विकास की भ्रामक सोच तापमान को बढ़ाने वाले ही हैं।

विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग की दस्तक देने के बावजूद विकसित व संपन्न देश पर्यावरण संतुलन के प्रयास करने तथा आर्थिक सहयोग देने से बच रहे हैं। ऐसा नहीं है कि मौसम की मार से कोई विकसित व संपन्न देश बचा हो, लेकिन प्राकृतिक संसाधनों के क्रूर दोहन से औद्योगिक लक्ष्य पूरे करने वाले ये देश अब विकासशील देशों को नसीहत दे रहे हैं। निश्चित रूप से बढ़ता तापमान उन लोगों के लिये बेहद कष्टकारी है, जो पहले ही जीवनशैली से जुड़े रोगों एवं समस्याओं से जूझ रहे हैं। जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता असाध्य रोगों की वजह से चूक रही है। ऐसा ही संकट वृद्धों के लिये भी है, जो बेहतर चिकित्सा सुविधाओं व सामाजिक सुरक्षा के अभाव में जीवनयापन कर रहे हैं। वैसे एक तथ्य यह भी है कि मौसम के चरम पर आने, यानी अब चाहे बाढ़ हो, शीत लहर हो या फिर लू हो, मरने वालों में अधिकांश गरीब व कामगार तबके के लोग ही होते हैं। जिनका जीवन गर्मी में बाहर निकले बिना या काम किये बिना चल नहीं सकता। निष्कर्षत: कह सकते हैं कि उन्हें मौसम नहीं बल्कि गरीबी मारती है।

जलवायु परिवर्तन का असर अब ज्यादा स्पष्ट तौर पर दिखने लगा है। अगर गर्मी पड़ रही है तो पिछले कई दशक के रिकॉर्ड तोड़ रही है। अगर बारिश हो रही है तो कुछ घंटों में ही पूरे मॉनसून की बरसात के बराबर पानी गिर रहा है। सर्दी भी साल-दर-साल नए रिकॉर्ड बना रही है। कुल मिलाकर हर मौसम अब अप्रत्याशित क्रूरतम रुख दिखा रहा है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, अल नीनो और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन की दोहरी मार के कारण धरती के तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इससे धरती पर मौजूद सभी जीव-जंतुओं, वनस्पति और इंसानों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। अनेक लोगों की भीषण गर्मी में जान चली गयी, बिहार की स्कूली छात्राएं बड़ी संख्या में बेहोश हो गयी। इन जटिल स्थितियों को देखते हुए गर्मी के मौसम में काम के घंटों का निर्धारण एवं स्कूलों में गर्मी की छुट्टियों की अवधि मौसम की अनुकूलता के अनुरूप ही होनी चाहिए। आसन्न संकट को महसूस करते हुए दीर्घकालीन रणनीति, इस चुनौती से निपटने के लिये बनाने की जरूरत है।

दुनियाभर में अगले 20 साल के भीतर कूलिंग सिस्टम्स यानी एयरकंडीशन की मांग में कई गुना बढ़ी है। सुविधावादी जीवनशैली एवं तथाकथित आधुनिकता ने पर्यावरण के असंतुलन को बेतहाशा बढ़ाया है। तापमान में भी साल-दर-साल बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। जहां तापमान ने नए रिकॉर्ड्स बनाने शुरू कर दिए हैं वहीं, भारी बारिश के कारण बाढ़ के हालात बन रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण मौसम को लेकर अनिश्चितता बढ़ती जा रही है। सरकारों को नीतिगत फैसला लेकर बदलते मौसम की चुनौतियों को गंभीरता से लेना होगा। समय रहते बचाव के लिये नीतिगत फैसले नहीं लिए गए तो एक बड़ी आबादी के जीवन पर संकट मंडराएगा। यह संकट तीखी गर्मी से होने वाली बीमारियों व लू से होने वाली मौतें ही नहीं होंगी, बल्कि हमारी कृषि एवं खाद्य सुरक्षा शृंखला भी प्रभावित होगी। हालिया अध्ययन बता रहे हैं कि मौसमी तीव्रता से फसलों की उत्पादकता में भी कमी आई है। दरअसल, मौसम की यह तल्खी केवल भारत ही नहीं ,वैश्विक स्तर पर नजर आ रही है। एशिया के अलावा यूरोप व अमेरिकी देशों में भी तापमान में अप्रत्याशित बदलाव नजर आ रहा है।

सरकारों को मानना होगा कि वैसे तो प्रकृति किसी तरह का भेदभाव नहीं करती मगर सामाजिक असमानता के चलते वंचित समाज इसकी बड़ी कीमत चुकाता है। सरकार रेड अलर्ट व ऑरेंज अलर्ट की सूचना देकर अपने दायित्वों से पल्ला नहीं झाड़ सकती। खासकर ऐसे समय में जब हरियाणा व राजस्थान में पारा पचास पार करके गंभीर चुनौती का संकेत दे रहा है। स्कूल-कालेजों के संचालन, दोपहर की तीखी गर्मी के बीच कामगारों व बाजार के समय के निर्धारण को लेकर देश में एकरूपता का फैसला लेने की जरूरत है। कुछ जगह धारा 144 लागू की गई है, जो इस संकट का समाधान कदापि नहीं है। कभी संवेदनशील भारतीय समाज के संपन्न लोग सार्वजनिक स्थलों में प्याऊ की व्यवस्था करते थे। लेकिन आज संकट यह है कि पानी व शीतल पेय के कारोबारी मुनाफे के लिये सार्वजनिक पेयजल आपूर्ति को बाधित करने की फिराक में रहते हैं। सरकारें भी जल के नाम पर राजनीति करती है। दिल्ली के अनेक इलाकों में बढ़ती गर्मी के साथ जल आपूर्ति एक बड़ी समस्या बनी हुई है। हमारे राजनीतिज्ञ, जिन्हें सिर्फ वोट की प्यास है और वे अपनी इस स्वार्थ की प्यास को पानी से बुझाना चाहते हैं। विभिन्न प्रांतों के बीच का यह विवाद आज हमारे लोकतांत्रिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर रहा है, जनजीवन से खिलवाड़ कर रहा है। जीवनदायक वस्तुएं प्रभु ने मुफ्त में दे रखी है। पानी, हवा एवं प्यार और आज वे ही विवादास्पद, दूषित और झूठी हो गयी हैं। इस तरह की तुच्छ एवं स्वार्थ की राजनीति करने वाले नेता क्या गर्मी एवं जल-समस्याओं का समाधान दे पायेंगे?

दूध की पोषकता से आखिर कब तक होता रहेगा खिलवाड़

दूध पोषकता का पर्याय है। दूध दुनिया को पोषण देता है। आहार-तत्व सम्बन्धी विज्ञान ही पोषण है। पोषण की प्रक्रिया में जीव पोषक तत्वों का उपयोग करते हैं। जीवन जीने के लिए भोजन (आहार) की आवश्यकता होती है। आहार/भोजन शुद्ध, पोषकता से भरपूर और ताजा होना चाहिए। आहार या भोजन के मुख्य उद्देश्य हैंङ्क 1. शरीर को ऊर्जा या शक्ति प्रदान करना। 2. शरीर में कोशिकाओं या ऊतकों का पुनर्निर्माण करना। 3. शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाना। स्वास्थ्य का आहार से घनिष्ठ सम्बन्ध है। पोषण तत्व हमारे भोजन में उचित मात्रा में विद्यमान न हों, तो शरीर बीमार हो जाएगा। काबोर्हाइड्रेट, प्रोटीन, वसा, विटामिन, खनिज-लवण व पानी प्रमुख पोषण तत्व हैं। पोषण एक प्रक्रिया है जो शरीर को पोषक तत्व प्रदान करते हैं। पोषण, पोषक तत्वों के सही मिश्रण को संदर्भित करता है। अच्छा पोषण निरोगी काया की निशानी है। दूध एक ऐसा आहार है जिसमे सभी पोषक तत्व संतुलित मात्रा में पाए जाते हैं। फ्रेंच वैज्ञानिक लेवोइजर को पोषण का जनक माना जाता है। उन्होंने 1770 ई. में चयापचय की खोज की।

उन्होंने प्रदर्शित किया कि भोजन से ऊर्जा उसके ऑक्सीकरण के कारण प्राप्त होती है। दूध शरीर को तुरंत ऊर्जा प्रदान करता है। दूध में एमिनो एसिड एवं फैटी एसिड मौजूद होते हैं। दूध संपूर्ण आहार है। दूध के बिना जीवन अधूरा है। दूध एक अपारदर्शी सफेद द्रव है जो मादाओं के दुग्ध ग्रन्थियों द्वारा बनाया जाता है। नवजात शिशु तब तक दूध पर निर्भर रहता है जब तक वह अन्य पदार्थों का सेवन करने में अक्षम होता है। दूध में मौजूद संघटक हैं- पानी, ठोस पदार्थ, वसा, लैक्टोज, प्रोटीन, खनिज, वसा विहिन ठोस। अगर हम दूध में मौजूद पानी की बात करें तो सबसे ज्यादा पानी गधी के दूध में 91.5% होता है, घोड़ी में 90.1%, मनुष्य में 87.4%, गाय में 87.2%, ऊंटनी में 86.5%, बकरी में 86.9% होता है। दूध में कैल्शियम, मैग्नीशियम, जिंक, फास्फोरस, आयोडीन, आयरन, पोटैशियम, फोलेट्स, विटामिन-ए, विटामिन- डी, राइबोफ्लेविन, विटामिन बी-12, प्रोटीन आदि मौजूद होते हैं। गाय के दूध में प्रति ग्राम 3.14 मिली ग्राम कोलेस्ट्रॉल होता है। गाय का दूध पतला होता है। जो शरीर मे आसानी से पच जाता है। एक भी खाद्य पदार्थ सभी की आपूर्ति नहीं करता है,लेकिन दूध लगभग सभी की आपूर्ति करता है। वर्ष 2024 में विश्व दुग्ध दिवस का प्रसंग /थीम है- दुनिया को पोषण देने के लिए गुणवत्तापूर्ण पोषण प्रदान करने में डेरी द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका। इसी उद्देश्य या प्रसंग को लेकर विश्व दुग्ध दिवस हर्सोल्लास से मनाया गया। हिन्दू धर्म में गाय को पूजनीय माना गया है। गाय की पूजा होती है दूध स्वयं में सम्पूर्ण आहार है। गाय के दूध, दही, घी, मूत्र और गोबर के द्वारा पंचगव्य का निर्माण किया जाता है। गाय से जुड़े इन पांच चीजों का हिंदू धर्म में विशेष महत्व होता है। पंचगव्य से निर्मित औषधियों के सेवन से रोग दूर होते हैं। पंचगव्य से बने उत्पाद पूर्णत: रसायनमुक्त होने के कारण आरोग्यदायी होते हैं। गौ माता के शरीर से निरंतर सत्वकणों का प्रक्षेपण होता रहता है; इसलिए पंचगव्य से निर्मित औषधियां और उत्पाद सात्विक होते हैं। उनके प्रयोग से सात्विकता मिलती है। सात्विकता से सद्गुणों का विकास होता है। सद्बुद्धि आती है। यह तनाव को कम करता है और याददाश्त बढ़ता है। दूध देवत्व का कारक है।

अतएव इसे अमृत कहा गया। गाय के स्पर्श मात्र से तनाव और शरीर में खून के प्रवाह में आराम मिलता है। पंचभूत के पांच तत्वों अग्नि, वायु, आकाश, जल और पृथ्वी, से मिलकर शरीर का निर्माण हुआ। पंचभूत से शरीर बना और शरीर को सुरक्षित रखने के लिए पंचगव्य बना। पंचगव्य रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ता है। पंचगव्य और पंचभूत परस्पर एक दूसरे के समानुपाती हैं। अर्थात ये दोनों एक दूसरे का प्रतिनिधित्व करते हैं। दूध, दही, घी, गोमूत्र और गोबर (पंचगव्य के अवयव) क्रमशः अग्नि, वायु, आकाश, जल और पृथ्वी (पंचभूत के अवयव) का प्रतिनिधित्व करते हैं। अग्नि, वायु, आकाश, जल और पृथ्वी क्रमशः पित्त, वात, शून्य, कफ और मिट्टी (लेप) को दर्शाते हैं। शून्य तनाव नाशक है। शून्य, शांति का प्रतीक है। कहने का तात्पर्य यह है कि दूध शरीर में पित्त का नाश करती है। दही, वायु विकार को दूर करती है। घी तनाव का नाश करती है।

जब शरीर में वात और पित्त का संतुलन रहता है तब शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता का विकास होता है। स्वस्थ्य शरीर तनाव मुक्त होने का परिचायक है। गोमूत्र, जल को दशार्ता है। जल कफ का प्रतीक है। अतएव गोमूत्र कफ नाशक है। यह शरीर में कफ का संतुलन बनाए रखती है। जिससे श्वसन प्रक्रिया स्वस्थ्य रहती है। गोमूत्र शरीर में जहर को खत्म करता है। गोबर, पृथ्वी को दशार्ता है। पृथ्वी, मिट्टी (लेप) का प्रतीक है। गोबर का लेप घर में किया जाए तो घर में सकारात्मकता बढ़ती है। पुराने समय में घर की दहलीज पर गोबर का लेप किया जाता था। गोबर, मिट्टी की शक्ति को दोगुना कर देता है। आज कल मिट्टी/गोबर के लेप का चलन शरीर को स्वस्थ्य रखने में किया जाता है। मिट्टी के बर्तनों का प्रयोग बढ़ा है। गोबर के कंडो का प्रयोग बढ़ा है। गोबर में एंटीबैक्टीरियल के गुण हैं। मिट्टी के घड़ों का प्रयोग पानी पीने के लिए सर्वोत्तम है। ये पंचगव्य हमारे शरीर को पोषण प्रदान करते हैं। दूध से बने व्युत्पन्न उत्पाद जैसे घी, दही, छाछ, पनीर, लस्सी आदि डेरी के महत्व को बढ़ाते हैं। गाय के दूध से बने व्युत्पन्न पदार्थ पौष्टिकता के प्रतीक हैं।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सीमा यादव द्वारा मै0 सुभाषिनी ऑफसैट प्रिन्टर्स एप-10 पटेल नगर तृतीय, गाजियाबाद से मुद्रित करवाकर प्राचीन देवी मंदिर डासना, गाजियाबाद उ.प्र. से प्रकाशित किया।

Tital Code : UPHIN40005

संपादक - अनिल यादव

Mo. 93111 39274

www.suryabulletin.com
suryabulletin@gmail.com

लोस चुनाव: वाराणसी से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लगाई जीत की हैट्रिक

इंडी गठबंधन के प्रत्याशी का अप्रत्याशित प्रदर्शन,पिछली बार के मुकाबले दोगुना ज्यादा मिले वोट

वाराणसी। देश की सबसे हाई प्रोफाइल वाराणसी लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लगातार तीसरी बार जीत हासिल की है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी अजय राय को 1,52,513 मतों से पराजित कर दिया। प्रधानमंत्री मोदी की जीत का अंतर 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव के मुकाबले जहां काफी कम रहा, वहीं लोकसभा चुनाव 2019 के मुकाबले उन्हें मत भी कम मिले। प्रधानमंत्री की हैट्रिक जीत की घोषणा होते ही जश्न मनाने के लिए भाजपा कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए । कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर एक दूसरे को मिष्ठान्न खिलाकर खुशी जताई।

हालांकि जीत का अंतर बड़ा न होने पर पार्टी के बड़े नेता क्लास लगने के डर से मायूस भी दिखे। इसके पहले पहड़िया स्थित मतगणना स्थल पर कड़ी सुरक्षा के बीच सुबह आठ बजे से शुरू हुई मतगणना में पोस्टल बैलेट की गिनती के शुरुआती रुझान में प्रधानमंत्री आगे रहे, लेकिन पोस्टल बैलेट की गिनती के बाद ईवीएम के वोटों की गिनती के प्रथम चरण में इंडी गठबंधन के प्रत्याशी अजय राय से 6000 से अधिक मतों से पिछड़ गए। दूसरे राउंड में उन्होंने मामूली अंतर से बढ़त बनाई तो यह सिलसिला 30वें राउंड तक चलता रहा। चक्रवार गणना के दौरान इंडी गठबंधन के अजय राय हर राउंड में मजबूती से लड़ते दिखे। यह सिलसिला हर चक्र में बना रहा। 30वें और अन्तिम राउंड में भाजपा के प्रत्याशी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 612970,इंडी गंठबंधन के अजय राय को 460457 और बसपा के अतहर जमाल लारी को 33766 मत मिले।

गौरतलब है कि वर्ष 2014 के चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तब भाजपा के प्रत्याशी को कुल 581022 मत और दूसरे स्थान पर रहे आम आदमी पार्टी के अरविन्द केजरीवाल को 209238 मत मिले थे। चुनाव में कांग्रेस के अजय राय को 75614,बसपा के सीए विजय प्रकाश को 60579 तथा सपा के कैलाश चौरसिया को 45291 मत मिले थे। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी को काशी के मतदाताओं ने प्रचंड बहुमत दिया। उन्हें कुल 6,74,664 मत मिले थे । समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी शालिनी यादव दूसरे नंबर पर रहीं ।

शालिनी यादव को 1,95,159 वोट मिले थे। शालिनी यादव अब भाजपा में शामिल हो चुकी हैं। 2019 में अजय राय लगातार तीसरी बार तीसरे नंबर पर रहे और उन्हें 1,52,548 वोट मिले थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दूसरी बार 4,79,505 मतों के अंतर से बड़ी जीत हासिल की थी। तब भी वाराणसी में लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण में मतदान हुआ था। प्रधानमंत्री मोदी ने 56.37 प्रतिशत मत हासिल किया था। पुलवामा हमले के बाद बालाकोट एयरस्ट्राइक से भाजपा की बढ़ती लोकप्रियता का इसमें बड़ा योगदान था।

सत्ता के शीर्ष दुर्ग के खिलाफ मेरी नैतिक जीतः अजय राय

वाराणसी। लोकसभा चुनाव में वाराणसी संसदीय सीट से इंडी गठबंधन के प्रत्याशी और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने मंगलवार को मतगणना के बाद मिली हार को सहर्ष स्वीकार किया है।भाजपा प्रत्याशी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भारी मतों के अंतर से मिलने वाली जीत की राह में पहाड़ बने अजय राय ने कहा कि सत्ता के शीर्ष दुर्ग के खिलाफ मेरी यह नैतिक जीत है। उन्होंने कहा कि सत्ता बल की धौंस और भारी धन बल के निवेश के मुकाबले काशी की महान जनता ने विपुल जन समर्थन का जितना आशीर्वाद मुझे दिया है,उसका मैं जीवन की अंतिम सांस तक ऋणी रहूंगा। मेरा जीवन काशी की सेवा को सतत समर्पित रहेगा। उन्होंने कहा कि काशी ने मुझे जिस तरह दस लाख पार के दंभी नारे को औंधे मुंह कर भारी जनसमर्थन दिया, वह मेरी हार में भी जीत है।

मैं और इंडी गठबंधन दलों के हमारे साथी इस लोकतांत्रिक युद्ध में निहत्थे पैदल थे। दूसरी ओर सत्ता की चकाचौंध एवं संसाधनों का सैलाब था। मंत्रियों से लेकर राज्यपालों तक की फौज मेरे खिलाफ काशी में घर-घर घूम रही थी। धन एवं सत्ता शक्ति के जबर्दस्त निवेश के बावजूद संकीर्ण जीत पाने में शीर्ष सत्ता नायक के दांत काशी की जनता ने खट्टे कर दिये। इंडी दलों के जांबाज कार्यकर्ता साथियों के साथ वाराणसी की जनता ने मेरा चुनाव खुद को ही अजय राय मानकर लड़ा। उनके इस विश्वास का मैं ऋणी हूं और हर सुख दुःख में उनके साथ खड़ा रहूंगा। उन्होंने कहा कि हम मां गंगा की विनम्र संतान हैं और इस चुनाव में मां गंगा का संकेत साफ है कि काशी के सम्मान और हितों के विरुद्ध राजनीति काशी को गंवारा नहीं। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में मैं उत्तर प्रदेश में मिली कांग्रेस एवं सपा की जीत के साथ इंडी गठबंधन की भारी सफलता से अभिभूत हूं एवं प्रदेश की जनता का हृदय से आभारी हूं।

उत्तर प्रदेश की जनता ने चार लाख मतों से राहुल गांधी को जिता कर और भारी अपव्यय के बाद भी नरेंद्र मोदी को डेढ़ लाख से कम वोटों से जीतने में पसीने छुड़ा कर यह सिद्ध कर दिया कि भारत मां की अपूर्व प्रदक्षिणा करने वाले राहुल गांधी नरेंद्र मोदी से बहुत बड़े जननायक हैं। अयोध्या की भाजपा की हार ने साबित कर दिया कि धार्मिक भावनाओं का राजनीतिक इस्तेमाल लोकतंत्र को अमान्य है।

अमेठी लोकसभा क्षेत्र से स्मृति ईरानी हारीं, कांग्रेस के किशोरी लाल शर्मा जीते

अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार किशोरी लाल शर्मा चुनाव जीत गए हैं। शर्मा ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा की स्मृति ईरानी को 1,67,196 मतों के अंतर से हराया। चुनाव आयोग के मुताबिक कांग्रेस प्रत्याशी किशोरी लाल शर्मा को 5,39,228 और भाजपा की स्मृति ईरानी को 3,72,032 मत मिले। बहुजन समाज पार्टी के नन्हे सिंह चौहान 34,534 मतों के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र से डिंपल यादव जीतीं

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी की उम्मीदवार डिंपल यादव चुनाव जीत गई हैं। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार जयवीर सिंह को 2,21,639 मतों के अंतर से हराया। डिंपल को कुल 5,98,526 और जयवीर सिंह को 3,76,887 मत मिले।

नगीना से भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर आजाद जीते, मिला प्रमाणपत्र

लखनऊ। लोकसभा चुनाव 2024 में उत्तर प्रदेश में बड़ा सियासी उलटफेर चुनाव परिणाम सामने आया है। यहां पर समाजवादी पार्टी(सपा) लोकसभा चुनाव में लीड रोल में उभर कर आई है। इस उलटफेर के बीच पश्चिम की नगीना सीट पर नतीजे ने चौकाया है। इस सीट पर भारतीय जनता पार्टी को मात देते हुए भीम आर्मी चीफ चन्द्रशेखर आजाद रावण ने जीत दर्ज की है। नगीना सीट पर भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर लोकसभा 2024 के चुनाव मैदान में उतरे थे। इस सीट से पहली बार सक्रिय राजनीति में उतरे चन्द्रशेखर के लिए चुनावी राह आसान नहीं थी। यह इसलिए कि चुनाव में उन्हें विपक्षी गठबंधन में जगह नहीं मिली थी और वह अकेले की चुनाव लड़ रहे थे। सत्ता दल भाजपा ने ओम प्रकाश को प्रत्याशी बनाया था। वहीं सपा के मनोज कुमार को टिकट दिया था। इस तरह से नगीना लोकसभा सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला चुनाव में था। लेकिन इस त्रिकोणीय तिलस्म को तोड़ने और जीत दर्ज करने में चन्द्रशेखर कामयाब रहे और उन्होंने 151473 मतों से निकटम प्रतिद्विदी भाजपा उम्मीदवार ओम प्रकाश को मात दी है। जबकि सपा के मनोज कुमार तीसरे नम्बर पर रहे। पहली बार चुनाव मैदान में उतरकर चन्द्रशेखर आजाद रावण ने डेढ़ लाख से अधिक मतों की जीत दर्ज करने पर भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं को भारी उत्साह है।

प्रियंका का संदेश, किशोरी भैया मुझे शुरू से यक़ीन था कि आप जीतोगे

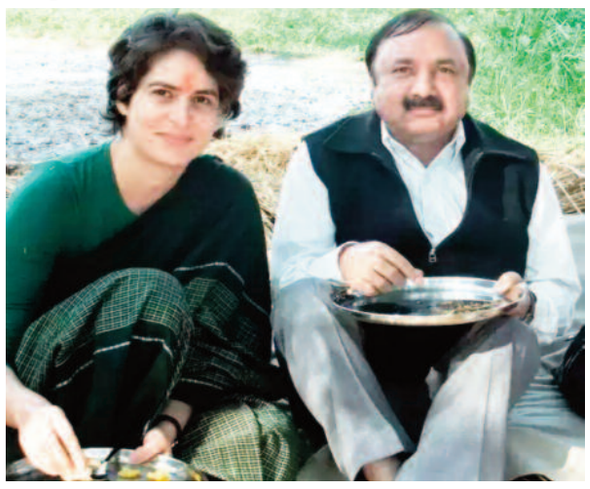

अमेठी। उत्तर प्रदेश की हॉट सीटों में शुमार अमेठी लोकसभा सीट पर कांग्रेस के प्रत्याशी किशोरी लाल शर्मा के पक्ष में जनता की हवा चली है। इस सीट पर कांग्रेस की रणनीति छह से अधिक घंटों की मतगणना के बाद उनकी जीत की ओर बढ़ती दिख रही है। वहीं भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी और केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी भारी अंतर से पीछे हैं।

लगातार बढ़त को देखते हुए प्रियंका वाड्रा ने पार्टी प्रत्याशी के लिए संदेश दिया है। अमेठी में भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी स्मृति ईरानी कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी किशोरी लाल शर्मा से सवा लाख से अधिक मतों से पीछे चल रही हैं। इतने भारी मतों से आगे निकलने पर प्रियंका गांधी वाड्रा ने पार्टी प्रत्याशी किशोरी लाल शर्मा के लिए सोशल मीडिया पर संदेश दिया है। उन्होंने लिखा कि किशोरी भैया, मुझे कभी कोई शक नहीं था, मुझे शुरू से यक़ीन था कि आप जीतोगे। आपको और अमेठी के मेरे प्यारे भाइयों और बहनों को हार्दिक बधाई।

इस संदेश के बाद अमेठी में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं में गजब का उत्साह है। वहीं लगातार भाजपा उम्मीदवार स्मृति ईरानी के पीछे चलने के चलते कार्यकर्ता निराश हैं। इस बीच कांग्रेस प्रत्याशी किशोरी लाल शर्मा भी मतगणना स्थल पहुंच गए हैं और कार्यकर्ताओं द्वारा उन्हें बधाई दी जा रही है। बता दें कि कांग्रेस प्रत्याशी एक लाख से अधिक मतों की बढ़त भाजपा प्रत्याशी से लिए हुए हैं।

राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह को हराया

रायबरेली। लोक सभा सीट रायबरेली से कांग्रेस प्रत्याशी राहुल गांधी की बम्पर जीत हुई है। उन्होंने करीब 3 लाख 90 हजार वोटों से अपने प्रतिद्वंद्वी भाजपा के दिनेश प्रताप सिंह को हराया है। रायबरेली से राहुल गांधी की इस जीत के साथ ही गांधी परिवार की तीसरी पीढ़ी का रायबरेली से संसदीय पारी की शुरुआत हो गई। दादा फ़रीज,दादी इंदिरा गांधी, सोनिया गांधी के बाद राहुल रायबरेली से सांसद निर्वाचित हुए हैं।

मंगलवार शाम आये परिणाम में कांग्रेस प्रत्याशी राहुल गांधी को कुल 687649 वोट मिले हैं, जबकि भाजपा के दिनेश प्रताप सिंह को 297619 वोट,बसपा के ठाकुर प्रसाद यादव को 21624 वोट मिले हैं। चौथे नम्बर पर अखिल भारतीय अपना दल के दिलीप सिंह को 8678 वोट मिले हैं। नोटा को 7822 वोट के साथ पांचवां स्थान

मिला है। निर्दलीय होरीलाल को 5399,भारतीय पंचशील पार्टी के सुदर्शन राम को 4345,मानवतावादी समाज पार्टी के हिन्द रोहिताश्व को 3859,अपना दल(कमेरवादी) के मो मोबीन को 2174 वोट मिले हैं।जिला निर्वाचन अधिकारी हर्षिता माथुर ने कांग्रेस नेताओं को जीत का प्रमाणपत्र दिया। उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी 2004,2009,2014 में अमेठी से सांसद चुने गए। 2019 में अमेठी से उनकी हार हुई। हालांकि वायनाड से चुनकर वह संसद पहुंच गए। राहुल गृह, विदेश व मानव संसाधन मंत्रालय की संसदीय समितियों के सदस्य भी रहे हैं। 19 जून 1970 को जन्मे राहुल गांधी ने अपनी शुरुआती पढ़ाई दिल्ली और देहरादून से की। इसके बाद उन्होंने अमेरिका के हावर्ड,कैमब्रिज और ट्रिनिटी विश्वविद्यालय से अपनी पढ़ाई पूरी की।

राहुल गांधी देश के सबसे मजबूत राजनीतिक परिवार से आते हैं और राजनीति उन्हें विरासत में मिली। 2017 में उन्हें कांग्रेस पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया। इसके पहले वह पार्टी के कई महत्वपूर्ण पदों पर भी रहे। वह कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव, उपाध्यक्ष, युवक कांग्रेस व एनएसयूआई के राष्ट्रीय प्रभारी भी रहे हैं। 2019 में कांग्रेस की हार की जिम्मेदारी लेते हुए उन्होंने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से अपना इस्तीफ़ा दे दिया था।

साक्षी महाराज ने लगाई जीत की हैट्रिक

उन्नाव। उन्नाव संसदीय सीट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार स्वामी सच्चिदानंद हरि साक्षी महाराज ने जीत की हैट्रिक लगाई है। उन्होंने इंडिया गठबंधन से सपा उम्मीदवार अन्नू टंडन को हराया है। साक्षी महाराज को 6,07,990 वोट मिले, जबकि इंडी गठबंधन को 5,70,656 वोट मिला है।

37,334 वोट मिला हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने साक्षी महाराज को जीत का प्रमाण पत्र सौंपा है। उल्लेखनीय है कि 2014 और 2019 के चुनाव में साक्षी महाराज ने भाजपा की टिकट पर यहां जीत का कमल खिलाया। 2014 में साक्षी महाराज ने समाजवादी पार्टी (सपा) के अरुण शंकर शुक्ला को 3 लाख से ज्यादा वोटों के अंतर से हराया।

वहीं 2019 में साक्षी महाराज दूसरी बार भाजपा की टिकट पर मैदान में उतरे। इस चुनाव में साक्षी महाराज ने सपा के साक्षी महाराज को 4 लाख से ज्यादा मतों के अंतर से जीत दर्ज की थी। 2024 के चुनाव में तीसरी बार भाजपा ने साक्षी महाराज पर विश्वास व्यक्त कर, उन्हें मैदान में उतारा था।

न्यूरो सर्जन के रिक्त 18 पदों में से मात्र 6 अभ्यर्थी सफल

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, प्रयागराज ने मंगलवार सायं चिकित्साधिकारी ग्रेड 2 न्यूरो सर्जन के कुल 18 पदों का परिणाम घोषित कर दिया है। जिसमें मात्र छह अभ्यर्थी सफल घोषित हुए हैं। आयोग के संयुक्त सचिव विनोद कुमार सिंह ने बताया कि रिक्त 18 पदों के लिए बीते 30 मई को साक्षात्कार हुआ था। जिसमें मात्र छह अभ्यर्थियों को श्रेष्ठता क्रमानुसार सफल घोषित किया गया है। परिणाम आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

संयुक्त सचिव ने बताया कि अनारक्षित के अवशेष 4 पद, ओबीसी के 4 पद, अनु. जाति के 3 पद एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आरक्षित 01 पद नहीं भरे जा सके। जिसे नियमानुसार कार्यवाही किये जाने की संस्तुति की गयी है।

चयनित अभ्यर्थियों में रूपेश कुंजबिहारी सिंह, उद्भव बंसल, मो. अमीर, बृजेश कुमार मिश्र, शशी शेखर सिंह एवं गौरव श्रीवास्तव हैं। उक्त चयन परिणाम जिनके नाम के आगे पीआरओवी अंकित है, उसका चयन औपबंधिक हुआ है तथा वांछित अभिलेख प्रस्तुत करने तक औपबंधिक रहेगा।

आकाशीय बिजली गिरने से मामा-भांजे की मौत

सिद्धार्थनगर। जनपद में सदर थाना क्षेत्रांर्गत एक गांव के बगीचे में भैंस चरा रहे मामा-भांजे की आकाशीय बिजली के चपेट में आने से मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और जिला प्रशासन ने मामले की जांच की। ग्राम पंचायत गनेरा के देउरा जंगल निवासी साजन (50) अपने भांजे सलिल यादव (17) को लेकर भैंस चराने के लिए गये थे। बृजहावा बगीचे में भैंस चर रही थी और मामा-भांजे दोनों खेल रहे थे। इसी दौरान अचानक आंधी के साथ पानी गिरना शुरू हो गया। वह लोग जान बचाने के लिए पेड़ की आड़ में खड़े हो गये। इसी दौरान आकाशीय बिजली गिरी, जिसकी चपेट में आने से दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी पर पहुंचे परिजनों को यह विश्वास नहीं था कि दोनों की मौत हो गयी है और शवों को लेकर अस्पताल पहुंच गये। डॉक्टरों ने देखते ही उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस संबंध में जिलाधिकारी पवन अग्रवाल ने बताया कि, आकाशीय बिजली की चपेट में आकर मामा-भांजे की मौत हो गई है। जिला प्रशासन के अधिकारियों को मौके पर भेजा गया था। शीघ्र मृतक के परिजनों को नियमानुसार सरकारी सहायता मुहैया करायी जाएगी।

फतेहपुर से केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति हारीं, सपा प्रत्याशी नरेश उत्तम पटेल जीते

फतेहपुर। समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार नरेश उत्तम पटेल ने केंद्रीय राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति को 34,034 मतों से हराकर एक ऐतिहासिक जीत हासिल की है। फतेहपुर लोकसभा सीट पर सपा प्रत्याशी नरेश उत्तम पटेल को 4,97,887 मत मिले, जबकि भाजपा उम्मीदवार केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति 4,63,853 मत के साथ दूसरे स्थान पर रही। नरेश उत्तम पटेल ने 34,034 मतों से विजयी हासिल की। वहीं, बसपा प्रत्याशी मनीष सचान 90,656 मत के साथ तीसरे स्थान पर रहे। निर्दलीय प्रत्याशी वीरेन्द्र सिंह 7,871 मत पाकर चौथा स्थान हासिल किया। कुल 11,00,640 मत पडे. हैं। उल्लेखनीय है कि मंगलवार की सुबह आठ बजे के बाद देर से मतगणना प्रारंभ हुई।

केन्द्रीय मंत्री महेन्द्रनाथ की हार, सपा के वीरेन्द्र सिंह जीते

चंदौली। लोकसभा चुनाव में मंगलवार को हुए मतगणना में चंदौली लोकसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी केन्द्रीय मंत्री डॉ.महेन्द्रनाथ पांडेय को इंडी गठबंधन के प्रत्याशी वीरेंद्र सिंह ने हार का स्वाद चखा दिया है। मतगणना के शुरूआती चरण से ही कांटे की टक्कर के बीच महेन्द्रनाथ पांडेय बीस पड़ते रहे तो कभी वीरेन्द्र सिंह। सांस रोक देने वाले इस सियासी मुकाबले में आखिरकार वीरेन्द्र सिंह ने महेन्द्रनाथ पांडेय को पटखनी दे दी। मतगणना के अन्तिम चक्र में इंडी गठबंधन के प्रत्याशी वीरेन्द्र सिंह 22342 मतों से विजयी घोषित हुए। मतगणना में शुरुआती रूझान में जो मुकाबला कांटे का लग रहा था, वह जाकर 19वें राउंड के बाद साफ होने लगा और 25वें राउंड की गिनती के बाद वीरेंद्र सिंह ने भाजपा प्रत्याशी से बढ़त बना ली और ये अंत तक बरकरार रही।

विधानसभा की चार सीटों पर हुए उपचुनाव में भाजपा और सपा के खाते में दो-दो सीटें

लखनऊ। लोकसभा चुनाव के साथ ही उत्तर प्रदेश की चार विधान सभा सीटों पर उपचुनाव हुए हैं। इन सीटों की भी मतगणना हुई है। भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी बराबरी पर रही है।

जिन चार सीटों पर उपचुनाव हुए हैं उनमें दो पर समाजवादी पार्टी और दो पर प्रदेश की सत्ताधारी पार्टी भारतीय जनता पार्टी ने जीत दर्ज की है। लखनऊ पूर्वी विधान सभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार ओ.पी. श्रीवास्तव को जीत मिली है। उन्हें एक लाख 42 हजार 948 मत प्राप्त हुए हैं। कांग्रेस पार्टी के मुकेश सिंह चौहान को 89061 मत मिले हैं। मुकेश को लगभग 54 हजार मतों से पराजय मिली है। 2022 के विधान सभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को ही इस सीट पर जीत मिली थी। वहीं बलरामुपर की गैंसड़ी विधान सभा सीट पर समाजवादी पार्टी ने 2022 के आम चुनावों में जीत दर्ज की थी।

मंगलवार को मतगणना में भी समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार राकेश कुमार यादव को जीत मिली है। भारतीय जनता पार्टी के शैलेश कुमार सिंह शैलू लगभग नौ हजार मतों से पराजित हुए हैं। ददरौल विधान सभा उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी के अरविंद कुमार सिंह ने जीत दर्ज की है। अरविंद को एक लाख पांच हजार 972 मत प्राप्त हुए हैं।

वहीं दूसरे नंबर पर रहे समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार अवधेश कुमार वर्मा को 89 हजार मत मिले हैं। जबकि दुद्धी विधान सभा क्षेत्र में समाजवादी पार्टी के विजय सिंह ने तीन हजार मतों से जीत हासिल की है। विजय सिंह को 82787 वोट मिले हैं। जबकि भारतीय जनता पार्टी के श्रवन कुमार को 79579 मत प्राप्त हुए हैं। इस प्रकार भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी ने दो-दो सीटों पर जीत हासिल की है।

धर्मेंद्र यादव ने सांसद 'निरहुआ' को 1,61,035 मतों के अंतर से हराया

लखनऊ। उप्र की आजमगढ़ लोकसभा सीट पर समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार धर्मेंद्र यादव ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' को 1,61,035 मतों के अंतर से पराजित कर दिया। निर्वाचन आयोग के अनुसार यादव को 5,08,239 मत मिले, जबकि भाजपा के मौजूदा सांसद निरहुआ को 3,47,204 मत मिले।

बसपा उम्मीदवार मोहम्मद सबीह अंसारी को इस सीट पर 1,79839 मत मिले और वह तीसरे स्थान पर रहे। वर्ष 2019 के चुनाव में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भोजपुरी फिल्मों के अभिनेता 'निरहुआ' से 2,59,874 मतों के अंतर से सीट जीती थी।

वर्ष 2022 में अखिलेश ने करहल सीट से विधानसभा चुनाव जीतने के बाद सीट छोड़ दी और उपचुनाव में धर्मेंद्र यादव भाजपा के 'निरहुआ' से हार गए। उपचुनाव में निरहुआ ने 8,769 मतों के अंतर से जीत हासिल की। 2009 में यह सीट भाजपा के रमाकांत यादव ने जीती थी, जबकि 2014 में सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव ने यह सीट जीती थी।

भारतीय जनता पार्टी को स्पष्ट बहुमत न मिलता देख औंधे मुंह गिरा बाजार

सेंसेक्स और निफ्टी छह प्रतिशत टूटे

मुंबई। आम चुनाव के रुझानों में सत्तारूढ़ भाजपा के बहुमत से दूर रहने के संकेत मिलने के बाद मंगलवार को शेयर बाजार में भारी गिरावट हुई। इस दौरान प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी लगभग छह प्रतिशत टूट गए। यह किसी एक दिन में पिछले चार साल की सबसे बड़ी गिरावट है। इससे पहले सोमवार को तीन प्रतिशत से अधिक की तेज बढ़त के बाद मंगलवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 4,389.73 अंक या 5.74 प्रतिशत फिसलकर दो महीने के निचले स्तर 72,079.05 अंक पर बंद हुआ।

दिन में कारोबार के दौरान सेंसेक्स 6,234.35 अंक या 8.15 प्रतिशत गिरकर लगभग पांच महीने के निचले स्तर 70,234.43 अंक पर आ गया था। इस दौरान नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 1,982.45 अंक या 8.52 प्रतिशत गिरकर 21,281.45 अंक पर आ गया। बाद में यह 1,379.40 अंक या 5.93 प्रतिशत के बड़े नुकसान के साथ 21,884.50 अंक पर बंद हुआ। इससे पहले 23 मार्च, 2020 को कोविड-19 महामारी के कारण लॉकडाउन लगाए जाने पर सेंसेक्स और निफ्टी में करीब 13 प्रतिशत की गिरावट हुई थी। पीएसयू, सार्वजनिक बैंकों, बिजली, ऊर्जा, तेल और गैस तथा पूंजीगत वस्तुओं के शेयरों में भारी मुनाफावसूली हुई। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''आम चुनाव के अप्रत्याशित नतीजों ने घरेलू बाजार में डर पैदा किया।

इस वजह से हाल में हुई भारी तेजी पलट गई। इसके बावजूद, बाजार ने भाजपा की अगुवाई वाले गठबंधन के भीतर स्थिरता की अपनी उम्मीद को बनाए रखा।'' उन्होंने कहा कि इससे सामाजिक अर्थशास्त्र पर ध्यान केंद्रित करने वाली राजनीति में बड़ा बदलाव होगा, जिसका ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। नरेन्द्र मोदी सरकार जब 16 मई, 2014 को सत्ता में आई थी, तब सेंसेक्स 261.14 अंक या 0.90 प्रतिशत बढ़कर 24,121.74 अंक पर बंद हुआ था। उस दिन निफ्टी 79.85 अंक या 1.12 प्रतिशत बढ़कर 7,203 अंक पर पहुंच गया था।

मोदी सरकार के दूसरी बार सत्ता में आने पर 23 मई, 2019 को सेंसेक्स 298.82 अंक या 0.76 प्रतिशत की गिरावट के साथ 38,811.39 अंक पर बंद हुआ था। इस दिन निफ्टी 80.85 अंक या 0.69 प्रतिशत की गिरावट के साथ 11,657.05 अंक पर बंद हुआ था। सेंसेक्स की कंपनियों में एनटीपीसी में सबसे अधिक करीब 15 प्रतिशत की गिरावट हुई। इसके अलावा एसबीआई में 14 प्रतिशत, एलएंडटी में 12 प्रतिशत और पावर ग्रिड में 12 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। टाटा स्टील, इंडसइंड बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और जेएसडब्ल्यू स्टील में भी उल्लेखनीय गिरावट हुई।

दूसरी ओर हिंदुस्तान यूनिलीवर में छह प्रतिशत और नेस्ले में तीन प्रतिशत की तेजी आई। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एशियन पेंट्स और सन फार्मा भी लाभ में रहे। एफएमसीजी को छोड़कर सभी क्षेत्रीय सूचकांक नुकसान के साथ बंद हुए। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 6,850.76 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.88 प्रतिशत गिरकर 76.89 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर आ गया।

45 पैसे टूटकर 83 .59 प्रति डॉलर पर पहुंचा रुपया

मुंबई। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को लोकसभा चुनाव में अपने दम पर बहुमत मिलने की संभावना कम होने से मंगलवार को शेयर बाजार में मचे हाहाकार के बीच रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 45 पैसे की भारी गिरावट के साथ 83.59 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर लुढ़क गया। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजार में भारी बिकवाली और प्रमुख विदेशी मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के मजबूत होने से निराशा और बढ़ गई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 83.25 पर कमजोरी के साथ खुला और कारोबार के दौरान डॉलर के मुकाबले रुपया 83.23 के ऊपरी और 83.59 के निचले स्तर के बीच झूलता रहा। कारोबार के अंत में रुपया डॉलर के मुकाबले 83.59 के भाव (अस्थायी) पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 45 पैसे की बड़ी गिरावट है। सोमवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.14 पर बंद हुआ था। हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनावों की मंगलवार को हुई मतगणना में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन के लिए परिणाम उतने उत्साहजनक नहीं रहे हैं। इसके अलावा भाजपा के अपने दम पर स्पष्ट बहुमत पाने की संभावना भी बहुत कम दिख रही है। इसका असर शेयर बाजार और विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार दोनों पर नजर आया। शेयरखान बाय बीएनपी पारिबा के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा, ''चुनाव परिणामों को लेकर अनिश्चितता पैदा होने के बीच घरेलू बाजारों में भारी गिरावट के कारण रुपये में बड़ी गिरावट आई। इसकी वजह से विदेशी निवेशकों ने भी कुछ बिकवाली की। अमेरिकी डॉलर निराशाजनक रोजगार आंकड़ों के कारण एक दिन पहले हुए नुकसान से उबर गया।'' दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के खिलाफ डॉलर की मजबूती को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 प्रतिशत बढ़कर 104.25 पर पहुंच गया। इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 1.88 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76.89 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। घरेलू शेयर बाजार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 4,389.73 अंक यानी 5.74 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 72,079.05 अंक पर आ गया। एनएसई निफ्टी भी 1,379.40 अंक यानी 5.93 प्रतिशत गिरकर 21,884.50 पर बंद हुआ। सोमवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 6,850.76 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध खरीदारी की थी।

शेयर बाजार का भविष्य नई सरकार की आर्थिक नीतियों से तय होगा

नई दिल्ली। आम चुनाव के नतीजों से सरकार के गठन को लेकर स्थिति स्पष्ट न होने के बीच बाजार जानकारों ने मंगलवार को कहा कि शेयर बाजार का भविष्य नई सरकार की आर्थिक नीतियों पर निर्भर करता है जिसमें जीडीपी वृद्धि, मुद्रास्फीति और वैश्विक परिस्थितियां जैसे कारकों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) चुनावी नतीजों के रुझानों में बहुमत से आगे दिख रहा है। लेकिन गठबंधन के सहयोगी दलों पर निर्भरता बढ़ने का असर सरकार की निर्णायक नीतियों पर पड़ने की संभावना को लेकर बाजार में चिंता नजर आने लगी है।

शेयर बाजार में भारी गिरावट ने इस आशंका पर मुहर भी लगाने का काम किया। बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों ही सूचकांक कारोबार के दौरान आठ प्रतिशत तक टूटने के बाद थोड़ा संभले लेकिन अंत में लगभग छह प्रतिशत के भारी नुकसान के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 4,389.73 अंक गिरकर 72,079.05 पर और निफ्टी 1,379.40 अंक गिरकर 21,884.50 पर बंद हुआ। हालांकि शनिवार को अंतिम चरण का मतदान होने के बाद विभिन्न समाचार चैनलों पर आए एग्जिट पोल में भाजपा की अगुवाई वाले राजग को भारी बहुमत मिलने की संभावना जताई गई थी। इस भविष्यवाणी से उत्साहित होकर शेयर बाजार ने सोमवार को करीब तीन प्रतिशत की उछाल दर्ज की थी। वास्तव में, विशेषज्ञों ने निवेशकों को वर्तमान में उच्च मूल्यांकन के कारण अस्थिरता के लिए तैयार रहने के लिए आगाह किया और विविध दृष्टिकोण अपनाने का सुझाव दिया। स्टॉक्सबॉक्स के शोध प्रमुख मनीष चौधरी ने कहा कि राजग सरकार के पिछले दो कार्यकालों की खासियत रहा सुधारवादी दृष्टिकोण इसके तीसरे कार्यकाल में पीछे रह सकता है।

इसकी वजह यह है कि भाजपा अपने दम पर बहुमत पाने की स्थिति में नहीं है और उसे सरकार चलाने के लिए अपने सहयोगी दलों पर निर्भर रहना होगा। अबान्स होल्डिंग्स में वरिष्ठ प्रबंधक (शोध एवं विश्लेषण) यशोवर्धन खेमका ने कहा कि गठबंधन सरकार होने से महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय लेने और मंत्रिमंडल में कुछ अहम पदों के लिए सहयोगियों पर निर्भरता बढ़ेगी, जिससे नीतिगत असमंजस और सरकार के कामकाज में अनिश्चितता पैदा होगी। खेमका ने कहा कि बाजार इस परिदृश्य से जुड़े जोखिम और सरकार द्वारा समाजवादी नीतियों की तरफ संभावित झुकाव के प्रभाव का आकलन कर रहे हैं, जिससे बाजार में बिकवाली हो सकती है।

समाशोधन निगम के स्वामित्व, आर्थिक ढांचे की समीक्षा के लिए समिति का गठन

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने समाशोधन निगमों के स्वामित्व और आर्थिक संरचना की समीक्षा के लिए एक समिति का गठन किया है। इस पहल का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि समाशोधन निगम को मजबूत, स्वतंत्र और तटस्थ जोखिम प्रबंधकों के रूप में कार्य करें।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की पूर्व डिप्टी गवर्नर उषा थोराट तदर्थ समिति की अध्यक्ष होंगी। यह निर्णय हाल के वर्षों में भारतीय प्रतिभूति बाजारों में उल्लेखनीय वृद्धि और केंद्रीय जोखिम प्रबंधन संस्थानों के रूप में समाशोधन निगम के महत्व को देखते हुए लिया गया है। सेबी ने मंगलवार को बयान में कहा कि समिति को स्वामित्व संरचना के साथ-साथ समाशोधन निगमों के वित्त की समीक्षा करने का काम सौंपा गया है। समिति स्वामित्व संरचना के संबंध में व्यवहार्यता की जांच करेगी।

साथ ही पात्र निवेशकों की सूची का विस्तार करेगी, जिन्हें एक समाशोधन निगम में हिस्सेदारी लेने की अनुमति है। इसके साथ उन निवेशकों की श्रेणियों का सुझाव देगी जो ऐसे निगमों में हिस्सेदारी हासिल कर सकते हैं। इसके अलावा, समिति समाशोधन निगम में विभिन्न इकाइयों की शेयरधारिता की सीमा को बदलने की जरूरत की भी जांच करेगी।

करदाताओं को रिफंड हासिल के लिए बैंक खाते को करना होगा सत्यापित

नई दिल्ली। आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने वाले करदाताओं के लिए काम की खबर है। इनकम टैक्स विभाग ने करदाताओं को रिफंड प्राप्त करने के लिए बैंक अकाउंट को सत्यापित करने की सलाह दी है। आयकर विभाग ने मंगलवार को 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में करदाताओं को रिफंड प्राप्त करने के लिए अपने बैंक खाते को सत्यापित करने हेतु एक अनुस्मारक जारी किया है। विभाग ने जिन करदाताओं के पास कोई वैध बैंक अकाउंट नहीं है, उन्हें ई-मेल और एसएमएस के माध्यम से सूचित भी किया है। विभाग ने करदाताओं से कहा कि ई-फाइलिंग पोर्टल पर अपने बैंक खाते की सत्यापन स्थिति की जांच

https:ncometax.gov.in/iec/foportal/ पर जाकर करें। आयकर विभाग ने बैंक अकाउंट का सत्यापन करने के लिए जानकारी दी है।

विभाग के अनुसार सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट https: ncometax. gov.in/iec/foportal/ पर जाएं।अपने खाते में लॉगिन करें। इसके बाद प्रोफाइल पर जाएं। बैंक खाता चुनें। बैंक खाता विवरण जैसे खाता संख्या, IFSC, खाता प्रकार आदि अपडेट करें। अंत में Validate पर क्लिक करें।

नया बैंक खाता जोड़ने के लिए सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट https:ncometax. gov.in /iec/foportal/पर जाएं। अपने खाते में लॉगिन करें। इसके बाद प्रोफाइल पर जाएं।माई बैंक अकाउंट पर क्लिक करें। इसके बाद बैंक खाता जोड़ें पर क्लिक करें। अंत में Validate पर क्लिक करें।

सोने में 450 रुपये का उछाल चांदी 200 रुपये हुई मजबूत

नई दिल्ली। वैश्विक बाजारों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में मजबूती के रुख के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोना 450 रुपये के उछाल के साथ 72,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर जा पहुंचा। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी है। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 72,450 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसके अतिरिक्त, चांदी की कीमत भी 200 रुपये बढ़कर 93,100 रुपये प्रति किलोग्राम हो गयी।

पिछले कारोबारी सत्र में यह 92,900 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक-जिंस सौमिल गांधी ने कहा कि दिल्ली के बाजारों में हाजिर सोने की कीमत (24 कैरेट) 72,900 रुपये प्रति 10 ग्राम रही, जो पिछले बंद भाव से 450 रुपये अधिक है।

विदेशी बाजारों में, कॉमेक्स में हाजिर सोना 2,335 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले बंद भाव से 15 डॉलर अधिक है। गांधी ने कहा कि मंगलवार को सोने में तेजी आई क्योंकि अमेरिका में विनिर्माण क्षेत्र के निराशाजनक आंकड़ों से उम्मीद जगी है कि फेडरल रिजर्व के पास इस साल उधारी लागत कम करने की गुंजाइश होगी। इसके अलावा चांदी की कीमत 30.25 डॉलर प्रति औंस हो गई। पिछले सत्र में यह 30.19 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुई थी।

केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस में पीएनबी बेचेगा 10 प्रतिशत हिस्सेदारी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने मंगलवार को कहा कि वह केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी के शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने के बाद अपनी 10 प्रतिशत हिस्सेदारी की बिक्री करेगा। फिलहाल इस जीवन बीमा कंपनी में पीएनबी के पास 23 प्रतिशत हिस्सेदारी है। पीएनबी के निदेशक मंडल को मंगलवार को हुई बैठक में केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी बिक्री की प्रक्रिया शुरू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। यह पीएनबी की एक सहयोगी कंपनी है जिसका हिस्सा आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये बेचा जाएगा। पीएनबी ने कहा कि हिस्सेदारी बिक्री का निर्णय नियामकीय अनुमोदन के अधीन होगा। सार्वजनिक क्षेत्र का केनरा बैंक और एचएसबीसी की केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस में प्रवर्तक हिस्सेदारी है। इन दोनों के पास क्रमशः 51 प्रतिशत एवं 26 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

आईएटीए ने जीएसटी शुल्क को लेकर विदेशी एयरलाइनों के खिलाफ जांच पर जतायी चिंता

दुबई। वैश्विक एयरलाइन समूह आईएटीए ने एक भारतीय एजेंसी द्वारा कुछ विदेशी एयरलाइनों पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) से संबंधित कुछ शुल्कों की जांच को लेकर मंगलवार को चिंता जाहिर की।

जीएसटी खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) ने भारत में परिचालन करने वाली कुछ विदेशी एयरलाइन के खिलाफ जांच शुरू कर है। आईएटीए के भारत के 'कंट्री डायरेक्टर' अमिताभ खोसला ने यहां कहा कि फिलहाल 10 विदेशी एयरलाइन के खिलाफ जांच की जा रही है और यह कदम 'अभूतपूर्व' है। उन्होंने

बताया कि आईएटीए ने इस मुद्दे पर भारत सरकार को एक विस्तृत प्रतिवेदन दिया है। एयरलाइनों को अक्टूबर 2023 से नोटिस मिले हैं। उत्तर एशिया एवं एशिया प्रशांत क्षेत्र (अंतरिम) के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष शी शिंगक्वान ने भी आईएटीए की वार्षिक आम बैठक के दौरान आयोजित 'ब्रीफिंग' में जीएसटी मुद्दे का उल्लेख किया। बयान में कहा गया कि भारत में एयरलाइन के शाखा कार्यालय विमान पट्टे, चालक दल और पायलट, ईंधन तथा रखरखाव लागत के लिए अनुबंध जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में कोई भूमिका नहीं निभाते हैं। भारत से आने-जाने वाले सभी परिचालनों का निर्णय, नियंत्रण और संचालन एयरलाइनों के मुख्य कार्यालयों द्वारा लिया जाता है। भारत में शाखा कार्यालयों को किसी भी रणनीतिक और/या परिचालन जोखिम तथा कार्यों के लिए जिम्मेदार ठहराना कानूनी रूप से सही नहीं है।

भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ते नागर विमानन बाजारों में से एक है। आईएटीए 330 से अधिक एयरलाइन का समूह है, जो वैश्विक हवाई यातायात का 80 % से अधिक हिस्सा संभालता है।

CBIC व्यापक आबकारी कानून लाएगा, हितधारकों से टिप्पणियां आमंत्रित की

नई दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने मंगलवार को केंद्रीय उत्पाद शुल्क विधेयक, 2024 के मसौदे पर टिप्पणियां आमंत्रित कीं। यह दशकों पुराने केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की जगह लेगा। वित्त मंत्रालय ने बयान में कहा कि विधेयक का मकसद कारोबारी सुगमता को बढ़ावा देने और पुराने तथा निरर्थक प्रावधानों को निरस्त करने के साथ ही एक व्यापक आधुनिक केंद्रीय उत्पाद शुल्क कानून बनाना है। विधेयक में 12 अध्याय, 114 धाराएं और दो अनुसूचियां शामिल हैं। सीबीआईसी ने 26 जून, 2024 तक केंद्रीय उत्पाद शुल्क विधेयक, 2024 के मसौदे पर हितधारकों से सुझाव मांगे हैं।

एयर कनाडा टोरंटो से मुंबई के लिए संचालित करेगी सीधी उड़ान सेवा

मुंबई। एयर कनाडा ने टोरंटो से मुंबई के लिए एक सीधी उड़ान सेवा और लंदन हीथ्रो होते हुए कैलगरी से दिल्ली के लिए उड़ान सेवा संचालित करने की मंगलवार को घोषणा की। इस विस्तार से कनाडा की एयरलाइनों की भारत से साप्ताहिक उड़ानों की संख्या 25 हो जाएगी।

एयरलाइन ने बयान में कहा, एयर कनाडा इन सर्दियों में कनाडा से भारत के लिए 25 साप्ताहिक उड़ानें संचालित करेगा, जिसमें प्रत्येक सप्ताह कुल 7,400 सीट उपलब्ध होंगी। इसमें टोरंटो से दिल्ली और मुंबई के लिए 11 साप्ताहिक उड़ानें, मॉन्ट्रियल से दिल्ली के लिए दैनिक उड़ानें और लंदन हीथ्रो होती हुई पश्चिमी कनाडा से दिल्ली के लिए दैनिक उड़ानें शामिल हैं।

एयर कनाडा के कार्यकारी उपाध्यक्ष (राजस्व व नेटवर्क योजना) मार्क गैलार्डो ने कहा कि भारत एयर कनाडा के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है, जो हमारे दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक तथा बढ़ते पारिवारिक व व्यापारिक संबंधों को दर्शाता है। हम दिवाली के त्यौहार के समय अपने केंद्रों पर मुंबई और दिल्ली तक अपने नेटवर्क का विस्तार करने को लेकर खुश हैं

अदाणी वन और आईसीआईसीआई बैंक ने लांच किया पहला को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड

अहमदाबाद। अदाणी वन और आईसीआईसीआई बैंक ने वीजा के साथ मिलकर भारत का पहला को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड लॉन्च किया है, जिसमें एयरपोर्ट से जुड़े खास फायदे मिलते हैं। यह कार्ड दो प्रकार के हैं, जिसमें अदाणी वन आईसीआईसीआई बैंक सिग्नेचर क्रेडिट कार्ड और अदाणी वन आईसीआईसीआई बैंक प्लेटिनम क्रेडिट कार्ड शामिल है। दोनों कार्ड आपको आकर्षक रिवार्ड्स भी देते हैं। ये कार्ड कई तरह के फायदे देते हैं, जो कार्ड होल्डर्स की लाइफस्टाइल को बेहतर बनाने और उनके एयरपोर्ट और ट्रेवल के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। ये कार्ड्स पूरे अदाणी ग्रुप के कंस्यूमर इकोसिस्टम पर खर्च करने पर 7% तक के अदाणी रिवॉर्ड पॉइंट्स देते करते हैं, जैसे कि अदाणी वन ऐप, जहां कोई भी फ्लाइट, होटल, ट्रेन, बस और कैब बुक कर सकता है।

अदाणी द्वारा प्रबंधित एयरपोर्ट्स,अदाणी सीएनजी पंप, अदाणी बिजली के बिल और ट्रेनमैन, जो एक ऑनलाइन ट्रेन बुकिंग प्लेटफॉर्म है। इन रिवॉर्ड्स की कोई सीमा नहीं है। ये कार्ड वेलकम बेनिफिट्स के रूप में कई तरह के फायदे भी देते हैं, जैसे फ्री एयर टिकट्स और एयरपोर्ट की सुविधाएं जैसे प्रीमियम लाउंज का उपयोग, प्रणाम मीट एंड ग्रीट सेवा, पोर्टर, वाहन सेवा और प्रीमियम कार पार्किंग। कार्ड यूजर्स को ड्यूटी फ्री दुकानों पर खरीदारी और एयरपोर्ट पर खाने-पीने पर छूट देते हैं साथ ही निःशुल्क मूवी टिकट और किराना

सामान, यूटिलिटीज और अंतरराष्ट्रीय खर्च पर अदाणी रिवॉर्ड पॉइंट्स जैसे लाभ भी मिलते हैं। यह रणनीतिक साझेदारी, अदाणी समूह का फाइनेंसियल सेक्टर में पहला कदम है।

अदाणी वन आईसीआईसीआई बैंक और वीजा के साथ मिलकर नए स्टैंडर्ड्स स्थापित करने का इरादा रखता है। लॉन्च इवेंट में अदाणी ग्रुप के डायरेक्टर, जीत अदाणी ने कहा, आईसीआईसीआई बैंक और वीज़ा के साथ ये अनूठी साझेदारी कस्टमर एक्सपीरियंस में एक नया बेंचमार्क स्थापित करेगी और इनोवेशन के साथ एक्सीलेंस के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करेगी। अदाणी वन आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट कार्ड एक आसान डिजिटल इकोसिस्टम का रास्ता है। अदाणी वन प्लेटफॉर्म का लाभ उठाकर, जो भौतिक व्यापारों को डिजिटल दुनिया में एकीकृत करता है, यूजर्स को अद्वितीय सुविधा और पहुंच का अनुभव मिलेगा। बैंक के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर राकेश झा ने कहा, हम मानते हैं कि कस्टमर 360&पर हमारा फोकस, हमारे डिजिटल प्रोडक्ट्स, प्रक्रियाओं में सुधार और सेवा वितरण के समर्थन से हमें ग्राहकों को एक सहज तरीके से समग्र समाधान प्रदान करने और प्रमुख क्षेत्रों में बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने में सक्षम बनाता है। अदाणी वन और वीजा के साथ को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड का लॉन्च इसी दर्शन के साथ जुड़ा हुआ है। इस लॉन्च के ज़रिए, हमारा इरादा अपने ग्राहकों को अदाणी समूह के पूरे उपभोक्ता जाल में (एयरपोर्ट, बिजली के बिल, ऑनलाइन शॉपिंग आदि) कई तरह के रिवार्ड्स और फायदे देना है। साथ ही, बैंक के क्रेडिट कार्ड कारोबार को और मजबूत बनाना है। वीज़ा इंडिया और दक्षिण एशिया के ग्रुप कंट्री मैनेजर संदीप घोष ने कहा, वीज़ा में, हम अदाणी समूह और आईसीआईसीआई बैंक के साथ साझेदारी करके रोमांचक को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड लाने के लिए खुश हैं, जो वीज़ा के विश्वसनीय नेटवर्क और दुनिया भर में स्वीकृति का लाभ उठाते हैं। ये कार्ड यात्रियों को एक शानदार यात्रा और खरीदारी का अनुभव प्रदान करते हैं। ऑनलाइन और ऑफलाइन, दोनों प्रकार से उनकी सुविधा और यात्रा के अनुभव को बढ़ाते हैं। हम भविष्य में इस तरह के और भी कई ऑफर लाने की तैयारी कर रहे हैं।

अदाणी वन आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट कार्ड के साथ आप खरीददारी के पहले कभी न मिलने वाला अनुभव कर सकते हैं। आइए हमारे साथ फाइनेंसियल एम्पावरमेंट के इस रोमांचक सफर में शामिल हों और कंस्यूमर फाइनेंस के भविष्य को फिर से परिभाषित करें। ग्राहक कार्ड के लिए वेबसाइट www.adanione.com पर आवेदन कर सकते हैं। अदाणी वन आईसीआईसीआई बैंक सिग्नेचर क्रेडिट कार्ड का वार्षिक शुल्क 5,000 रुपये है और जॉइनिंग के साथ आपको 9,000 रुपये के लाभ मिलते हैं, वहीं दूसरी तरफ अदाणी वन आईसीआईसीआई बैंक प्लेटिनम क्रेडिट कार्ड का वार्षिक शुल्क 750 रुपये है और जॉइनिंग के साथ आपको 5,000 रुपये के लाभ मिलते हैं।

नई सरकार से रियल एस्टेट क्षेत्र में नीतिगत सुधार की उम्मीद: बिल्डर

नई दिल्ली। जमीन-जायदाद के विकास से जुड़ी कंपनियों के संगठन नारेडको ने कहा कि नयी सरकार को रियल एस्टेट क्षेत्र में वृद्धि को लेकर नीतिगत सुधार करने के साथ आवास मांग को बढ़ावा देने के लिए मकान खरीदारों के साथ-साथ डेवलपर को कर प्रोत्साहन प्रदान करना चाहिए।

नेशनल रियल एस्टेट डेवलपमेंट काउंसिल (नारेडको) ने परियोजनाओं के विकास के लिए अनुमोदन प्राप्त करने की प्रक्रिया को सरल बनाने की भी मांग की। लोकसभा चुनाव 2024 के परिणामों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए नारेडको के राष्ट्रीय अध्यक्ष जी हरि बाबू ने कहा कि रियल एस्टेट क्षेत्र एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है, जिसमें वृद्धि की काफी संभावनाएं हैं, लेकिन कई बड़ी चुनौतियां भी हैं। 2030 तक 1000 अरब अमेरिकी डॉलर के बाजार आकार तक पहुंचने और 2047 तक शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उद्योग बनने के लिए हमें सरकारी समर्थन की आवश्यकता है।'' उन्होंने कहा कि

बढ़ती हुई आवास ऋण मासिक किस्त से निपटने के लिए प्रमुख नीतिगत सुधारों को लागू करना और स्थिरता प्रोत्साहन शुरू करना आवश्यक है। हरि बाबू ने कहा कि इसके अतिरिक्त वित्तीय सीमाओं को समायोजित करके तथा बिल्डर के लिए प्रोत्साहन प्रदान करके किफायती आवास को अधिक सुलभ बनाना विकास के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि रियल एस्टेट क्षेत्र खासकर किफायती आवासीय क्षेत्र में वृद्धि को प्रोत्साहित करने के लिए विशिष्ट नीतिगत सुधार आवश्यक हैं। हरि बाबू ने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि सरकार रियल एस्टेट क्षेत्र की वृद्धि और स्थिरता को समर्थन देने के लिए नीतिगत सुधार तथा प्रोत्साहन लागू करेगी। इन सुधारों में पर्यावरण अनुकूल निर्माण गतिविधियों के लिए वित्तीय प्रोत्साहन और किफायती आवास परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित करने वाले डेवलपर के लिए सब्सिडी या कर छूट शामिल हो सकते हैं।

उन्होंने कहा कि विनियामक बाधाओं को कम करने और अनुमोदन प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने से इस क्षेत्र के वृद्धि को और बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। सिग्नेचर ग्लोबल (इंडिया) के संस्थापक एवं चेयरमैन प्रदीप अग्रवाल ने कहा कि रियल एस्टेट क्षेत्र के साथ-साथ बुनियादी ढांचा क्षेत्र 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हमें विश्वास है कि नई सरकार मेट्रो तथा बड़े शहरों से परे बुनियादी ढांचे के विकास और रियल एस्टेट क्षेत्र पर अपना ध्यान केंद्रित करना जारी रखेगी, क्योंकि इनका अर्थव्यवस्था पर व्यापक प्रभाव पड़ता है।

आयरलैंड के खिलाफ 'मिशन विश्व कप' का आगाज करेगी टीम इंडिया

न्यूयॉर्क। आलोचक भले ही उन्हें 'नयी बोतल में पुरानी शराब' कहें लेकिन भारत के सुपरस्टार क्रिकेटर बरसों से आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीत पाने का मलाल मिटाने में कोई कोर कसर बाकी नहीं रखना चाहेंगे और अपने इस मिशन की शुरूआत टी20 विश्व कप में बुधवार को आयरलैंड के खिलाफ पहले मैच के जरिये करेंगे। भारतीय टीम में अभी भी कई अनसुलझे सवाल हैं मसलन यहां 'ड्रॉप इन' पिच पर टीम संयोजन क्या रहेगा। अभी तक यहां हुए मैचों से स्पष्ट है कि इंडियन प्रीमियर लीग की तरह यहां रनों का अंबार नहीं लगने जा रहा है।

उससे भी बड़ी चिंता खिताब के प्रबल दावेदार का ठप्पा है। रोहित शर्मा और विराट कोहली तो विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रह चुके हैं लेकिन जसप्रीत बुमराह और रविंद्र जडेजा जैसे 'दशकों में एक' माने जाने वाले क्रिकेटरों ने अभी तक खिताब नहीं जीता है और वे इसके लिये बेताब हैं। भारतीय क्रिकेट टीम 1982 और 1986 की ब्राजील फुटबॉल टीम की तरह नहीं बनना चाहती जब सुकरात, जिको, कारेका, फाल्काओ और अलेमाओ जैसे सितारे भी फीफा विश्व कप नहीं जीत सके थे। पिछले इसाल वनडे विश्व कप फाइनल के बाद नरेंद्र मोदी स्टेडियम के ड्रेसिंग रूम की सीढियां चढते हुए कप्तान रोहित शर्मा अपने आंसू नहीं छिपा सके थे। वहीं 765 रन बनाने वाले कोहली के चेहरे पर भी उदासी साफ देखी जा सकती थी। कई बार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी मिलकर सर्वश्रेष्ठ टीम नहीं बना पाते। भारत ने अपने अनुभवी खिलाड़ियों पर भरोसा जताया है लेकिन यह नहीं भूलना चाहिये कि यही टीम कई बार आखिरी दो तिलिस्म नहीं तोड़ सकी है। सैतीस बरस के रोहित का यह आखिरी विश्व कप है और यह लगभग तय है कि वह भारत में होने वाले अगले टी20 विश्व कप और दक्षिण अफ्रीका में 2027 में होने वाले 50 ओवरों के विश्व कप तक नहीं खेलेंगे।

दूसरी ओर आयरलैंड की टीम में पॉल स्टर्लिंग, जोश लिटिल, हैरी टेक्टर, एंडी बालबर्नी जैसे अच्छे टी20 क्रिकेटर हैं। नासाउ काउंटी मैदान की धीमी और औसत विकेट पर भारतीय टीम आयरलैंड के बायें हाथ के स्पिनर जॉर्ज डॉकरेल को कैसे खेलती है, यह देखना रोचक होगा। भारत को फायदा इस बात का है कि उसके पास आयरलैंड से बेहतर स्पिनर हैं हालांकि बुमराह के अलावा तेज गेंदबाजी आक्रमण थोड़ा कमजोर लग रहा है। कई बार बहुत ज्यादा विकल्प होना भी अच्छी स्थिति नहीं होती है और शीर्षक्रम पर भारत के साथ ऐसा ही हो रहा है। कप्तान रोहित और कोहली के लिये यशस्वी जायसवाल को बाहर रहना पड़ सकता है।

ऋषभ पंत ने अभ्यास मैच में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी की और हार्दिक पंड्या ने अच्छी गेंदबाजी की। पंड्या ने अभ्यास सत्र में कोहली, सूर्यकुमार यादव और रोहित को अच्छी खासी गेंदबाजी की। वह प्रतिदिन तीन ओवर भी डाल पाते हैं तो भारतीय टीम में शिवम दुबे और एक अतिरिक्त स्पिनर को उतारा जा सकता है। आयरलैंड को कमजोर नहीं आंका जा सकता जिसने विश्व कप से पहले पाकिस्तान को उसकी धरती पर हराया। लिटिल को गुजरात टाइटंस के लिये आईपीएल खेलने का अनुभव भी है।

इस प्रकार है दोनों टीम

भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

आयरलैंड: पॉल स्टर्लिंग (कप्तान), मार्क अडायर, रॉस अडायर, एंड्रयू बालबर्नी, कर्टिस कैंपर, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, ग्राहम ह्यूम, जोश लिटिल, बैरी मैकार्थी, नील रॉक, हैरी टेक्टर, लोरकन टकर, बेन व्हाइट, क्रेग यंग

विराट कोहली पारी की शुरूआत करें, तीसरे नंबर पर उतरे यशस्वी: सुनील गावस्कर

न्यूयॉर्क। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर का मानना है कि आयरलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप के पहले मैच में विराट कोहली को कप्तान रोहित शर्मा के साथ भारत के लिये पारी का आगाज करना चाहिये जबकि यशस्वी जायसवाल को तीसरे नंबर पर उतरना चाहिये। टी20 विश्व कप में कोहली के बल्लेबाजी क्रम को लेकर काफी चर्चा हो रही है। वह लंबे समय से सीमित ओवरों में तीसरे नंबर पर उतरते आये हैं। आईपीएल में भी उनका प्रदर्शन शानदार रहा जिसमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के लिये उन्होंने 15 मैचों में 741 रन बनाये। गावस्कर ने स्टार स्पोर्टर्स से कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली को पारी का आगाज करना चाहिये। यशस्वी जायसवाल को तीसरे नंबर पर उतरना चाहिये। उन्होंने कहा कि चौथे नंबर पर सूर्यकुमार यादव, पांचवें नंबर पर ऋषभ पंत और छठे नंबर पर हार्दिक पंड्या को उतरना चाहिये। सातवें नंबर पर रविंद्र जडेजा और आठवें नंबर पर शिवम दुबे, नौवे नंबर पर कुलदीप यादव, दसवें पर जसप्रीत बुमराह और 11वें पर मोहम्मद सिराज।

नॉर्वे शतरंज: प्रज्ञानानंद ने विश्व चैंपियन डिंग लिरेन को हराया

स्टावेंजर। आर प्रज्ञानानंद ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में विश्व चैंपियन डिंग लिरेन को हराकर अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा। प्रज्ञानानंद इससे पहले इस प्रतियोगिता में मैग्नस कार्लसन और फैबियानो कारूआना सहित उच्च रैंकिंग वाले खिलाड़ियों को हरा चुके हैं। डिंग लिरेन आर्मगेडन गेम में हार गए, जिससे युवा भारतीय प्रतिभावान खिलाड़ी ने पारंपरिक खेल में ड्रॉ के बावजूद एक और हाई-प्रोफाइल जीत हासिल की।

प्रज्ञानानंद ने हाल ही में मैग्नस कार्लसन और फैबियानो कारूआना को लगातार दो बार हराकर सुर्खियां बटोरी हैं। हिकारू नाकामुरा एक और रोमांचक मुकाबले में टूर्नामेंट लीडर मैग्नस कार्लसन के करीब पहुंच गए। नाकामुरा ने समय पर आर्मगेडन थ्रिलर जीत लिया, जिससे कार्लसन से उनका अंतर केवल आधा अंक रह गया। हाल ही में शानदार सफलता के लिए प्रज्ञानानंद की काफी सराहना की गई है। अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी ने क्लासिकल शतरंज में दुनिया के नंबर एक मैग्नस कार्लसन पर शानदार जीत के बाद प्रज्ञानानंद की सराहना की, जबकि महिंद्रा समूह के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने भी उनकी जमकर तारीफ की।

इससे पहले, फिडे विश्व कप में अपनी जीत के बाद, प्रज्ञानानंद की प्रशंसा पूर्व विश्व चैंपियन और शतरंज आइकन गैरी कास्पारोव ने की थी, जिन्होंने कहा था कि प्रज्ञानानंद कठिन परिस्थितियों में भी बहुत दृढ़ रहे हैं।

ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी फिडे रेटिंग में विश्व में शीर्ष पांच में शामिल

नई दिल्ली। ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी ने फ्रेंच टीम शतरंज चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करके फिडे रेटिंग में पांचवां स्थान हासिल कर लिया और लाइव रेटिंग में वह सर्वोच्च रैंकिंग वाले भारतीय हैं। अर्जुन के ईएलओ रेटिंग अंक 2769.7 हैं और उन्होंने इसमें 8.7 अंक का इजाफा किया है। उनसे आगे नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन, अमेरिका के हिकारू नकामूरा और फेबियानो कारूआना और रूस के इयान नेपोम्नियाश्चि हैं। वह इस सप्ताह लाइव रेटिंग में 2771.2 अंक तक पहुंचे और विश्वनाथन आनंद के बाद यहां तक पहुंचने वाले दूसरे भारतीय हैं। मेट्ज फिशर शतरंज क्लब के लिये खेलने वाले एरिगेसी ने पांच में से चार मैच जीते। उन्होंने हमवतन पी हरिकृष्णा और जर्मनी के विताली कुनिन को हराया। टूर्नामेंट के दो दौर अभी बाकी हैं।

इंडोनेशिया ओपन 2024

लक्ष्य सेन, सुमीत-सिक्की की जोड़ी दूसरे दौर में

जकार्ता। स्टार भारतीय शटलर लक्ष्य सेन ने मंगलवार को यहां जापान के कांता सुनेयामा पर सीधे गेम में जीत के साथ इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के पुरुष एकल के दूसरे दौर में प्रवेश किया। सेन ने शुरुआती दौर के मुकाबले में सुनेयामा को 21-12, 21-17 से शिकस्त दी, यह मुकाबला 40 मिनट तक चला। फ्रेंच ओपन और ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में लगातार सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले सेन का अगला मुकाबला इंडोनेशिया के सातवें वरीय एंथनी सिनिसुका गिंटिंग और जापान के केंटा निशिमोटो के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। हालांकि, किरण जॉर्ज पुरुष एकल स्पर्धा से बाहर हो गए, किरण को चीनी खिलाड़ी हांग यांग वेंग ने 11-21, 21-10, 22-20 से शिकस्त दी। मिश्रित युगल में बी सुमित रेड्डी और सिक्की रेड्डी की भारतीय जोड़ी ने पहले दौर में विंसन चियू और जेनी गाई की अमेरिकी जोड़ी को 18-21, 21-16, 21-17 से हराया। अगले दौर में भारतीय जोड़ी का सामना चीन की शीर्ष वरीयता प्राप्त सी वेई झेंग और या कियोंग हुआंग तथा इंडोनेशिया की रेहान नौफल कुशारजंतो और लिसा आयु कुसुमावती की जोड़ी के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

आईसीसी टी20 विश्व कप: फजलहक फारूकी ने झटके पांच विकेट

अफगानिस्तान ने युगांडा को 125 रन से हराया

जॉर्जटाउन। फजलहक फारूकी के पांच विकेट की बदौलत अफगानिस्तान ने मंगलवार को प्रोविडेंस स्टेडियम में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के ग्रुप सी मैच में पदार्पण कर रहे युगांडा को 125 रनों से करारी शिकस्त दी। डेथ ओवरों में युगांडा के गेंदबाजों की वापसी के बावजूद, इब्राहिम जादरान (46 गेंदों पर 70 रन) और रहमानुल्लाह गुरबाज (42 गेंदों पर 76 रन) के बीच 154 रनों की शानदार ओपनिंग साझेदारी की बदौलत अफगानिस्तान ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 183 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया।

विशाल स्कोर का बचाव करते हुए, फारूकी ने अपनी शानदार गेंदबाजी से जीत की नींव रखी, उन्होंने 9 रन देकर 5 लिए और युगांडा को 16 ओवरों में 58 रनों पर ढेर कर दिया और अपनी टीम के लिए बड़ी जीत दर्ज की। इस मैच में युगांडा के कप्तान ब्रायन मसाबा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। अफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाजों ने अनुकूल बल्लेबाजी परिस्थितियों और युगांडा की फील्डिंग में चूक का फायदा उठाया। गुरबाज और जादरान ने अफगानी टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों ने दबदबा बनाए रखा और गुरबाज ने नौवें ओवर में चार छक्कों और दो चौकों की मदद से अपना पहला टी20 विश्व कप अर्धशतक पूरा किया। अफगानिस्तान ने 10वें ओवर तक 100 रन का आंकड़ा पार कर लिया। 14वें ओवर में बिलाल शाह ने 25 रन दिये, जिसमें पांच नो-बॉल और पांच वाइड शामिल थे, जिससे अफगानी टीम का 14वें ओवर की समाप्ति पर स्कोर 150 के पार पहुंच गया। कप्तान मसाबा ने इब्राहिम जादरान को आउट कर युगांडा के लिए पहला विकेट लिया और 154 रन की ओपनिंग साझेदारी को तोड़ा। जादरान ने 46 गेंदों पर 9 चौके और 1 छक्के की बदौलत 70 रन बनाए। अनुभवी गेंदबाज अल्पेश रामजानी और मसाबा ने अगले कुछ ओवरों में दो और विकेट चटकाए और अफगानिस्तान के रन गति को रोकने में सफलता हासिल की। युगांडा के गेंदबाजों ने डेथ ओवरों में अपना जलवा दिखाया और अंतिम चार ओवरों में 22 रन देकर मात्र तीन विकेट लिए। अफगानिस्तान ने 20 ओवरों में 5 विकेट पर 183 रन का स्कोर खड़ा किया। जादरान के अलावा गुरबाज ने 45 गेंदों पर 4 चौके और 4 छक्के की बदौलत 76 रन बनाए। युगांडा के लिए कोसमस केवूटा और मसाबा ने 2-2 व अल्पेश रामजानी ने 1 विकेट लिया। 184 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी युगांडा टीम की शुरुआत खराब रही और फारूकी ने लगातार दो गेंदों पर रौनक पटेल (4) और रोजर मुकासा (0) को पवेलियन भेज दिया। मुजीब उर रहमान ने साइमन सेजई को 4 रन पर आउट करके अफगानिस्तान को तीसरी सफलता दिलाई।

इसके बाद नवीन उल हक ने पांचवें ओवर में दिनेश नकरानी (06) और अल्पेश रामजानी (00) को पवेलियन भेज दिया। युगांडा ने केवल 18 रन पर अपने 5 विकेट खो दिये। यहां से रियाजत अली शाह (11) और रॉबिन्सन ओबुया (14) के बीच एक छोटी सी साझेदारी कर टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन फारूकी ने वापसी की और ओबुया और कप्तान ब्रायन मसाबा (00) को पवेलियन भेज युगांडा को बड़ी हार की ओर धकेल दिया। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने बाकी दो विकेट लेकर युगांडा की पारी को 58 रन पर समेट दिया। अफगानिस्तान की तरफ से फजलहक फारूकी ने 5 विकेट लिये, जबकि नवीन उल हक और कप्तान राशिद खान ने 2-2 व मुजीब उर रहमान ने 1 विकेट लिया।

नोवाक जोकोविच ने रिकॉर्ड 370वां ग्रैंडस्लैम मैच जीता

पेरिस। दाहिने घुटने के दर्द से जूझने के बावजूद नोवाक जोकोविच ने अपने से युवा प्रतिद्वंद्वी को साढे चार घंटे तक चले मुकाबले में पांच सेटों में हराकर फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। दूसरे सेट की शुरूआत में जोकोविच पीठ के बल लेट गए थे और लग रहा था कि उन्हें मुकाबला छोड़ना होगा लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए 23वीं रैंकिंग वाले फ्रांसिस्को सेरुंडोलो को 6.1, 5.7, 3.6, 7.5, 6.3 से हराया। अब उनका सामना सातवीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड से होगा। रूड ने 12वीं रैंकिंग वाले टेलर फ्रिट्ज को 7. 6, 3.6, 6.4, 6.2 से हराया। पिछले साल फ्रेंच ओपन फाइनल में जोकोविच ने रूड को हराया था। अन्य क्वार्टर फाइनल में एलेक्स डि मिनौर का सामना अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा। डि मिनौर ने 2021 अमेरिकी ओपन चैम्पियन दानिल मेदवेदेव को हराया था। वहीं ज्वेरेव ने होल्गर रूने को 4.6, 6.1, 5.7, 7.6, 6.2 से मात दी।

विश्व एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप के पहले संस्करण की मेजबानी करेगा बुडापेस्ट

नई दिल्ली। विश्व एथलेटिक्स ने विश्व एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप के शुभारंभ की घोषणा की, जिसका पहला संस्करण 11 से 13 सितंबर, 2026 तक बुडापेस्ट में आयोजित किया जाएगा। इस टूर्नामेंट में विश्व चैंपियन, ओलंपिक चैंपियन, वांडा डायमंड लीग विजेता और वर्ष के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले एथलीट एक दूसरे के खिलाफ़ प्रतिस्पर्धा करेंगे। इसमें प्रत्येक अनुशासन में दुनिया के शीर्ष रैंक वाले 8-16 एथलीट शामिल होंगे, जिनका चयन मुख्य रूप से विश्व रैंकिंग के आधार पर किया जाएगा। लगभग 70 देशों के 400 एथलीट प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार हैं।

द्विवार्षिक प्रतियोगिता में रिकॉर्ड-सेटिंग पुरस्कार राशि मिलियन अमेरिकी डॉलर होगी, जो ट्रैक और फील्ड एथलेटिक्स के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी पुरस्कार राशि है - जिसमें स्वर्ण पदक विजेताओं को 150,000 अमेरिकी डॉलर मिलेंगे। तीन शाम के सत्रों में होने वाली अल्टीमेट चैंपियनशिप, जिसमें प्रत्येक सत्र की अवधि तीन घंटे से कम होगी, में स्प्रिंट, मध्यम और लंबी दूरी की दौड़, रिले, जंप और थ्रो सहित एथलेटिक्स का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया जाएगा। वर्ल्ड एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन कोए ने एक आधिकारिक बयान में कहा, ₹केवल सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के प्रदर्शन और सीधे सेमीफाइनल और फाइनल में पहुंचने के साथ, हम अल्टीमेट चैंपियन का खिताब हासिल करने के इच्छुक एथलीटों पर तुरंत अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव बनाएंगे।₹ तीन दिवसीय कार्यक्रम में प्रत्येक शाम के सत्र में ट्रैक विषयों के लिए सेमीफाइनल और फाइनल तथा फील्ड विषयों के लिए सीधे फाइनल होंगे।

उन्होंने कहा कि विश्व एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप प्रशंसकों के लिए एक्शन और उत्साह से भरपूर होगी, जो ट्रैक और फील्ड इवेंट के लिए एक नया मानक स्थापित करेगी। एथलेटिक्स के सबसे बड़े सितारों की विशेषता वाला यह एक अवश्य देखा जाने वाला वैश्विक खेल आयोजन होगा और इसका मतलब है कि ट्रैक और फील्ड हर साल एक प्रमुख वैश्विक चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि पहली बार एथलेटिक्स को वार्षिक आधार पर अधिकतम दर्शकों की पहुंच का आनंद मिलेगा।

हंगरी के आईओसी सदस्य और विश्व चैंपियनशिप आयोजन समिति के पिछले सह-नेता बालाज़ फुरजेस ने कहा कि बुडापेस्ट को विश्व एथलेटिक्स अल्टीमेट चैम्पियनशिप के उद्घाटन मेजबान शहर बनने पर वास्तव में सम्मानित महसूस हो रहा है। 2023 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप, हाल ही में विश्व एक्वेटिक्स चैंपियनशिप, प्रमुख यूईएफए कार्यक्रम और कई अन्य की सफलतापूर्वक मेजबानी करने के बाद, बुडापेस्ट फिर से तैयार है।

म्यूनिख विश्व कप में ईशा सिंह छठे स्थान पर रही

म्यूनिख। निशानेबाज ईशा सिंह म्यूनिख में चल रहे आईएसएसएफ विश्व कप की महिला 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में छठे स्थान पर रहीं जिससे प्रतियोगिता में भारत का पहले पदक का इंतजार जारी रहा।

ईशा ने फाइनल में 20 अंक जुटाए। फ्रांस की कैमिली जेंद्रेवस्की ने स्वर्ण पदक जीता। कैमिली ने खिताब की दौड़ में जर्मनी की डोरीन वेनेकैंप को पछाड़ा। विजेता का फैसला करने के लिए दो शूट ऑफ का सहारा लेना पड़ा। दोनों निशानेबाज 10 सीरीज के बाद 40 अंक के साथ बराबर थीं। फाइनल्स की मौजूदा विश्व रिकॉर्ड धारक कोरिया की किम येजी 35 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

टूर्नामेंट में लगातार दूसरी स्पर्धा के फाइनल में भारतीय निशानेबाज छठे स्थान पर रहीं। इससे पहले सोमवार को रमिता ने भी महिला 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में छठा स्थान हासिल किया। चीन तालिका में तीन स्वर्ण पदक के साथ शीर्ष पर चल रहा है।

बोपन्ना ने पेरिस ओलंपिक के लिए बालाजी को अपना जोड़ीदार चुना

नई दिल्ली। दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने फ्रेंच ओपन में अपने प्रदर्शन से प्रभावित करने वाले एन श्रीराम बालाजी को पेरिस ओलंपिक के लिए अपना जोड़ीदार चुना है और अखिल भारतीय टेनिस महासंघ (एआईटीए) के इस अनुभवी खिलाड़ी की पसंद पर आपत्ति जताने की संभावना नहीं है।

बोपन्ना ने एआईटीए को ईमेल लिखकर अपने फैसले की जानकारी दी। इस ईमेल को टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) को भी भेजा गया है। एआईटीए ने भी इसकी पुष्टि की है। बालाजी और मैक्सिको के उनके जोड़ीदार एमए रेयेस-वारेला मार्टिनेज को सोमवार को फ्रेंच ओपन के पुरुष युगल के तीसरे दौर में बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन को कड़ी चुनौती देने के बावजूद हार का सामना करना पड़ा।

बालाजी ने अच्छी सर्विस करने के अलावा बेसलाइन और नेट पर अपने खेल से प्रभावित किया जिसके बाद बोपन्ना ने फैसला किया कि वह अगले महीने ओलंपिक पदक जीतने के अपने अंतिम अभियान के दौरान जब रोलां गैरो पर लौटेंगे तो कोयंबटूर का यह खिलाड़ी उनका जोड़ीदार होगा।

आईपीएल की सफलता के बाद टी20 में फॉर्म 'दशक में सर्वश्रेष्ठ': कमिंस

ब्रिजटाउन। आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग में सफलता के बाद वह टी20 विश्व कप में पिछले एक दशक में अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में है। कमिंस शनिवार को ब्रिजटाउन पहुंचे। उनकी कप्तानी में सनराइजर्स हैदराबाद आईपीएल में फाइनल तक पहुंची थी। कमिंस ने क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से कहा कि शायद मैं दस साल में अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में हूं।

आस्ट्रेलिया के टेस्ट और वनडे कप्तान कमिंस ने कभी वेस्टइंडीज में नहीं खेला है। उन्हें आईपीएल के अपने अनुभव के दम पर अच्छे प्रदर्शन का यकीन है। उन्होंने कहा कि हमने आईपीएल में लगातार 17 मैच खेले। टी20 क्रिकेट में दूसरे पारूपों की तुलना में सटीक यॉर्कर या धीमी गेंदों की अधिक जरूरत होती है और मैने इस प्रारूप में अच्छी गेंदबाजी की है। उन्होंने कहा कि टी20 गेंदबाजी में आपके गेंद डालने का सीक्वेंस सोचकर रखना अहम होता है।

आपको बहुत जल्दी पता चल जाता है कि क्या काम कर रहा है और क्या नहीं। पहले मैच में अगर काम नहीं करे तो आपको लगता है कि कभी काम नहीं करेगा लेकिन फिर धीरे धीरे काम करने लगता है। इस आत्मविश्वास के साथ यहां आना अच्छा है।

श्रीलंका के क्रिकेटरों ने की टी20 विश्व कप में अपने शेड्यूल की आलोचना

न्यूयॉर्क। श्रीलंका के कप्तान वानिंदु हसरंगा और स्पिनर महीष तीक्षणा ने टी20 विश्व कप में अपनी टीम के मैचों के शेड्यूल को लेकर नाराजगी जताते हुए कहा है कि यह काफी अनुचित है और लंबी यात्राओं के कारण उन्हें एक अभ्यास सत्र रद्द करना पड़ा है। श्रीलंका को ग्रुप डी के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका ने हराया। तीक्षणा ने अपनी टीम के मैचों के कार्यक्रम की आलोचना करते हुए कहा कि इसका टीम पर नकारात्मक असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि गलत है।

हमें हर मैच के बाद यात्रा करनी पड़ रही है क्योंकि हम चार अलग अलग मैदानों पर खेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने फ्लोरिडा से , मियामी से उड़ान ली और आठ घंटे हवाई अड्डे पर इंतजार करना पड़ा। हमें रात आठ बजे निकलना था लेकिन सुबह पांच बजे उड़ान ली। यह अनुचित है लेकिन खेलते समय यह मायने नहीं रखता। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका को दो और मैच यहां खेलना है जबकि भारतीय टीम तीन मैच यहां खेलेगी। तीक्षणा ने कहा कि होटल से अभ्यास स्थल भी एक घंटे 40 मिनट का रास्ता है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच से पहले भी हमें सुबह पांच बजे उठना पड़ा। उन्होंने कहा कि मैं नाम नहीं लूंगा लेकिन कुछ टीमें एक ही जगह पर खेल रही है और उन्हें हालात की जानकारी है। वे अभ्यास मैच भी यहीं खेल रहे हैं। हमने अभ्यास मैच फ्लोरिडा में खेला है और तीसरा मैच भी वही है। इस बारे में अगली बार विचार करना होगा क्योंकि अब तो कुछ नहीं हो सकता।

महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद महाराज ने लगाया हिन्दी खबर पर छवि बिगाड़ने का आरोप

इस्लामिक जिहादियों के साथ मिलकर हिन्दी खबर प्रबंधन भ्रामक खबरें चलाकर कर रहा बदनाम

निराधार खबरें चलाने पर न्यूज चैनल के खिलाफ करेंगे मानहानि का मुकदमा: महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी

सूर्या बुलेटिन

गाजियाबाद। वेव सिटी थाना क्षेत्र में 24 मई को यू-ट्यूब खबरिया चैनल हिन्दी खबर के कर्मचारियों द्वारा अवैध धन वसूली के मामले में नया मोड़ आ गया है। इस मामले में हिन्दी खबर की ओर से भ्रामक और तथ्यहीन खबरें चलाए जाने पर महामंडलेश्वर और शिव शक्ति धाम डासना के मुख्य पीठाधीश्वर यति नरसिंहानंद गिरी महाराज सामने आए हैं। उन्होंने इस संबंध में एक प्रेसवार्ता का आयोजन करके हिन्दी खबर के खिलाफ अदालत में वाद दायर करने और प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया में शिकायत करने की बात कही। उन्होंने कहा कि हिन्दी खबर चैनल का इस्लामिक जिहादियों से मजबूत गठजोड़ है, जिसके कारण चैनल की ओर से हिन्दुत्व की रक्षा करने वालों के खिलाफ फर्जी मुकदमे करवाने के साथ ही भ्रामक खबरें भी चलाई जा रही हैं।

डासना शिवशक्ति धाम के मुख्य पीठाधीश्वर और महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी जी महाराज ने नोएडा के खबरिया यू ट्यूब चैनल हिन्दी खबर पर उनकी छवि बिगाड़ने के लिए फर्जी और भ्रामक खबर चलाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि गाजियाबाद सहित पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में हिन्दी खबर के संवाददाता अवैध धन उगाही के खेल

चैनल पर आरोप

- न्यूज चैनल हिन्दी खबर के रिपोर्टर फर्जी खबर चलाकर अवैध धन उगाही का खेल करते हैं
- हिन्दी खबर के मालिक अतुल अग्रवाल पर भी जून, 2021 में बाबा राम देव ने रंगदारी का मुकदमा दर्ज कराया था
- बेव सिटी पुलिस ने दबाव में बम्हैटा गांव के युवकों के खिलाफ लूट का फर्जी मुकदमा दर्ज किया

में लगे हुए हैं। यति नरसिंहानंद गिरी जी महाराज ने कहा कि उनके शिष्यों की ओर से बेबुनियाद खबर चलाने व उनके शिष्य अनिल यादव को अपनी खबरों में भू-माफिया, गैंगस्टर, गुंडा, हिस्ट्रीशटर बताकर उनकी छवि को धूमिल करने पर हिन्दी खबर के खिलाफ न्यायालय में मान हानि व अन्य आरोपों में वाद दायर किया जाएगा और चैनल को अपनी खबरों के तथ्यों के संबंध में अदालत में साक्ष्य प्रस्तुत करने होंगे। उन्होंने कहा कि यदि चैनल के मालिक व रिपोर्टर उनसे माफी मांगें अन्यथा वे अदालत में कानूनी का सामना करने को तैयार रहें। महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी ने कहा कि ऐसी एक घटना गाजियाबाद के वेव सिटी थाना क्षेत्र में 24 मई को भी हुई। जिसमें गांव बम्हैटा निवासी हितेश चौधरी अपने पुराने भवन का जीर्णोद्धार करवा रहे थे, तब वहां हिन्दी खबर के कर्मचारियों ने चोरी छुपे वीडियो बनाना शुरू कर दिया। इस दौरान काफी संख्या में ग्रामीण जमा हो गए। ग्रामीणों ने हिन्दी खबर के कर्मचारियों से चोरी छुपे वीडियो बनाने का कारण पूछा तो कर्मचारियों ने कहा कि इस निर्माण को अवैध बताकर जीडीए से शिकायत कर कार्रवाई करवाई जाएगी। यदि आप प्राधिकरण की कार्रवाई से बचना चाहते हो तो जो लोग यह निर्माण करवा रहे हैं, उनसे सुविधा शुल्क दिलवाओ। जब ग्रामीणों ने बताया कि यह निजी निर्माण हैं और नियमों के तहत हो रहा हो तो चैनल के रिपोर्टर गाली गलौज पर उतर आए, इसका ग्रामीणों ने विरोध किया। महामंडलेश्वर ने सोमवार का पत्रकारों को बताया कि शोर सुनकर उनके शिष्य राजेश यादव और अनिल यादव मौके पर पहुँचे। क्योंकि यह घटना राजेश यादव के ऑफिस के बाहर की थी। इसलिए खुद को फंसता देख हिन्दी खबर चैनल की महिला रिपोर्टर की शिकायत पर दबाव में पुलिस ने लूट में मुकदमा भी दर्ज कर लिया, जबकि सारी घटना सीसीटीवी में कैद हो गयी है। उन्होने कहा कि हिन्दी खबर न्यूज चैनल के रिपोर्टर ही नहीं इसके मालिक के खिलाफ भी रंगदारी व उगाही के मामले दर्ज हैं। इससे पहले भी गाजियाबाद और नोएडा में धन उगाही में विफल रहने पर इस चैनल के रिपोर्टर मारपीट और लूटपाट के मुकदमे दर्ज करवा चुके हैं। महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी ने पत्रकारों को बताया कि हिन्दी खबर के मालिक अतुल अग्रवाल पर भी इस प्रकार के कई मुकदमे दर्ज हैं। जून 2021 में बाबा राम देव ने भी अतुल अग्रवाल पर रंगदारी का मुकदमा दर्ज कराया था। उन्होंन आरोप लगाया कि चैनल के मालिक अतुल अग्रवाल व एंकर प्रिया राणा के इस्लामिक जिहादियों से बहुत मजबूत गठजोड़ है। इसकी भी पुलिस व गृह मंत्रालय को जांच करनी चाहिए। प्रेस वार्ता में हितेश चौधरी, पंकज भी मौजूद थे।

पार्षद पति राजेश यादव को फंसाने की कोशिश

महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी जी महाराज ने आरोप लगाया कि राजेश पहलवान वार्ड नंबर 42 से पार्षद श्रीमती प्रमोश यादव के पति हैं। उनका बस सर्विस का बहुत पुराना बिजनेस है। लेकिन जिस प्रकार हिन्दी खबर अपनी खबरों में उन्हें भू माफिया बताकर इस मामले में फंसाने और बदनाम करने की कोशिश की जा रही है, इसके पीछे कोई ना कोई गहरी षड्यंत्र है। इसी के तहत बिना तथ्यों के उन पर बिल्कुल झूठे व निराधार लगाये जा रहे हैं।

अनिल यादव मेरी विचारधारा के उत्तराधिकारी हैं

महामंडलेश्वर ने कहा कि गांव बम्हैटा निवासी अनिल यादव मेरी विचारधारा के उत्तराधिकारी हैं। वे पिछले 15 वर्ष से मेरे साथ हिंदुओं के स्वाभिमान के लिए जिहादी की लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्हें सभी छोटे नरसिंहानंद कहते हैं वह एक समाचार पत्र व हिंदी पत्रिका के संपादक भी हैं और मंदिर में ही अखाड़ा चलाते हैं। लेकिन जिस प्रकार से हिन्दी खबर चैनल अपनी खबरों में अनिल यादव को गैंगस्टर, गुंडा एक्ट, हिस्ट्रीशीटर व भूमाफिया के आरोप लगाये जा रहे हैं और इसके साथ गैंगरेप का भी मामला अनिल यादव पर बताया जा रहा है। यह सरासर बिना तथ्यों के अनिल यादव की छवि को बदनाम और बेइज्जत करने की कोशिश की है। इसलिए हम चैनल के स्वामी अतुल अग्रवाल, एंकर प्रिया राणा सहित उन सभी लोगों के खिलाफ मानहानि व भावनाओं को आहत करने से लेकरल आरोपों में तमाम मुकदमे दर्ज कराने जा रहे हैं।

मेरी खिलाफ चलायी गई सभी खबर बेबुनियाद: अनिल यादव

प्रेस वार्ता में अनिल यादव ने भी अपने खिलाफ बेबुनियादी और बिना तथ्यों के खबर चलाने का आरोप लगाया। उन्हें कहा कि अदालत में मामला दायर कर चैनल से उनके माफिया, गुंडा एक्ट में कार्रवाई या गैंगस्टर, हिस्ट्रीशीट के साक्ष्य मांगे जाएंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें गैंगरेप का आरोपी बताने पर उनसे उस मुकदमे की कॉपी मांगी जाएगी।

रेपिड रेल कॉरिडोर के दोनों तरफ विकसित होंगी टाउनशिप

सूर्या बुलेटिन

गाजियाबाद। रेपिड रेल कॉरिडोर के दोनों तरफ डेढ़ किलो मीटर के दायरे में (टीओडी) जोन और विशेष विकास क्षेत्र का जोनल प्लान तैयार हो रहा। इसके तैयार होने पर क्षेत्र की भूमि का भू उपयोग मिश्रित होगा, जिससे यहां योजनाबद्ध तरीके से आवासीय और व्यावसायिक गतिविधियां हो सकेंगी। ऐसे में प्राधिकरण अवैध निर्माण पर सख्ती कर रहा। शासन की टीओडी पॉलिसी के अनुसार, नमो भारत ट्रेन कॉरिडोर के दोनों ओर 500-500 मीटर और स्टेशन के 1.5 किलोमीटर के दायरे में मिश्रित भू उपयोग (मिक्स लैंड) घोषित किया है। जीडीए और आवास विकास परिषद ने इस पॉलिसी के तहत अपने क्षेत्रों के स्टेशन और कॉरिडोर की लाइन के दोनों तरफ इसे लागू भी कर दिया।

दुहाई डिपो को भी इसमें शामिल किया गया है। इस क्षेत्र को विकसित करने के लिए नोडल एजेंसी एनसीआरटीसी जोनल प्लान तैयार कर रही है, ताकि क्षेत्र का योजनाबद्ध तरीके से विकास किया जा सके। ऐसे में जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने इस क्षेत्र पर विशेष नजर रखते हुए अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं, ताकि जोनल प्लान बनने के बाद इस कॉरिडोर की जमीन का उचित प्रयोग कर आवासीय और व्यावसायिक योजनाएं लाई जा सके। जीडीए उपाध्यक्ष ने प्रवर्तन जोन एक प्रभारी ओएसडी को निर्देश दिए हैं कि ओटीएस जोन क्षेत्र में अवैध निर्माण न हो। उन्होंने अधिकारियों और सुपरवाइजरों को अवैध निर्माण पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। पिछले दिनों उन्होंने अवैध निर्माण करने वालों पर कार्रवाई भी की थी। अब तक डेढ़ से दो फ्लोर एरिया रेशो (एफएआर) मिलता है, जो नई पॉलिसी के तहत पांच एफएआर तक हो जाएगा। इससे कई गुना ऊंचाई की इमारतें बनेंगी। पॉलिसी में निर्मित क्षेत्र में 3.5 एफएआर, विकसित क्षेत्र में चार एफएआर और अविकसित क्षेत्र में पांच एफएआर देने का प्रावधान है। टीओडी स्कीम से 50 फीसदी प्राधिकरण और परिषद को आय होगी, जबकि 50 फीसदी एजेंसी के खाते में जाएगा। टीओडी जोन के तहत जरूरत के स्थानों पर आन स्ट्रीट पार्किंग की सुविधा दी जाएगी। यहां की भूमि मिश्रित भू उपयोग की होगी, जहां पर घर बनाने के साथ इसका व्यावसायिक इस्तेमाल कर सकेंगे। माना जा रहा है कि यहां नई टाउनशिप बनाई जा सकती है। काम्प्लेक्स, मॉल, दफ्तर और रेस्तरां आदि भी खोले जा सकते हैं। प्राधिकरण और परिषद क्षेत्र को नए रूप में विकसित कर सकता है। कॉरिडोर के दोनों ओर ऊंची इमारतों का जाल फैल सकेगा। अतिरिक्त एफएआर मिलने से ऊंची इमारतें बनेंगी, जिस पर घर बनाए जा सकेंगे।

लोकसभा के चुनावी समर में चार प्रमुख मुद्दे रहे हावी

इन्हीं मुद्दों के इर्द-गिर्द सभी पार्टियों की कैंपेनिंग सिमटी नजर आई

सूर्या बुलेटिन

गाजियाबाद। देश के आम चुनाव का परिणाम आ गया है। 76 दिनों तक चले वाले चुनावी कैंपेन में 8352 उम्मीदवारों ने खूब जोर-अजमाइश की। बड़े दलों की तरफ से स्टार प्रचारक भी मैदान में कूदे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरे चुनाव में 206 रैलियों को संबोधित किया। कांग्रेस की तरफ से राहुल गांधी ने 107 और प्रियंका गांधी ने 108 रैलियां की। बड़ी-बड़ी रैलियों के अलावा इस बार उम्मीदवारों ने डोर-टू-डोर पर ज्यादा फोकस किया। पूरे चुनाव में 4 मुद्दे काफी हावी रहे. इन्हीं मुद्दों के इर्द-गिर्द सभी पार्टियों की कैंपेनिंग सिमटी नजर आई। नेताओं की रैलियों में भी इन्हीं मुद्दों की गूंज सुनाई दी और मीडिया में भी ये ही मुद्दे छाए रहे।

इन मुद्दों ईर्द गिर्द घूमता रहा चुनाव कैंपेन

संविधान और आरक्षण का मुद्दा

पहले चरण से लेकर आखिरी चरण तक के चुनाव प्रचार में संविधान और आरक्षण का मुद्दा हावी रहा। विपक्षी पार्टियों ने बीजेपी के 400 पार के नारे को भी संविधान खत्म करने से जोड़ दिया, जिसके बाद सत्ताधारी पार्टी बैकफुट पर आ गई। दूसरे और तीसरे चरण में बीजेपी के बड़े नेता अपने हर मंच से संविधान और आरक्षण पर किसी भी तरह के आंच नहीं आने देने की बात कहते रहे। हालांकि, विपक्ष इस मुद्दे को आखिरी चरण तक खींचने में कामयाब दिखा। चौथे चरण से बीजेपी ने भी स्ट्रैटजी बदली और ओबीसी कोटे से मुस्लिमों को मिल रहे आरक्षण को मुद्दा बनाया। बंगाल की रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐलान किया कि जब तक वे जीवित हैं, तब तक ओबीसी की हकमारी नहीं होने देंगे। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने इस पूरे चुनाव को संविधान मंथन नाम दिया। अखिलेश के मुताबिक इस बार लोग संविधान बचाने के लिए वोट कर रहे हैं। अखिलेश की तरह ही कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी इसे मुद्दा बनाया. वे अपने हर रैली में संविधान लेकर लोगों के बीच पहुंचे और इसे बचाने की अपील करते नजर आए.

कैंपेन में फ्री का मुद्दा भी रहा हावी

लोकसभा चुनाव 2024 के कैंपेन में फ्रीबीज का मुद्दा भी हावी रहा। सभी

पार्टियों ने कल्याणकारी योजना के नाम पर जमकर लोगों से वोट मांगे। भारतीय जनता पार्टी ने 80 करोड़ लोगों को 5 किलो राशन देने का मुद्दा बनाया। वहीं कांग्रेस महिलाओं को उसके अकाउंट में हर साल 1 लाख रुपए देने का वादा पूरे चुनाव में किया। राहुल गांधी हर रैली और कार्यक्रम में खटाखट नारे के साथ इस वादे का प्रचार करते नजर आए।

लोकसभा ही नहीं, 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव में भी फ्री वाला का मुद्दा हावी रहा। आंध्र प्रदेश में तेलगु देशम पार्टी ने सरकार आने पर मुफ्त बस यात्रा, महिलाओं को 1500 रुपए मासिक पेंशन देने का वादा किया। ओडिशा में नवीन पटनायक की पार्टी ने भी फिर से सरकार आने पर 100 यूनिट फ्री बिजली देने का वादा किया। यूपी में समाजवादी पार्टी ने फ्री आटा और फ्री डेटा देने का वादा किया।

गारंटी शब्द की भी रही गूंज

18वीं लोकसभा चुनाव में पहली बार वादे से ज्यादा गारंटी शब्द की गूंज सुनाई दी। सभी पार्टियों ने अपने-अपने मेनिफेस्टो और चुनावी कैंपेन में गारंटी शब्द का जमकर प्रयोग किया। सत्ताधारी बीजेपी ने अपने मेनिफेस्टो का थीम ही मोदी की गारंटी रखा। पार्टी के बड़े नेताओं ने इस नारे को खूब भुनाया भी। इसी तरह विपक्षी कांग्रेस भी 5 न्याय और 25 गारंटी के सहारे मतदाताओं के मूड बदलने की कोशिश करती दिखी। पार्टी के बड़े नेता हर मंच से युवा, किसान, श्रमिक, महिला और वंचित वर्ग को गारंटी के साथ न्याय दिलाने का वादा करते नजर आए। बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के नेता दीदी रे शोपथ (दीदी की शपथ) स्लोगन के सहारे लोगों को रिझाते नजर आए।

अल्पसंख्यकों का मुद्दा भी उठा

सीएसडीएस के एसोसिएट प्रोफेसर हिलाल अहमद के मुताबिक इस चुनाव में मुसलमान ही मुद्दा बन गए। बीजेपी ने अपने आधार वोट बैंक तक पहुंचने के लिए दूसरे चरण के मतदान से पहले अल्पसंख्यकों के खिलाफ प्रचार की रणनीति अपनाई, जो आखिर तक जारी रहा। पीएम मोदी के भाषण भी मुसलमानों के इर्द-गिर्द ही घुमता रहा। मोदी अपनी हर रैली में विपक्ष पर मुस्लिम तुष्टिकरण का आरोप लगाते नजर आए। मोदी के निशाने पर ईसाई भी रहे। रांची की रैली में प्रधानमंत्री ने रविवार की छुट्टी को ईसाई धर्म से जोड़ने की कोशिश की। विपक्ष भी अल्पसंख्यकों के मुद्दे को जोर-शोर से उठाया। तृणमूल कांग्रेस ने सरकार में आने पर सीएए-एनआरसी को खारिज करने की घोषणा की। इसी तरह कांग्रेस ने भी अल्पसंख्यकों को अधिकार देने का वादा किया। आंध्र प्रदेश में बीजेपी की सहयोगी टीडीपी ने मुसमलानों को सरकार आने पर 4 प्रतिशत आरक्षण देने का वादा किया।

2019 और 2014 में ये मुद्दे थे हावी

2019 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने उग्र राष्ट्रवाद, हिंदुत्व और सोशल वेलफेयर स्कीम को अपने कैंपेन में शामिल किया। नतीजा पार्टी के पक्ष में आया और पहली बार पार्टी 300 से ज्यादा लोकसभा की सीटों पर जीत दर्ज की। राजनीतिक विश्लेषक प्रशांत किशोर के मुताबिक पार्टी उग्र राष्ट्रवाद और हिंदुत्व के जरिए जहां अपने आधार वोट बैंक को साधती है, वहीं कल्याण के नाम पर साइलेंट वोटरों को अपने पक्ष में करती है। 2019 के चुनाव में बीजेपी को 38 प्रतिशत मत मिले थे। पार्टी ने यही फॉर्मूला कई राज्यों में विधानसभा के चुनावों में भी अपनाया। 2014 के लोकसभा चुनाव में भ्रष्टाचार, महंगाई और बेरोजगारी प्रमुख मुद्दा था। सीएसडीएस पोस्ट पोल सर्वे के मुताबिक 2014 के लोकसभा चुनाव में 19 प्रतिशत लोगों ने महंगाई तो 17 प्रतिशत लोगों ने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर वोट किया था। 7.5 प्रतिशत लोग बेरोजगारी और 10.9 प्रतिशत लोगों ने काम के नाम पर अपना मतदान किया था।

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में सुलग रही है बगावत की आग

सूर्या बुलेटिन

गाजियाबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में बगावत की आग सुलग रही है. यहां की जनता पाकिस्तानी प्रशासन के अत्याचार के खिलाफ सड़कों पर उतर आई है और पूरा क्षेत्र हिंसा की आग में जल रहा है। वहीं दूसरी इस इस प्रदर्शन और विरोध को पाकिस्तानी सरकार यहां की निहत्थी जनता पर, लोगों गोलियां चला रही है। मई की शुरूआत में ही खबर आई थी की पाकिस्तानी रेंजर्स द्वारा की गई की गोलीबारी में चार आम नागरिकों की मौत हुई है।

पीओके की जनता के नाराजगी का कारण

बढ़ती महंगाई: पाकिस्तान में साल 2022 के मई महीने से उपभोक्ता मुद्रास्फीति 20 प्रतिशत था, जो कि एक साल बाद यानी 2023 के मई में 38 प्रतिशथ तक पहुंच गई है थी। हाल के सालों में पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के अलावा भी इस देश के कई राज्यों में खाने की जरूरी चीजें, जैसे कि आटा, मांस और चावल दोगुने दाम पर बिके हैं। भीषण आर्थिक संकट झेल रहे पाकिस्तान ने पिछले कुछ सालों में बिजली की दरों में भी लगातार बढ़ोतरी की है। बिजली महंगी होने के कारण

- 13 हजार किलोमीटर में फैले पीओके में 40 लाख से ज्यादा रहते हैं
- ये लोग अपना मंत्रिमंडल और अपनी सरकार की बात करते हैं

लोगों को खाने पीने या अन्य जरूरी सामान खरीदने में पैसे की कमी होने लगी, जिसके कारण यहां की जनता सरकार से नाराज है। भारत के साथ व्यापार बंद होने के बाद पाकिस्तान में व्यापारियों का एक बड़ा वर्ग बर्बाद हो चुका है। दरअसल 17 मई को पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने माना कि साल 2019 के फरवरी महीने में पुलवामा में हुए हमले के बाद भारत के साथ पाकिस्तान के व्यापार संबंधों में गिरावट आई है। इस हमले के बाद, भारत ने पड़ोसी देश पाकिस्तान के साथ व्यापार को कम करने के लिए कुछ तत्काल कदम उठाए थे, जिसमें 200 प्रतिशत आयात शुल्क लगाना भी शामिल है। उस वक्त भारत ने घोषणा की थी कि पाकिस्तान अब 'सबसे पसंदीदा राष्ट्र' या एमएफएन की लिस्ट में नहीं है और यहां से आने वाले सभी उत्पादों पर 200 प्रतिशत आयात शुल्क लगा दिया। भारत के इस कदम से पाकिस्तान को भारी आर्थिक झटका लगा। पुलवामा हमले के बाद भी भारत ने अपने पड़ोसी देश पाकिस्तान पर सीमा पार आतंकवाद, तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाया। जिसके कारण नियंत्रण रेखा के पार व्यापार निलंबित कर दिया गया। भारत के इस फैसले से पाकिस्तान के निर्यात में भारी गिरावट आई। इस ऐसे समझें कि भारत ने वित्तीय वर्ष 2016-17 और 2018-19 के बीच अपने पड़ोसी देश पाकिस्तान से 450 मिलियन अमरीकी डालर से अधिक का सामान आयात किया था। लेकिन, 200 फीसदी आयात शुल्क लगाए जाने के बाद, साल 2019-20 में यह घटकर 14 मिलियन अमेरिकी डॉलर रह गया। इसके बाद वित्तीय वर्ष 2020-21 में 2 मिलियन अमेरिकी डॉलर, 2021-22 में 3 मिलियन अमेरिकी डॉलर, वित्तीय वर्ष 2022-23 में 20 मिलियन अमेरिकी डॉलर और वित्त वर्ष 2023-24 में 3 मिलियन अमेरिकी डॉलर रह गया। भारत को निर्यात में उल्लेखनीय कमी ने व्यापारियों को गंभीर रूप से प्रभावित किया है, खासकर पीओके जैसे क्षेत्रों में, जिसके कारण पीओके की जनता पाकिस्तानी प्रशासन से खासा नाराज है।

पाकिस्तान में जरूरी चीजों के कीमत

पाकिस्तान में फिलहाल इतनी ज्यादा महंगाई है कि आम जनता को एक लीटर दूध खरीदने के लिए 210 रुपये प्रति लीटर खर्च करने पड़ रहे है। इतना ही नहीं यहां चावल की कीमत 400 रुपये किलो है। जबकि एक दर्जन अंडा खरीदने के लिए लोगों को 250 रुपये खर्च करने पड़ते हैं। इसके अलावा चीनी की कीमत 140 रुपये किलो, 450 रुपये किलो मटन और 400 रुपये प्रति किलो चिकन की कीमत है। मई 2023 में विनिमय दरों के अनुसार पाकिस्तान में औसत वेतन 81,800 पीकेआर (पाकिस्तानी रुपया) प्रति माह है। यानी यहां का एक व्यक्ति 287 अमेरिकी डॉलर या लगभग 23 हजार रुपये प्रतिमाह कमाता है। ऐसे में इतनी महंगाई ने लोगों की हालत खराब कर रखी है।

पाकिस्तान को कैसे मिला कश्मीर का ये हिस्सा

साल 1947 में जब भारत आजाद हो रहा था, उस वक्त जम्मू-कश्मीर के शासक महाराजा हरि सिंह को भारत या पाकिस्तान में शामिल होने का विकल्प दिया गया था। हालांकि जब तक लिया जाता, तब तक कश्मीर का वो हिस्सा जो जो हिस्सा अब पाकिस्तान में है, वहां के लोगों ने राजा के खिलाफ बगावत कर दी। इस बगावत के बीच पाकिस्तान कबायलियों को भेज हिंसा के दम पर कश्मीर के अलग-अलग हिस्सों को हथिया रहे थे। उस वक्त भारतीय सेना ने कश्मीर में हो रहे बगावत और हिंसा का खत्म करने में राजा की मदद की, लेकिन बदले में कुछ शर्तें थीं। बगावत होने और भारत के कुछ शर्तों पर हामी भरने के बीच ही विद्रोहियों ने कश्मीर के कुछ हिस्से पर कब्जा जमा लिया था। इस हिस्से पर कब्जा जमाने वाले लोगों ने खुद को आजाद कश्मीर घोषित कर दिया। बोलचाल में इसे आजाद कश्मीर भी कहते हैं। हालांकि इस पर पाकिस्तान का सीधा हस्तक्षेप है।

पीओके पर नहीं दे पा रहा पाकिस्तान ध्यान

पीओके में बार बार हो रहे बगावत को देखते हुए ये कहना गलत नहीं होगा कि पाकिस्तान ने आजाद कश्मीर को हथियार तो लिया, लेकिन विवादित क्षेत्र होने के कारण उस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। वर्तमान में इस 13 हजार किलोमीटर में फैले आजाद कश्मीर में 40 लाख से ज्यादा लोग रहते हैं। ये लोग अपना मंत्रिमंडल और अपनी सरकार की बात करते हैं। 10 जिलों में बंटे पीओके की राजधानी मुजफ्फराबाद है। इसके पास अपनी सुप्रीम कोर्ट भी है, लेकिन असल में सारा राज-कानून पाकिस्तान का चलता है। कुदरती तौर पर पीओके भारती के कश्मीर जितनी ही खूबसूरत है। लेकिन, भारत की तरह यहां टूरिज्म न के बराबर है। इसका एक कारण ये है कि पीओके न तो पूरी तरह आजाद है, न ही इस पाकिस्तान ने पूरी तरह अपनाया है। यही कारण है कि पीओके लगातार बदहाल होता चला गया।

पीओके की जनता पाकिस्तान से नाराज

पाकिस्तान पीओके के इस हिस्से का इस्तेमाल आतंकियों की ट्रेनिंग देने के लिए करता रहा है। पाकिस्तान पर ये भी आरोप है कि पीओके को टैरर फैक्ट्री बनाने के अलावा यहां की सरकार इस क्षेत्र के डेवलपमेंट के लिए कोई काम नहीं करती है। इस क्षेत्र में रहने वाले लोगों के पास नौकरी नहीं, कम यूनिवर्सिटी और महंगाई बढ़ने के कारण यहां के बच्चे एक बेहतर रोजगार पाने लायक शिक्षा नहीं ले पाते हैं और बाद में सरकार इन्हीं बेरोजगारों को मिलिटेंट बनाती और इस्तेमाल करती है। पाकिस्तान ने इस क्षेत्र को कभी कोई विशेष दर्जा भी नहीं दिया है, जबकि यहां के लोग सालों से भयंकर बदहाली में रह रहे हैं। यहां की संसद के पास छोटे मोटो फैसले लेने के अलावा कोई बड़े फैसले लेने का अधिकार नहीं है। यहां तक की पाकिस्तान ये तक सुनिश्चित करता है कि इस क्षेत्र के केवल वही लोग चुनाव में हिस्सा लें जो पाकिस्तान को सपोर्ट करते हैं। लोकल सरकार चुने जाने के बावजूद यहां के सारे फैसले इस्लामाबाद की सरकार ही तय करती है।